ICCR

वार्षिक रिपोर्ट
2022–23

सांस्कृतिक संबंधों और आदान-पदान को बढ़ावा देना

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2022-2023

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

Indian Council for Cultural Relations

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद

भारतीय इतिहास और संस्कृति में बढ़ती वैश्विक रुचि, मानविकी की पढ़ाई करने वालों के लिए कई अवसर प्रदान करती है।

श्री नरेंद्र मोदी
भारत के माननीय प्रधान मंत्री

पिछली दो पीढ़ियों में दुनिया ने एक स्थिर आर्थिक और राजनीतिक पुनर्संतुलन देखा है। हालाँकि, यदि वास्तव में एक बहुध्रुवीय विश्व का उदय होना है, तो यह केवल सांस्कृतिक पुनर्संतुलन के साथ ही हो सकता है। लोकतांत्रिक वैश्विक व्यवस्था में विरासत, रीति-रिवाजों और आख्यानों के संदर्भ में दुनिया की विविधता को मान्यता दी जानी चाहिए और उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

डॉ एस जयशंकर
माननीय विदेश मंत्री

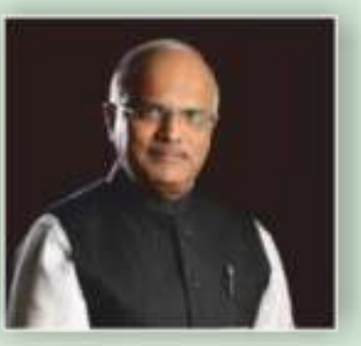

संदेश

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) भारत के वैश्विक सांस्कृतिक संबंधों या सॉफ्ट पावर को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठा मंच है। भा.सां.सं.प. एक संगठन के रूप में भारत के विचार, इसकी संस्कृति, मूल्यों, लोगों और सभ्यता के बारे में उचित समझ बनाने की दिशा में प्रयास कर रहा है। पिछले साल की कई नई पहलों के साथ, तीन महत्वपूर्ण योजनाएँ वर्ष 2022-23 में भा.सां.सं.प. की आउट-ऑफ-द-बॉक्स सोच को चिह्नित करती हैं। सर्व प्रथम, श्रीमती जया जेटली द्वारा एक व्याख्यान के माध्यम से सॉफ्ट पावर के बारे में एक कथा के एक भाग के रूप में भारतीय पारंपरिक शिल्प को लाना, दूसरा दारा शिकोह की 'मजमा-उल-बहरीन' को अरबी में जारी करके विदेशी भाषाओं में भारतीय साहित्य के अनुवाद को बढ़ावा देना और तीसरा, "प्रतिभा संगम" प्रतियोगिता जैसी पहल के माध्यम से विदेशों में भारतीय शास्त्रीय नृत्य और संगीत परंपराओं के छात्रों की उभरती प्रतिभाओं को पहचानना है।

भारत और इसकी संस्कृति के प्रति विदेशी नागरिकों के गहरे जुड़ाव को मान्यता देते हुए, भा.सां.सं.प. ने 16 अप्रैल, 2022 को "प्रतिभा संगम" नामक अपनी तरह की पहली अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता शुरू की है। यह दुनिया भर के कलाकारों के लिए शास्त्रीय भारतीय संगीत और नृत्य की श्रेणियों में पहली वैश्विक प्रतियोगिता है।

21 मई को मनाए जाने वाले विश्व संस्कृति दिवस के उपलक्ष्य में, भा.सां.सं.प. हर साल भारत के सांस्कृतिक प्रभाव/सॉफ्ट पावर से संबंधित विषयों पर एक व्याख्यान आयोजित करती रही है। 2022 में, इस भाषण का 5वां संस्करण, एक प्रसिद्ध हस्तशिल्प क्यूरेटर और दस्तकारी हाट समिति, नई दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती जया जेटली द्वारा "भारत की सॉफ्ट पावर के रूप में शिल्प परंपराएं" पर दिया गया था। अपने व्याख्यान के दौरान, श्रीमती. जेटली ने भारतीय कला और शिल्प की क्षमता पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे कला लोगों को भारत के मूल्यों और इसकी संस्कृति से परिचित कराने के साधन के रूप में कार्य कर सकती है।

2018 से, भा.सां.सं.प. योग विज्ञान के कई आयामों की गहरी समझ विकसित करने के लिए हर साल योग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के 8वें संस्करण को चिह्नित करने के लिए, भा.सां.सं.प.ने वोंकवांग डिजिटल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया के सहयोग से 25 जून, 2022 को "योग एंड नेचुरल हैल्थकेयर फॉर कोविड पेन्डामिक (फ्रॉम प्रिवेंशन टू लॉन्ग-टर्म रिहैबिलिटेशन" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन के लिए अकादमिक भागीदार एस.वी.वाई.ए.एस.ए. विश्वविद्यालय बेंगलुरु, कर्नाटक था।

इसके अलावा, भा.सां.सं.प. ने 09 सितंबर, 2022 को श्री अमर हसन द्वारा दारा शिकोह

की 'मजमा-उल-बहरीन' के अरबी अनुवाद की पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया। पुस्तक का विमोचन भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ द्वारा किया गया। पुस्तक का यह अनुवादित संस्करण भारत की बेहतर समझ के लिए अरबी दर्शकों के बीच भारत के आध्यात्मिक और दार्शनिक साहित्य और ग्रंथों को फैलाने का एक प्रयास है।

इस क्रम में पहली बार भा.सां.सं.प. ने 19-21 फरवरी, 2023 तक मेवाड़ विश्वविद्यालय, राजस्थान में विदेशी छात्रों के लिए एक निबंध और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह सभी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए खुला था, चाहे वे भा.सां.सं.प. छात्रवृत्ति पर हों या स्व-वित्तपोषित आधार पर अध्ययन कर रहे हों। प्रतियोगिता के विषय भारत की जी20 प्रेसीडेंसी, भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित थे।

आज़ादी का अमृत महोत्सव (अकाम) के अंतर्गत भा.सां.सं.प. ने अपना "जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेटिक नेटवर्क" कार्यक्रम जारी रखा। इस नई पहल के तहत भा.सां.सं.प. दुनिया भर के पचहत्तर लोकतंत्रों के युवा, उभरते सामाजिक और राजनीतिक नेताओं की मेजबानी कर रहा है। आठ देशों के उनतालीस प्रतिनिधियों का आठवें दल ने 06 से 15 मार्च, 2023 तक भारत का दौरा किया।

शिक्षाविदों द्वारा सरकार के नीतिगत निर्णयों की समझ को गहरा करने और नीति निर्माताओं के साथ शिक्षा जगत के लिए एक इंटरफ़ेस बनाने के लिए, भा.सां.सं.प. ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जे एन यू), नई दिल्ली के सहयोग से 17-18 मार्च 2023 तक भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्घाटन भारत सरकार के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने किया और भारत भर के विश्वविद्यालयों के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विभागाध्यक्षों (एचओडी) को आमंत्रित किया गया।

भा.सां.सं.प. द्वारा 2022-23 के दौरान, की गई विविध गतिविधियों के बारे में हमारे सभी पाठकों को बेहतर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से,मुझे यह वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए हार्दिक खुशी हो रही है।

विनय सहस्रबुद्धे
अध्यक्ष, भा.सां.सं.प.

प्राक्कथन संदेश

कोविड-19 महामारी की छाया से बाहर आते हुए, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) ने वर्ष 2022-23 में कई सफलतायें हासिल की है। हमने न केवल पिछले दो वर्षों से लंबित कार्यों को पूरा किया, बल्कि भारत की जी-20 अध्यक्षता, 17 वें प्रवासी भारतीय दिवस, 12 वें विश्व हिंदी सम्मेलन आदि जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति का गर्व से प्रदर्शन भी किया।

भा.सां.सं.प. की संस्थागत क्षमता को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए। कई वर्षों अंतराल के बाद, नई नियुक्तियां की गई जिससे कर्मचारियों की संख्या 119 (2021 से पहले) से बढ़कर 144 (अप्रैल 2023 में) हो गई। सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान जैसे प्रमुख संस्थानों में कर्मचारियों के प्रशिक्षण ने सांस्कृतिक कूटनीति कार्य के लिए आवश्यक नए कौशल प्रदान किये। भा.सां.सं.प. के जोनल कार्यालयों के आकार में सुधार का महत्वपूर्ण कार्य पूरा किया गया जिसके माध्यम से 18 जोनल कार्यालयों का 11 जोनल/सब-जोनल कार्यालयों के अंतर्गत संगठित किया गया। नियुक्ति नियमों, वित्तीय प्रबंधन योजनायों/एसओपी, स्थानांतरण नीति आदि की समीक्षा को अंतिम रूप दिया गया। डिजिटल डोमेन में भा.सां.सं.प. की क्षमता को मजबूत करने के लिए कई नए उपाय किये गए, जिनमें छात्रवृत्ति प्रक्रिया को, विशेष रूप से छात्रों और सूचीबद्ध संस्थानों के साथ इसके इंटरफ़ेस को डिजिटल बनाने के लिए 6 फरवरी 2023 को ज्ञान सेतु एप्लिकेशन का लॉन्च, 9 अप्रैल 2022 को भारत में पूर्व छात्र पोर्टल का लॉन्च, भा.सां.सं.प. की नई वेबसाइट का शुभारंभ, ई-ऑफिस की शुरुआत और कई नए ऑनलाइन कार्यक्रम शामिल है।इन उपायों ने वित्त वर्ष 2022-23 में भा.सां.सं.प. के इतिहास में अब तक के सबसे अधिक बजट उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत की बेहतर समझ को बढ़ावा देने के लिए, भा.सां.सं.प.की पहल जैसे कि आईबीपी/आर्ट रेजीडेंसी/हिंदी छात्रों के नए आगंतुकों के कार्यक्रमों का शुभारंभ और जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम के तहत दुनिया भर के 75 लोकतंत्रों के युवा नेताओं की मेजबानी को व्यापक मान्यता और सराहना मिली।

भा.सां.सं.प. की गतिविधियाँ, बाहरी और आंतरिक दोनों, अभूतपूर्व थीं। इस वर्ष निवर्तमान सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल, आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल, होराइजन श्रृंखला कार्यक्रम, जी-20 सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसी विभिन्न श्रेणियों के तहत रिकॉर्ड संख्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। विदेशों में भारत की समृद्ध संस्कृति की जीवंतता को प्रदर्शित करने के लिए 22 राज्यों के साथ साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए। भा.सां.सं.प. की छात्रवृत्ति योजनाओं के बेहतर वितरण के लिए पैनल में शामिल विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू पर भी हस्ताक्षर किये गए, जिससे वर्ष 2022-23 में 3000 से अधिक स्वीकृतियां प्राप्त हुई।

सांस्कृतिक कूटनीति के विभिन्न आयामों की बेहतर समझ के लिए, भा.सां.सं.प. ने अन्नपूर्णा प्रमाणपत्र (सॉफ्ट पावर के रूप में व्यंजन) का मई 2022 में शुभारंभ, भारतीय सिनेमा और सॉफ्ट पावर पर फरवरी 2023 में एक सम्मेलन का आयोजन और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने जैसी नई पहलें शुरू की।

कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेत् शतं समाः।

(ईशोपनिषद्)

(इस संसार में कर्म करके ही मनुष्य को दीर्घायु होने की कामना करनी चाहिए।)

कुमार तुहिन
महानिदेशक, भा.सां.सं.प.

विषय-वस्तु

भा.सां.सं.प. - परिचय	14
भा.सां.सं.प. - संगठनात्मक संरचना	15
भा.सां.सं.प. - भारतीय सांस्कृतिक केंद्र	19
भा.सां.सं.प. - जोनल कार्यालय	60
भा.सां.सं.प. - कार्यक्रम	73
भा.सां.सं.प. - विदेश जाने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल	75
भा.सां.सं.प. - विदेश से आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल	86
भा.सां.सं.प. - जी-20 में भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन	103
भा.सां.सं.प. - प्रदर्शनियों	105
भा.सां.सं.प. - आवक्ष प्रतिमाएँ एवं मूर्तियाँ	110
भा.सां.सं.प. - अध्ययन पीठ	112
भा.सां.सं.प. - सम्मेलन और सेमिनार	116
भा.सां.सं.प. - आगंतुक कार्यक्रम	123
भा.सां.सं.प. - अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की छात्रवृत्ति और कल्याण	130
भा.सां.सं.प. - आईसीसी अनुभाग	135
भा.सां.सं.प. - हिंदी प्रचार	136
भा.सां.सं.प. - पुरस्कार	138
भा.सां.सं.प. - विशेष परियोजनाएं	140
भा.सां.सं.प. - वित्त एवं लेखा	142
भा.सां.सं.प. - अनुलग्नक	
i. महासभा के सदस्यों की सूची	145
ii. शासी निकाय	149
iii. छात्रवृत्ति योजनाओं की सूची	150

HORIZON SERIES
भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्
एवम्

भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद
Indian Council For Cultural Relations
Rabindranath Tagore Centre, Kolkata
Celebrates

Festiv

Connecting Himalayas
with Mount Fuji
ヒマラヤ山脈と富士山をつなぐ

DIVALI
MAHOTSAV
2022

International Day of Yoga 202

भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद
Indian Council for Cultural Relations

परिचय

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) भारत सरकार का एक स्वायत्त शासित संस्था है जिसकी स्थापना 1950 में विदेशों में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और विश्व के साथ सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के समग्र अधिदेश के साथ की गई थी । इसकी गतिविधियों में सांस्कृतिक, शैक्षणिक और बौद्धिक आदान-प्रदान और भारतीय कला, इतिहास, मौखिक परंपराओं, नृत्य, संगीत, योग, भाषाओं, भोजन, त्योहारों और समसामयिक मुद्दों जैसे विषयों पर विभिन्न आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से विदेशों में भारत की संस्कृति को बढ़ावा देना शामिल है।

भा.सां.सं.प. सोसायटी अधिनियम के तहत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत है । यह विदेश मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करती है। भा.सां.सं.प.अपने 38 अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्रों और 5 जोनल, 4 सब-जोनल और 2 आरपीओ के माध्यम से वैश्विक समुदाय के साथ भारतीय संस्कृति की समझ पैदा करने की दिशा में अग्रसर है । पिछले सात दशकों के दौरान भा.सां.सं.प. की कार्यप्रणाली ने एक संस्था के रूप में भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में नए आयाम हासिल किये हैं। यह अच्छी तरह से डिज़ाइन किये गए और लक्षित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से विदेश मंत्रालय की 'सॉफ्ट पावर' संस्था के रूप में उभरी है।

भा.सां.सं.प. की सभी गतिविधियों का उद्देश्य भारत की एक प्रीतिकर और चिरस्थायी छवि बनाने और विदेशों में भारत के 'सॉफ्ट पावर' को बढ़ावा देने के लिए अपनी विरासत, मूल्यों और दर्शन का प्रसार करके लोगों तक पहुँचाना है । भा.सां.सं.प. विदेश में सेमिनारों और संगोष्ठियों की सुविधा के साथ-साथ विद्वानों, शिक्षाविदों, विचारकों, कलाकारों और लेखकों का आदान-प्रदान/यात्राओं की सुविधा, प्रदर्शन कला समूहों की यात्राओं का आदान-प्रदान, प्रदर्शनियों का आदान-प्रदान, विदेशों में भारतीय नेताओं की प्रतिमाओं और मूर्तियों की स्थापना आदि की सुविधा प्रदान करती है। यह विदेशों में विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन पीठों की स्थापना और भरण-पोषण और विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के लिए पुरस्कारों का प्रबंधन भी करती है। यह भारत में अध्ययन करने के लिए विदेशी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएं भी संचालित करती है।

परिषद सांस्कृतिक कूटनीति में लगी एक प्रतिष्ठित संस्था है और भारत तथा साझेदार देशों के बीच बौद्धिक आदान-प्रदान का प्रायोजक होने पर गर्व करती है और भारत की महान सांस्कृतिक और शैक्षिक शक्तियों का प्रतीक है।

भा.सां.सं.प.
संगठनात्मक ढांचा

संगठनात्मक स्तर पर भा.सां.सं.प. का नेतृत्व अध्यक्ष करता है । परिषद का कार्यकारी प्रमुख महानिदेशक भारतीय विदेश सेवा का एक सचिव या अतिरिक्त सचिव स्तर का अधिकारी होता है, जिसे विदेश मंत्रालय द्वारा नियुक्त किया जाता है। महानिदेशक को उप महानिदेशक (भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी) और भा.सां.सं.प. के अधिकारी, और संगठन द्वारा सलाहकार और आउटसोर्स कर्मचारियों के रूप में नियुक्त पदाधिकारियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

दिल्ली स्थित मुख्यालय में परिषद के विभिन्न कार्यक्रमों और समग्र प्रशासन, योजना और वित्तीय प्रबंधन के लिए समर्पित अनुभाग हैं। इन अनुभागों का नेतृत्व निदेशक, वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक और कार्यक्रम निदेशक करते हैं । इन अनुभागों में (i) प्रशासन, स्थापना और जोनल कार्यालय, (ii) वित्त और लेखा, (iii) भारतीय सांस्कृतिक केंद्र और योग प्रचार, (iv) छात्रवृत्तियां (v) अध्ययन पीठ , (vi) सम्मेलन और सेमिनार, (vii) हिंदी संवर्धन (viii) आउटगोइंग कल्चरल डेलीगेशन (ओसीडी), (ix) इनकमिंग कल्चरल डेलीगेशन (आइसीडी), (x) प्रदर्शनी, आवक्ष प्रतिमाएँ और मूर्तियाँ, (xi) आगंतुकों के कार्यक्रम, (xii) भा.सां.सं.प. पुरस्कार, (xiii) प्रकाशन और पुस्तकालय, (xiv) सामान्य समन्वय, (xv) प्रस्तुति, (xvi) ईजी और आईटी (xvii) विशेष परियोजनाएं, (xviii) जी-20 अनुभाग शामिल हैं।

भा.सां.सं.प. भारत के विभिन्न राज्यों में अपने 11 जोनल कार्यालयों (5 जोनल, 4 सब-जोनल और 2 आरपीओ) और विदेशों में 38 भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों के माध्यम से भी सेवाएं प्रदान करती है।

सांविधिक निकाय

भा.सां.सं.प. अपने संविधान द्वारा शासित होता है। परिषद की गतिविधियों की देखरेख इसके तीन वैधानिक निकायों - सामान्य सभा, शासी निकाय और वित्त समिति द्वारा की जाती है। ये निकाय समय-समय पर समग्र मार्गदर्शन और दिशा प्रदान करते हैं; भा.सां.सं.प. के बजट और वार्षिक कार्य योजना को मंजूरी देते हैं।कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और परिषद के कामकाज की निगरानी के लिए ये निकाय नियमित रूप से बैठक करते हैं। इन वैधानिक निकायों के सदस्य का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है।

सामान्य सभा

सामान्य सभा के सदस्य विभिन्न क्षेत्रों से मनोनीत किये जाते हैं, जिनमें सरकारी मंत्रालय/विभाग, कला, संस्कृति, साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र से प्रतिष्ठित संस्थान और प्रसिद्ध कलाकार और अन्य शामिल हैं।

सामान्य सभा में (i) अध्यक्ष (ii) तीन उपाध्यक्ष (iii) महानिदेशक (iv) वित्तीय सलाहकार (v) भारत सरकार द्वारा नामित पांच व्यक्ति (vi) लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नामित लोकसभा के दो सदस्य और राज्यसभा के सभापति द्वारा नामित राज्यसभा के एक सदस्य होते हैं (vii) ललित कला अकादमी, साहित्य अकादमी और संगीत नाटक अकादमी का एक-एक प्रतिनिधि; इन अकादमियों के सक्षम प्राधिकारियों द्वारा नामांकित किया जाना चाहिए (viii) भारतीय संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से अधिकतम दस व्यक्ति परिषद के अध्यक्ष द्वारा व्यक्तिगत रूप से नामित किए जाएंगे (ix) प्रदर्शन के क्षेत्र से दस प्रतिष्ठित कलाकार, इस श्रेणी के संस्थानों और संगठनों का प्रतिनिधित्व करने के लिए ललित और प्लास्टिक कला को शासी निकाय द्वारा चुना जाता है (x) विश्वविद्यालयों या मानद विश्वविद्यालय माने जाने वाले संस्थानों के पंद्रह प्रतिनिधियों को शासी निकाय द्वारा चुना जाता है (xi) शासी निकाय द्वारा प्रमुख वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों के पांच प्रतिनिधियों का चयन किया जाता है (xii) मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान संस्थानों और उच्च शिक्षा संस्थानों के पांच प्रतिनिधि और (xiii) परिषद के कार्य एवं उद्देश्यों में रुचि रखने वाले अन्य संगठनों के पांच प्रतिनिधियों का चयन शासी निकाय द्वारा किया जाता है।

सामान्य सभा के सदस्यों की सूची अनुलग्नक:1 में दी गई है

शासी निकाय

शासी निकाय में महासभा के चयनित सदस्य शामिल होते हैं।

शासी निकाय में (i) अध्यक्ष (ii) तीन उपाध्यक्ष (iii) महानिदेशक (iv) वित्तीय सलाहकार (v) तीन सदस्य, जिन्हें भारत सरकार द्वारा महासभा में उनके नामांकित व्यक्तियों में से नामित किया जाता है (vi) नौ सदस्यों को महासभा द्वारा उन्ही सदस्यों में से चुना जाएगा, जिनमें से कम से कम एक राज्य सभा का और दो लोकसभा का सदस्य होगा।

शासी निकाय के सदस्यों की सूची अनुलग्नक:2 में दी गई है

वित्त समिति

वित्त समिति में निम्नलिखित सदस्य होते हैं: (i) वित्त समिति द्वारा चयनित अध्यक्ष (ii) महानिदेशक, भा.सां.सं.प. (iii) वित्तीय सलाहकार, भा.सां.सं.प./ विदेश मंत्रालय (एमईए), (iv) भारत सरकार का एक नामांकित व्यक्ति, (v) सामान्य सभा के दो प्रतिनिधि, और (vi) शासी निकाय का एक प्रतिनिधि।

श्री दीपक करंजीकर वर्ष 2022-23 में भा.सां.सं.प. की वित्त समिति के अध्यक्ष थे।

कार्यक्रम समिति

भा.सां.सं.प. के संविधान के खंड 3(iv) के तहत, भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष ने, श्री विवेक श्रीवास्तव की अध्यक्षता में, एक कार्यक्रम समिति का गठन किया गया है जिसमें श्री करण सिंह छेत्री, श्री ज्ञानानंद देशपांडे, श्रीमती रुचि सूद, सदस्य के रूप में श्री मुकेश अग्रवाल

और उप महानिदेशक (संस्कृति) एवं उप महानिदेशक (विशेष परियोजनाएँ) सदस्य होंगे । समिति वर्ष के दौरान किये जाने वाले भा.सां.सं.प. के संबंधित अनुभागों की मदद से सभी आयोजनों/कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करती है।

शासी निकाय एवं सामान्य सभा की बैठकें

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, हाइब्रिड मोड में जीबी और जीए की दो बैठकें क्रमशः 07 सितंबर, 2022 और 04 जनवरी, 2023 को आयोजित की गईं।

नये कर्मियों को प्रशिक्षण

कार्यक्रम अधिकारी, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, सहायक, वरिष्ठ आशुलिपिक (सीनियर आशुलिपिक), कनिष्ठ आशुलिपिक (जूनियर आशुलिपिक) और लोअर डिवीजन क्लर्क (एलडीसी) सहित विभिन्न स्तरों पर 33 नए नियुक्त किये गए कर्मियों का एक बैच भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) में शामिल हुआ । इन नये कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न स्थानों और तिथियों पर चार चरणों में आयोजित किया गया था:

चरण 1: 20 जून से 24 जून, 2022 तक नई दिल्ली में सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान में आयोजित किया गया।

चरण 2: 11 जुलाई से 16 जुलाई 2022 तक कोलकाता के आरटीसी (रवींद्रनाथ टैगोर सेंटर) में आयोजित किया गया

चरण 3: 26 सितंबर से 30 सितंबर, 2022 तक नोएडा में इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन सिस्टम एंड ऑडिट में आयोजित किया गया।

चरण 4: 5 दिसंबर से 9 दिसंबर, 2022 तक नई दिल्ली में सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) में आयोजित किया गया।

वीर लाचित बोरफुकन की 400वीं जयंती

भा.सां.सं.प. ने ऐतिहासिक शख्सियत महान जनरल वीर लाचित बोरफुकन की स्मृति और योगदान का सम्मान करने के लिए 24 नवंबर, 2022 को उनकी 400वीं जयंती मनाई । श्री वीर लाचित बोरफुकन पूर्ववर्ती अहोम साम्राज्य में एक कमांडर थे और उन्हें 1671 में सरायघाट की लड़ाई में उनके नेतृत्व के लिए जाना जाता है, जिसने मुगलों द्वारा असम पर कब्जा करने के प्रयास को विफल कर दिया था।

गुड़ी पड़वा महोत्सव का उत्सव

भा.सां.सं.प. ने 24.03.2023 को संगीतमय प्रदर्शन, मीडिया सम्मेलन और महाराष्ट्रीयन व्यंजनों के साथ गुड़ी पड़वा उत्सव मनाया।

भा.सां.सं.प. में इंटर्नशिप कार्यक्रम

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) ने 25 वर्ष की अधिकतम आयु और मानविकी, जनसंचार, पत्रकारिता, डिजाइनिंग, मानव विज्ञान, इतिहास, कला, पुरातत्व विज्ञान, भाषाएं, संग्रहालय विज्ञान और ललित कला में स्नातक की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता वाले छात्रों के लिए एक इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया है। इंटर्नशिप कार्यक्रम सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी के निर्माण और भा.सां.सं.प. द्वारा इसके कार्यान्वयन की प्रक्रिया का परिचय देता है जिसमें आवेदकों का चयन दो स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है।

भारतीय सांस्कृतिक केन्द्रों (आईसीसी) पर विदेश में निदेशकों की तैनाती

परिषद ने विदेश में आईसीसी के निदेशक के लिए उम्मीदवारों के एक पैनल को शॉर्टलिस्ट किया। जिनमें से 15 अभ्यर्थी रिपोर्टिंग अवधि के दौरान शामिल हुए हैं। इस पैनल के अलावा, दो निदेशक जिन्हें अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. द्वारा नामित किया गया था, विदेश स्थित भा.सां.के. में शामिल हुए हैं और एक निदेशक पहले से गठित पैनल से शामिल हुए थे।

भा.सां.सं.प.
भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी)

परिषद का प्राथमिक उद्देश्य भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों और आपसी समझ को स्थापित, पुनर्जीवित और मजबूत करना है ताकि भारत की सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक कूटनीति के बारे में जागरूकता और स्वीकार्यता को बढ़ावा दिया जा सके।

परिषद के दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 38 भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी) हैं । ये केंद्र महत्वपूर्ण सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में काम करते हैं और देश में भारतीय दूतावास/मिशन के साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे भारत और बाकी दुनिया के बीच विचारों, परंपराओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों के आदान-प्रदान की सुविधा मिलती है, सांस्कृतिक बंधन को मजबूत करने और आपसी समझ को बढ़ावा देने में मदद मिलती है । इसके अतिरिक्त भा.सां.सं.प. 'पीपीपी' मॉडल (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) पर स्थापित बलाडोलिड, स्पेन में 'कासा डे ला इंडिया' को समर्थन प्रदान करता है।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, सांस्कृतिक प्रदर्शन, कला प्रदर्शनियाँ, व्याख्यान, कार्यशालाएँ, फिल्म स्क्रीनिंग और भाषा कक्षाओं सहित गतिविधियों और कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित करते हैं ।ये कार्यक्रम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हैं और अंतर-सांस्कृतिक संपर्क को सुविधाजनक बनाते हैं।

विश्व स्तर पर योग, वेद और संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए, परिषद ने विभिन्न मिशनों/पोस्टों/आईसीसी में ४५ भारतीय संस्कृति शिक्षकों (टीआईसी) को तैनात किया हैं । परिषद ने मिशन/पोस्ट/आईसीसी में भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, हिंदुस्तानी/कर्नाटक गायन, तबला जैसे विषयों में 37 भारत-आधारित प्रदर्शन कला शिक्षकों और हिंदी भाषा के एक शिक्षक को भी तैनात किया है । इसके अतिरिक्त, स्थानीय प्रतिभाओं में शिक्षकों की तैनाती को प्रोत्साहित करने के लिए, परिषद ने योग, भारतीय नृत्य और संगीत के शिक्षकों के रूप में स्थानीय संसाधन व्यक्तियों (एलआरपी) को नियुक्त करने के लिए मिशनों/पोस्ट को शुरू किया और प्रोत्साहित किया। वर्तमान में कुल 87 एलआरपी विभिन्न मिशनों/पोस्टों/आईसीसी में तैनात हैं। 'रूट्स 2 रूट्स' के सहयोग से पायलट आधार पर आईसीसी में 16 जुलाई से 14 सितंबर 2022 तक ऑनलाइन कथक नृत्य कक्षाएं आयोजित की गईं । विदेशों में हिंदी भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए परिषद ने 9 नवंबर, 2022 को तीन महीने के ऑनलाइन हिंदी जागरुकता कार्यक्रम के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) और केंद्रीय हिंदी निदेशालय के साथ त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये। कार्यक्रम 15 नवंबर 2022 को शुरू हुआ।

विदेशों में भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों की सूची:

1. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), काबुल, अफगानिस्तान
2. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), सिडनी, ऑस्ट्रेलिया
3. इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र (आईजीसीसी), ढाका, बांग्लादेश
4. नेहरू-वांगचुक सांस्कृतिक केंद्र (एनडब्ल्यूसीसी), थिम्पू, भूटान
5. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), साओ पाउलो, ब्राजील
6. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र, बीजिंग, चीन
7. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), प्राग, चेक गणराज्य
8. मौलाना आज़ाद भारतीय संस्कृति केंद्र (एमएआईसीसी), काहिरा, मिस्र
9. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), सुवा, फिजी
10. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), पेरिस, फ्रांस
11. द टैगोर सेंटर (टीटीसी), बर्लिन, जर्मनी
12. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), जॉर्जटाउन, गुयाना
13. अमृता शेर-गिल सांस्कृतिक केंद्र (एएससीसी), बुडापेस्ट, हंगरी
14. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), बाली, इंडोनेशिया
15. जवाहरलाल नेहरू भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (जेएनआईसीसी), जकार्ता, इंडोनेशिया
16. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), तेहरान, ईरान
17. भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी), तेल अवीव, इज़राइल
18. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), अस्ताना, कजाकिस्तान
19. विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (वीसीसी), टोक्यो, जापान
20. नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (एनएससीबीआईसीसी), कुआलालंपुर, मलेशिया
21. भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी), माले, मालदीव
22. इंदिरा गांधी भारतीय संस्कृति केंद्र (आईजीआईसीसी), पोर्ट लुइस, मॉरीशस
23. गुरुदेव टैगोर भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (जीटीआईसीसी), मैक्सिको सिटी, मैक्सिको
24. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), यांगून, म्यांमार
25. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), काठमांडू, नेपाल
26. दी गांधी केंद्र (टीजीसी), द हेग, नीदरलैंड
27. जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र (जेएनसीसी), मॉस्को, रूस
28. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), डरबन, दक्षिण अफ्रीका
29. स्वामी विवेकानन्द संस्कृति केन्द्र (एसवीसीसी), पारामारिबो, सूरीनाम, दक्षिण अमेरिका
30. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), सियोल, दक्षिण कोरिया
31. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), कोलंबो, श्रीलंका
32. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), दुशांबे, ताजिकिस्तान
33. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), दार-एस-सलाम, तंजानिया
34. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), बैंकॉक, थाईलैंड
35. महात्मा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (एमजीआईसीसी), पोर्ट ऑफ स्पेन, त्रिनिदाद और टोबैगो
36. नेहरू सेंटर (टीएनसी), लंदन, यूनाइटेड किंगडम
37. लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति केंद्र (एलबीएसआईसीसी), ताशकंद, उज़्बेकिस्तान
38. स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), हनोई, वियतनाम

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सिडनी, ऑस्ट्रेलिया

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सीजीआई सिडनी ने वर्ष 2022-23 के दौरान गणमान्य व्यक्तियों, कलाकारों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों की उपस्थिति में कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया। आयोजनों में राष्ट्रीय दिवस समारोह, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई), त्यौहार और प्रदर्शनियाँ शामिल थीं। एसवीसीसी ने 9 अप्रैल, 2022 को सिडनी संस्कृत स्कूल समर कैंप का आयोजन करके भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस मनाया, जिसमें लगभग 240 छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आईडीवाई 2022 के हिस्से के रूप में, एसवीसीसी ने योग वीडियो, फोटोशूट, क्विज़ प्रतियोगिता, योग को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख संस्थानों को शामिल करने सहित कई पहल कीं। भव्य आईडीवाई कार्यक्रम सिडनी टाउन हॉल में हुआ, जिसमें आधिकारिक सामान्य योग प्रोटोकॉल पर आधारित योग सत्र और जॉन कोलेट स्कूल, सिडनी के छात्रों द्वारा सस्वर पाठ किया गया। एसवीसीसी ने सेंट मैरी कैथेड्रल सिडनी में आर्ट ऑफ लिविंग के सहयोग से एक आईडीवाई कार्यक्रम और सिडनी में कॉन्सुलर कोर और सीजीआई सिडनी के कर्मचारियों के लिए एक विशेष योग सत्र का भी आयोजन किया।

भारत के 76वें स्वतंत्रता दिवस पर और आज़ादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, एसवीसीसी ने सिडनी में भारत के महावाणिज्य दूतावास में एक ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया, जिसके बाद स्थानीय कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये। म्यूज़ियम ऑफ एप्लाइड आर्ट्स एंड साइंस, अल्टिमो में एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया और एक हैंडलूम प्रदर्शनी "चरखा और खड्गा" का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हैंडलूम के विशेष प्रचार के लिए भारतीय पारंपरिक परिधानों में एक फैशन शो और कलाथी अकादमी सिडनी द्वारा शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन शामिल था। इसके अतिरिक्त, एसवीसीसी ने एनएसडब्ल्यू राज्य अधिकारियों के समन्वय से भारत गणराज्य के 76वें स्वतंत्रता दिवस के समारोह के लिए प्रतिष्ठित सिडनी ओपेरा हाउस पर विशेष तिरंगे प्रकाश व्यवस्था की ड्रोन फोटोग्राफी की सुविधा प्रदान की।

इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र (आईजीसीसी), ढाका, बांग्लादेश

इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र (आईजीसीसी), ढाका धनमंडी में स्थित है, और इसको ढाका के सांस्कृतिक केंद्र के रूप में जाना जाता है। आईजीसीसी की दूसरी शाखा गुलशन-II, ढाका में चल रही है। दोनों केंद्र नियमित आधार पर विभिन्न कक्षाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं। बांग्लादेश में और कभी-कभी देश के विभिन्न स्थानों में विभिन्न स्थानीय सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं।

केंद्र ने वर्ष के दौरान हिंदी और बांग्ला भाषाओं में शास्त्रीय नृत्य, वाद्य संगीत, रवीन्द्र नजरूल, लालनगीत/संगीत और सुगम संगीत जैसी कई गतिविधियाँ आयोजित कीं। भारतीय नृत्य और संगीत की कक्षाएं भी आयोजित की गईं। केंद्र ने बांग्लादेश में भारत की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए त्योहारों और महान नेताओं की जयंती, राष्ट्रीय दिवस भी मनाए।

नेहरू-वांगचुक सांस्कृतिक केंद्र (एनडब्ल्यूसीसी), थिम्पू, भूटान

नेहरू-वांगचुक सांस्कृतिक केंद्र (एनडब्ल्यूसीसी), थिम्पू ने वर्ष २०२२-२३ के दौरान स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छ भारत संदेश को बढ़ावा देने का संकल्प लेते हुए १-१५ जनवरी, २०२३ तक मनाए गए स्वच्छता पखवाड़ा सप्ताह में सक्रिय रूप से भाग लिया। राजदूत द्वारा भारत के प्रधान मंत्री का एक विशेष संदेश पढ़कर विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए दूतावास द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के युवा प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

केंद्र ने २६ जनवरी को सभी भारतीय नागरिकों के साथ भारत का ७४वां गणतंत्र दिवस मनाया। शहीद दिवस पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिसमें मानवता के लिए गांधी की सेवा पर डॉ. शोभना राधाकृष्ण का व्याख्यान शामिल था। एनडब्ल्यूसीसी ने फिल्म, कला, साहित्य और डिजिटल प्लेटफार्मों में सहयोग का विस्तार करने के लिए भूटान के रचनात्मक क्षेत्र के नेताओं के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया।

"अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023: बाजरा जीवन का मिशन" भूटानी गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों, व्यापारिक नेताओं और भारतीय समुदाय के साथ मनाया गया, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में वैश्विक बाजरा सम्मेलन का लाइव उद्घाटन भी शामिल था। भारत भूटान फाउंडेशन द्वारा समर्थित डे-सुंग स्किलिंग प्रोग्राम के तहत डेसुप के लिए बाजरा व्यंजनों पर एक पाक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), साओ पाउलो, ब्राजील

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), साओ पाउलो और भारत के महावाणिज्य दूतावास ने वर्ष 2022-23 के दौरान समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने वाले प्रभावशाली कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने और ब्राजील में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ब्राजीलियाई कार्निवल, चाय पर चर्चा, लघु कला प्रदर्शनी और अतुल्य भारत संध्या कार्यक्रमों में भागीदारी जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न नई पहलें की गई। केंद्र में लोगों की संख्या बढ़ाने और ब्राजीलियाई लोगों के साथ जीवंत संपर्क स्थापित करने पर जोर दिया गया।

10 जनवरी को, एसवीसीसी ने "चाय पे चर्चा" कार्यक्रम के साथ विश्व हिंदी दिवस मनाया। इसने सांस्कृतिक संवाद को प्रोत्साहित करते हुए कविता पाठ, कहानी कहने के सत्र और खुली चर्चा के माध्यम से हिंदी भाषा का प्रदर्शन किया।

18 फरवरी को ब्राज़ीलियन कार्निवल के बॉलीवुड "ब्लोको" में "अमृत - सेलेब्रटिंग द स्पिरिट ऑफ़ इंडियन वीमेन" देखा गया। इस जीवंत स्ट्रीट पार्टी में हजारों ब्राज़ीलियाई लोगों ने भाग लिया और मनमोहक नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय संस्कृति का अनुभव किया।

3 मार्च को यूएसपी के इंडियन कॉर्नर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को समर्पित "वर्ड्स एंड स्ट्रिंग्स" कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिष्ठित कवियों ने लाइव संगीत के साथ भारत की सांस्कृतिक समृद्धि की अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

एसवीसीसी ने 28 मार्च को पहली बार मिनिएचर पेंटिंग में कला प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें राजस्थान की मिनिएचर पेंटिंग की सुंदरता को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी ने कला प्रेमियों को आकर्षित किया और ब्राजील में भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा दिया।

29 मार्च को "इनक्रेडिबल इंडिया इवनिंग - इंडियन हॉलिडे" कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य भारत को एक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देना है। शाम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, जानकारीपूर्ण बातचीत और नाटकीय प्रदर्शन शामिल थे, जिससे दोनों देशों के बीच पर्यटन संबंधों को बढ़ावा मिला।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), बीजिंग, चीन

चीन

एसवीसीसी, बीजिंग विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन और कथक, भरतनाट्यम और योग आदि सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के संचालन के माध्यम से भारतीय संस्कृति और लोकाचार को सक्रिय रूप से शामिल और बढ़ावा दे रहा है।

वर्ष का प्रमुख कार्यक्रम वसंत मेला और होली था जो 11-12 मार्च, 2023 को आयोजित, दो दिवसीय कार्यक्रम था, जिसमें 3000 लोगों की उपस्थिति देखी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने भारतीय संस्कृति के विभिन्न तत्वों जैसे शास्त्रीय, लोक और फिल्म संगीत, शास्त्रीय और आधुनिक नृत्य रूपों, योग, रंगमंच और अन्य मनोरंजक तत्वों को एक साथ लाया।

अन्य उल्लेखनीय आयोजनों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का उत्सव शामिल था। गांधी जयंती बीजिंग के जिताई संग्रहालय में मनाई गई, जहां महात्मा गांधी की एक प्रतिमा है। कार्यक्रम के दौरान एक नाटक "बीइंग महात्मा" का मंचन किया गया। यह एसवीसीसी का इन-हाउस प्रोडक्शन था और सभी ने इसे खूब सराहा।

केंद्र ने सामुदायिक संगठनों के साथ भी भागीदारी की और वर्ष के दौरान गणेशोत्सव, दुर्गा पूजा, ओणम, पोंगल आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रीय त्योहारों का आयोजन किया। इसके अलावा, केंद्र ने भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस कार्यक्रम, कथक और योग कार्यशालाएं और हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), प्राग, चेक गणराज्य

एसवीसीसी, प्राग में चल रहे आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में, भारतीय समुदाय और फ्रेंड्स ऑफ इंडिया के सहयोग से दुर्गा पूजा, दशहरा, दिवाली, नवरात्रि, (गरबा और डांडिया) गणपति महोत्सव और ओणम सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया।

राजदूत ने डॉ. बी.आर.अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित किया और एक भव्य समारोह में भारत की संवैधानिक वास्तुकला में उनके योगदान को दोहराया। आईसीसी प्राग' ने भारतीय समुदाय के साथ बैशाखी उत्सव और बंगाली नव वर्ष मनाया। केंद्र ने पूरे चेक गणराज्य में आईडीवाई 2022 का जश्न मनाने के लिए डेली लाइफ सेंटर में योग के सहयोग से कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने का बीड़ा उठाया।

आयुर्वेद दिवस 2022 आयुर्वेद विश्वविद्यालय प्राग क्लिनिक, आयूर फार्म के सहयोग से मनाया गया। दैनिक जीवन में आयुर्वेद के अनुप्रयोग के लाभों पर चिकित्सकों और शिक्षाविदों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। इस अवसर पर, चेक अभिनेता और थिएटर के दिग्गज श्री मिरोस्लाव जेनेक और टीवी अभिनेत्री, सुश्री पेट्रा स्पिंडलरोवा ने आयुर्वेद और समग्र स्वास्थ्य और कल्याण पर इसके प्रभाव के बारे में वीडियो संदेश दिए।

मौलाना आज़ाद भारतीय संस्कृति केंद्र (एमएआईसीसी), काहिरा, मिस्र

मिस्र

मौलाना आज़ाद भारतीय संस्कृति केंद्र (एमएआईसीसी) और मिस्र में भारतीय दूतावास सक्रिय रूप से सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला में लगे हुए हैं। इसने 150 से अधिक छात्रों को आकर्षित करने के लिए हिंदी और उर्दू भाषा कक्षाओं की पेशकश की, और 140 प्रतिभागियों के साथ योग कक्षाओं की मेजबानी की। इसने होली मनाई और "भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस" भी मनाया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले, एमएआईसीसी ने पूरे मिस्र में योग कार्यशालाएँ और कार्यक्रम आयोजित किये। जून 2022 में अल-अजहर पार्क में मुख्य कार्यक्रम में मिस्र के युवा और खेल मंत्री सहित 500 से अधिक प्रतिभागी थे। एमएआईसीसी ने इंडिया@75 "आज़ादी का अमृत महोत्सव" समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया, पेंटिंग और क्विज़ प्रतियोगिताओं जैसी गतिविधियों में भाग लिया और मिस्र के विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

एमएआईसीसी ने भारत के कथक और कव्वाली नृत्य समूहों की भी मेजबानी की, अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया और भारतीय कला की समृद्ध टेपेस्ट्री का प्रदर्शन किया। दिसंबर 2022 में, एमएआईसीसीने वार्षिक **"ग्लिम्प्सेस ऑफ़ इंडिया"** पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें मिस्र के विभिन्न स्कूलों के हजारों छात्र शामिल हुए, जिन्होंने भारत की संस्कृति और विरासत से संबंधित विषयों पर पेंटिंग की।

एमएआईसीसी ने विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति दिवस कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी पहुंच का और विस्तार किया। एमएआईसीसी ने भारतीय संस्कृति में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए योग सत्र और भारतीय नृत्यों के प्रदर्शन का आयोजन करके अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इसके अतिरिक्त, एमएआईसीसी ने काहिरा में एक टूर्नामेंट आयोजित करके, विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों को आकर्षित करके और मिस्र में खेल की बढ़ती लोकप्रियता पर जोर देकर, एक स्वदेशी भारतीय खेल, कबड्डी को बढ़ावा देने में योगदान दिया।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सुवा, फिजी

एसवीसीसी, सुवा ने वर्ष 2022-23 के दौरान 70 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किये। एसवीसीसी ने भा.सां.सं.प. का स्थापना दिवस, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 131वीं जयंती, फिजी में गिरमिटिया के आगमन की 143वीं वर्षगांठ, रवीन्द्रनाथ टैगोर की 161वीं जयंती, 143वें भारतीय गिरमिटिया जहाज का स्मरणोत्सव, 143वां गिरमिट दिवस, छत्रपति शिवाजी महाराज का 348वां राज्याभिषेक दिवस, 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, भारत का 76वां स्वतंत्रता दिवस, 153वीं गांधी जयंती, गुरु नानक देवजी की 553वीं जयंती और भारत का 74वां गणतंत्र दिवस 2023 जैसे महत्वपूर्ण अवसर मनाए।

आईसीसी सुवा ने किताबों के साथ-साथ संगीत वाद्ययंत्र उपहार में देने और भारतीय संस्कृति और विरासत के पहलुओं पर व्याख्यान-सह-प्रदर्शन जैसी आउटरीच गतिविधियों का भी आयोजन किया। विश्व हिंदी सम्मेलन 15-17 फरवरी, 2023 तक आयोजित किया गया था, जिसमें भारत के चार सांस्कृतिक समूहों ने दर्शकों और प्रतिभागियों का मन मोह लिया।

द टैगोर सेंटर (टीटीसी), बर्लिन, जर्मनी

टैगोर सेंटर (टीटीसी) का नाम नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के नाम पर रखा गया है, जो भारत-जर्मन सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है ।विदेशों में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भा.सां.सं.प. के शासनादेश के अनुरूप, टीटीसी व्यापक गतिविधियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को उसके समग्र रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करता है ।केंद्र के कार्योकर्मों की संकल्पना, व्यापक पहुंच के लिए संगठनों और संस्थानों के साथ सहयोग की परिकल्पना के साथ की गई है। साझेदारी के माध्यम से सांस्कृतिक संवाद की प्रक्रिया ने जर्मनों के बीच भारत के बारे में बेहतर समझ को बढ़ावा देने में योगदान दिया है।

टीटीसी ने शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम, शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन, रवीन्द्र जयंती, गांधी जयंती और हिंदी दिवस जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया ।केंद्र ने भारतीय शास्त्रीय संगीत और प्रदर्शन कलाओं को प्रदर्शित करने वाले 58 व्यक्तिगत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये हैं।

टीटीसी ने अक्टूबर 2022 में इंडो-जर्मन फिल्म सप्ताह आयोजित करने के लिए इंडो-जर्मन फिल्म्स के साथ सहयोग किया। जर्मन दर्शकों के बीच भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्र द्वारा मुफ्त ऑनलाइन हिंदी और संस्कृत कक्षाएं भी आयोजित की गईं।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), जॉर्जटाउन, गुयाना

एसवीसीसी ने वर्ष 2022-23 के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किये। एसवीसीसी ने पुष्पांजलि अर्पित करके और डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के जीवन और उपलब्धियों पर आधारित एक वृत्तचित्र की स्क्रीनिंग करके डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयंती मनाई। एसवीसीसी ने 28 मई से 21 जून तक योग गतिविधियों का आयोजन करके 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया । केंद्र ने रविवार को जॉर्जटाउन के आसपास बेटर होप टेम्पल और सोएसडाइक विष्णु टेम्पल में अपनी नियमित कथक आउटरीच कक्षाएं भी शुरू कीं।

भारतीय उच्चायोग, गुयाना ने 13 सितंबर, 2022 को एसवीसीसी में भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम "आईटीईसी दिवस" मनाया, जिसमें विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, विकासशील देशों के साथ साझेदारी करता है और तकनीकी परामर्श, आपदा राहत, मानवीय सहायता, शैक्षिक छात्रवृत्ति और अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों सहित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहायता प्रदान करता है।

केंद्र ने अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी मनाए जैसे: स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, कृष्ण जन्माष्टमी, महात्मा गांधी की 153वीं जयंती, लाल बहादुर शास्त्री की 118वीं जयंती, दशहरा, 17वां प्रवासी भारतीय दिवस, दिवाली, सरदार पटेल की 147वीं जयंती, असम के प्रसिद्ध युद्ध नायक लाचित बोरफुकन की 400वीं जयंती समारोह, भारत का गणतंत्र दिवस आदि।

अमृता शेरगिल सांस्कृतिक केंद्र (एएससीसी), बुडापेस्ट, हंगरी

एएससीसी ने पारंपरिक भारतीय नव वर्ष गुड़ीपड़वा/उगादी के उत्सव जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें बच्चों ने एएससीसी सभागार में नाटक, गीत और नृत्य प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले जीवंत नृत्य प्रदर्शन भी शामिल थे। विश्व नृत्य दिवस के रूप में एक बड़ा आयोजन किया गया, जिसमें एएससीसी शिक्षकों और उनके शिष्यों द्वारा प्रदर्शन के साथ भारत की आजादी के 75वें वर्ष का जश्न मनाया गया।

इसमें हिंदी कविताओं और कहानियों के सत्र, गौतम बुद्ध के जन्मदिन के उपलक्ष्य में वैसाख उत्सव और भारतीय लय और कथक नृत्य पर कार्यशालाओं सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। जून में, सांस्कृतिक केंद्र ने भारतीय कला और संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए एक स्थानीय स्कूल में एक इंटरैक्टिव कार्यक्रम की मेजबानी की, जिसमें 150 से अधिक छात्र और अभिभावक शामिल हुए।

कला प्रदर्शनियाँ, योग सत्र, ध्यान सत्र, सांस्कृतिक समारोह और विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों में भागीदारी सहित कार्यक्रम पूरे वर्ष जारी रहे। इन गतिविधियों ने भारतीय संस्कृति, योग और भारत और हंगरी के बीच सांस्कृतिक ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), बाली, इंडोनेशिया

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), बाली ने वर्ष 2022-23 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, रक्षा बंधन, अंतर्राष्ट्रीय बाली फैशन वीक, दीपावाली, देनपसार महोत्सव, विश्व हिंदी दिवस और जी20 शिखर सम्मेलन संस्कृति सामुदायिक कार्यक्रम सहित कई कार्यक्रम आयोजित किये।

जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान, एसवीसीसी, बाली ने 15 नवंबर 2022 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में सांस्कृतिक प्रदर्शन (संगीत और नृत्य) का आयोजन किया।

स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बीच हिंदी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 10 जनवरी 2023 को भारत के महावाणिज्य दूतावास और एसवीसीसी, बाली द्वारा विश्व हिंदी दिवस भी मनाया गया।

जवाहर लाल नेहरू भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र (जेएनआईसीसी), जकार्ता, इंडोनेशिया

जेएनआईसीसी ने वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये। इंडोनेशिया तेलुगु एसोसिएशन, जकार्ता ने भारतीय दूतावास, जकार्ता के सहयोग से, 9 अप्रैल को उगादी मनाया, जिसकी शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन और राजदूत महामहिम मनोज कुमार भारती और श्रीमती अनामिका भारती के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुआ। यह कार्यक्रम सदस्यों की विविध प्रतिभाओं का एक आनंदमय प्रदर्शन था, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए जेएनआईसीसी की प्रतिबद्धता दर्शाता था। इसके अतिरिक्त, केंद्र ने इंडोनेशिया के प्रम्बानन मंदिर में 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस को भरतनाट्यम प्रतिपादक श्रीमती सिंधु राज द्वारा मनमोहक प्रदर्शन के साथ चिह्नित किया गया।

भारतीय दूतावास और जेएनआईसीसी जकार्ता ने भारत की आजादी के 75 साल और इसके चल रहे जी-20 प्रेसीडेंसी का जश्न मनाने के लिए अकाम म्यूजिकल ईवनिंग का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रतिभाशाली युवा प्रवासी सदस्यों और भारत के प्रशंसित गायक श्री मुरली नारायणन द्वारा मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति दी गई।

जेएनआईसीसी ने विभिन्न भारतीय राज्यों के नृत्यों पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक प्रदर्शन आयोजित किये । इस वर्ष को सांस्कृतिक आदान-प्रदान, उत्सव और सहयोग के रूप में चिह्नित किया गया है, जिससे भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंध मजबूत हुए हैं।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), तेहरान, ईरान

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), तेहरान ने विविध और समृद्ध कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसमें भारतीय संस्कृति का जश्न मनाया गया, योग को बढ़ावा दिया गया और शैक्षणिक जुड़ाव को बढ़ावा दिया गया।

गतिविधियों में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 161वीं जयंती शामिल थी, जिसमें ईरानी विद्वान श्री हुमन बाबक द्वारा पुस्तक वाचन सत्र शामिल था, जिसमें टैगोर के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डाला गया, इसके बाद ईरानी कलाकारों द्वारा संगीतमय प्रदर्शन किया गया, जिससे एक जीवंत सांस्कृतिक माहौल तैयार हुआ। ऑनलाइन योग प्रश्नोत्तरी और "कल्याण के लिए योग" पर व्याख्यान आईडीवाई समारोह का हिस्सा था। भाषा विज्ञान और संस्कृति, सतत विकास और तकनीकी प्रगति जैसे विषयों पर केंद्रित एक व्याख्यान श्रृंखला भी केंद्र की गतिविधियों का हिस्सा थी। केंद्र ने गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 161वीं जयंती मनाने के लिए पेंटिंग प्रदर्शनियों और प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया और उनके योगदान को याद करने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल पर 'सरदार पटेल - द आर्किटेक्ट ऑफ़ यूनीफिकेशन' शीर्षक से एक फोटो प्रदर्शनी की मेजबानी की।

एसवीसीसी ने पूरे वर्ष भारत और ईरान के बीच सांस्कृतिक, शैक्षिक और राजनयिक संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, कई कार्यक्रमों की मेजबानी की, जिसमें विविध दर्शकों को शामिल किया गया और दोनों देशों के बीच समझ और सहयोग को आगे बढ़ाया गया।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी), तेल अवीव, इज़राइल

आईसीसी, तेल अवीव ने वर्ष 2020-23 के दौरान विविध प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया। वर्ष की शुरुआत ट्राइबल और इज़राइली आर्ट गैलरी के सहयोग से आयोजित एक मनोरम कला प्रदर्शनी से हुई, जिसमें प्रशंसित इज़राइली कलाकार ओरली एलोन मेरगुई की कलात्मक कृतियों का प्रदर्शन किया गया।भारत में 16 वर्षों तक रहने से प्रेरित उनके कार्यों ने अंतर-सांस्कृतिक अनुभवों पर एक अद्वितीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

आईसीसी तेल अवीव ने हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए 'हिंदी सम्मेलन' 'हिंदी भाषा पर्व' जैसे कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किये। मराठी भाषा पाठ्यक्रमों के दूसरे बैच के शुभारंभ के साथ 'मराठी भाषा गौरव दिवस' मनाया गया। केंद्र ने भारतीय यहूदी प्रवासी के युवा सदस्यों के लिए 'भारत दर्शन' का आयोजन किया। देश भर में योग प्रेमियों की सक्रिय भागीदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भी भव्य तरीके से आयोजित किया गया। मार्च 2022 में तेल अवीव विश्वविद्यालय में भारत सप्ताह मनाया गया, जिसमें भारतीय संस्कृति की समृद्ध टेपेस्ट्री का प्रदर्शन किया गया।

संगीत और नृत्य प्रदर्शन ने सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध किया, आईसीसी तेल अवीव ने इज़राइल के विभिन्न शहरों में कई भारतीय शास्त्रीय संगीत समारोहों की मेजबानी की। केंद्र ने प्रख्यात विशेषज्ञों के साथ सेमिनारों और कार्यशालाओं के माध्यम से इज़राइल में आयुर्वेद को बढ़ावा देना जारी रखा। इसके अलावा, आईसीसी तेल अवीव ने सभी प्रमुख भारतीय और यहूदी त्योहार मनाए, जिससे भारतीय मूल के प्रवासियों के बीच एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भावना को बढ़ावा मिला। सांस्कृतिक विविधता और जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए केंद्र का समर्पण

विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (वीसीसी), टोक्यो, जापान

भारतीय दूतावास टोक्यो में विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (वीसीसी) ने भारत और जापान के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पहलों की एक विस्तृत श्रृंखला तैयार की । वीसीसी ने वर्ष की शुरुआत एक उल्लेखनीय समग्र कार्यक्रम के साथ की, जिसमें इवामी कगुरा का मनमोहक प्रदर्शन और गोंड जनजातीय चित्रों की एक प्रदर्शनी शामिल थी । इवामी कगुरा, भक्ति नृत्य और रंगमंच का एक पारंपरिक रूप है, जिसने अपनी पौराणिक कहानी से दर्शकों को प्रभावित किया। निप्पोनज़न म्योहोजी के कुडन डोजो में महात्मा गांधी की 153वीं जयंती का जश्न, उनकी विरासत के लिए एक महत्वपूर्ण श्रद्धांजलि है।

वीसीसी ने स्मितालया समूह द्वारा एक ओडिसी नृत्य गायन का आयोजन किया, जिसमें पूरे जापान में भा.सां.सं.प. द्वारा प्रायोजित प्रदर्शन किया गया। टोक्यो में स्कूल के छात्रों को भारत के बारे में जानने के लिए एक परिचय यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसमें एक योग सत्र और एक मल्टीमीडिया प्रस्तुति शामिल था । वीसीसी ने भारतीय अध्ययन में जापानी विद्वानों के कार्यों को मान्यता देते हुए भारतीय दर्शन और बौद्ध अध्ययन में प्रोफेसर हाजीम नाकामुरा के योगदान पर जोर देते हुए 32वां नाकामुरा हाजीमे पूर्वी पुरस्कार समारोह भी मनाया।

वीसीसी में भारतीय और जापानी दोनों संस्कृतियों की समझ को समृद्ध करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। इनमें इकेबाना फूल सजावट प्रदर्शन, योकोहामा में दिवाली समारोह, वार्षिक "पूर्वी एशिया योग थेरेपी सम्मेलन" और "नॉलेज इंडिया डायलॉग" शामिल थे। वीसीसी ने एक भारतीय शास्त्रीय संध्या, एक बॉलीवुड कार्यक्रम और गुरु नानक देव जी की जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम की भी मेजबानी की, जिसमें भजन, कीर्तन और गुरु का लंगर शामिल था। वीसीसी ने ग्रैमी पुरस्कार विजेता पद्म भूषण श्री टी एच विनायकराम और कंजीरा वादक श्री. सेल्वगणेश स्वामीनाथन के प्रदर्शन की भी मेजबानी की, इसकी सांस्कृतिक पेशकशों में संगीतमय आनंद जोड़ा।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), अस्ताना, कजाकिस्तान

एसवीसीसी ने संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में कई गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे नियमित कक्षाएं, शिक्षकों द्वारा संगीत कार्यक्रम और आउटरीच कार्यक्रम, शैक्षणिक सहयोग, सीईपी पर हस्ताक्षर और निष्पादन, स्थानीय संगठनों द्वारा गतिविधियों में भागीदारी, योग को बढ़ावा देना, भारत के समूहों द्वारा प्रदर्शन, अकाम उत्सव, वर्ष 2022-23 के दौरान भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग, मीडिया के साथ जुड़ाव आदि।

प्रमुख आकर्षण थे- एसबीसीसी शिक्षकों की 9 शहरों की यात्रा, एमओएस (एमएल) की भा.सां.सं.प./आईटीईसी पूर्व छात्रों के साथ बातचीत, फेलोशिप का पुरस्कार, राष्ट्रीय कोरियोग्राफी अकादमी द्वारा भारतीय संस्कृति पर आर्ट जर्नल का विशेष संस्करण, दक्षिण कजाकिस्तान मेडिकल अकादमी और जेएसएस एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, मैसूर के बीच समझौता ज्ञापन, सीईपी पर हस्ताक्षर, 9 कजाख संगठनों को अनुदान सहायता, योग मास्टर कक्षाओं की 2 श्रृंखला (देव संस्कृति विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा 17 शहरों में 95 कक्षाएं) और 14 शहरों में 64 कक्षाएं कैवल्यधाम के विशेषज्ञों द्वारा), प्रतिष्ठित अस्ताना ओपेरा थिएटर में मंत्री स्तर की भागीदारी के साथ आईडीवाई उत्सव, कजाकिस्तान के 21 शहरों में आईडीवाई समारोह, अस्ताना में गांधी प्रतिमा की स्थापना, बायटेरेक टॉवर में "मोहन से महात्मा" गांधी प्रदर्शनी, भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस का जश्न, अंबेडकर जयंती, छत्रपति शिवाजी महाराज का 348वां राज्याभिषेक दिवस, आईटीईसी दिवस, स्वतंत्रता दिवस, एकता दिवस और भारतीय समुदाय के साथ एमओएस (एमएल) की बातचीत के दौरान एक विशेष प्रस्तुति "वंदे भारत", मीडिया बातचीत के दौरान "लोक रंग", "वंदे मातृभूमि" भारत के स्वतंत्रता दिवस को चिह्नित करते हुए, भा.सां.सं.प. प्रायोजित कथक समूह द्वारा प्रदर्शन और कार्यशालाएं, कज़ाख राष्ट्रीय सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा के साथ डॉ. एल सुब्रमण्यम द्वारा "गांधी सिम्फनी" संगीत कार्यक्रम, स्थानीय कलाकारों के साथ अकाम उत्सव, स्थानीय त्योहारों में भारतीय फिल्म स्क्रीनिंग, लाइव में भागीदारी टीवी कार्यक्रम आदि।

पूरे कजाकिस्तान में इस अवधि के दौरान आयोजित कुल 188 गतिविधियों को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कवरेज के अलावा सोशल मीडिया पर 500 से अधिक पोस्ट के साथ बड़े पैमाने पर कवर किया गया था।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (एनएससीबीआईसीसी), कुआलालंपुर, मलेशिया

एनएससीबीआईसीसी, कुआलालंपुर ने कई संगठनों और सांस्कृतिक संस्थानों के सहयोग से वर्ष 2022-23 के दौरान कुआलालंपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। वर्ष की शुरुआत 14 अप्रैल 2022 को डॉ. बी.आर.अम्बेडकर जयंती के उत्सव के साथ हुई।

केंद्र द्वारा समुदाय की जीवंत भागीदारी को दर्शाते हुए सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कार्यक्रमों और गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जैसे: रामनवमी, भा.सां.सं.प. का 72वां स्थापना दिवस, अंतर्राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव, छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक दिवस, 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, भारत का स्वतंत्रता दिवस, 153वीं गांधी जयंती, आयुर्वेद दिवस, हिंदी दिवस समारोह, गुरु नानक जयंती, असम के महान युद्ध नायक लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती, महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस।

भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी), माले, मालदीव

वर्ष 2022-23 के दौरान, भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी) ने मालदीव के सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करते हुए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पहल की। 01 अप्रैल को एक उल्लेखनीय कार्यक्रम हुआ, जिसमें भारत के माननीय प्रधान मंत्री के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' बातचीत का लाइव फीड शामिल था।

आईसीसी ने उगादी (तेलुगु नव वर्ष) और पुथंडु (तमिल नव वर्ष) जैसे विभिन्न सांस्कृतिक अवसरों का भी जश्न मनाया। इसके अतिरिक्त, आईसीसी, स्वास्थ्य मंत्रालय, गृह मंत्रालय और मालदीव सुधार सेवा के बीच एक महत्वपूर्ण सहयोग से माफुशी जेल में कैदियों के लिए योग सत्र की शुरुआत हुई।

इंदिरा गांधी भारतीय संस्कृति केंद्र (आईजीआईसीसी), पोर्ट लुइस, मॉरीशस

वर्ष 2022-23 के दौरान, फीनिक्स, मॉरीशस में भारतीय उच्चायोग के अंतर्गत संचालित इंदिरा गांधी भारतीय संस्कृति केंद्र (आईजीआईसीसी) ने भारत और मॉरीशस के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

9 अप्रैल, 2022 को भा.सां.सं.प. दिवस मनाया गया, जिसमें मॉरीशस गणराज्य की माननीय उप प्रधान मंत्री, श्रीमती लीला देवी दुकुन-लुचूमुन, मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थीं।

15 अगस्त, 2022 को, आईजीआईसीसी ने भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ को ध्वजारोहण समारोह और शास्त्रीय वाद्ययंत्र प्रदर्शन और देशभक्ति कथक नृत्य सहित भारत की समृद्ध देशभक्ति परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति, मॉरीशस के प्रधान मंत्री, भारत के उच्चायुक्त और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। एक अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी इम्फाल, भारत द्वारा मणिपुर की रास लीला और मार्शल आर्ट की प्रस्तुति थी, जिसे व्यापक प्रशंसा मिली और इसमें उच्च पदस्थ अधिकारियों ने भाग लिया।

इस वर्ष हिंदी, क्रेंच क्रियोल और अंग्रेजी में 'आप हमारे हैं कौन' शीर्षक से एक नाटक और बच्चों के थिएटर प्रोजेक्ट का उद्घाटन भी हुआ। वर्ष का समापन मॉरीशस के चित्रकारों के सम्मान के साथ हुआ, जिनकी कृतियाँ इसके स्थायी संग्रह के लिए आईजीआईसीसी को दान कर दी गईं। ये पहल सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और मॉरीशस में भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के आईजीआईसीसी के अथक प्रयासों को प्रदर्शित करती हैं। इसके अतिरिक्त, सप्ताह भर चलने वाले उत्सव 'जश्न-ए-दोस्ती' में एक शानदार इंडो-मॉरीशस सिम्फनी, विविध प्रकार के संगीत प्रदर्शन, नाटक और भारत-मॉरीशस राजनयिक संबंधों के 75वीं वर्षगांठ का एक भव्य जश्न मनाया गया, जो आईजीआईसीसी की सांस्कृतिक संवर्धन और द्विपक्षीय सहयोग प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

गुरुदेव टैगोर भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (जीटीआईसीसी), मैक्सिको सिटी, मैक्सिको

वर्ष 2022-23 के दौरान केंद्र द्वारा कुल 85 कार्यक्रम आयोजित किये गये । वर्ष की शुरुआत सेनार्ट में भारत महोत्सव के उद्घाटन के साथ हुई, जिसमें ललित कला अकादमी से श्री दृष्टि, लोक में राम जैसी प्रदर्शनियों के साथ-साथ भा.सां.सं.प. से साड़ियों का संग्रह भी था। गतिविधियों में भारत के विभिन्न नृत्य रूपों और संगीत का प्रदर्शन करने वाले मैक्सिकन कलाकारों के भारतीय समूह की प्रस्तुति, एक मेगा योग कक्षा, भारतीय बाज़ार, व्याख्यान और फिल्म चक्र भी शामिल थे।

लोकसभा के माननीय अध्यक्ष, महामहिम श्री ओम बिरला की यात्रा के दौरान चापिंगो विश्वविद्यालय में पांडुरंग खानकोजे की प्रतिमा स्थापित की गई थी। वर्ष का समापन जीटीआईसीमी कथक शिक्षक और छात्रों द्वारा मेक्सिको राज्य के नेटज़ाहुआलकोयोटल नगर पालिका के एमिलियानो ज़पाटा सांस्कृतिक केंद्र में एक नृत्य प्रदर्शन के साथ हुआ।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), यांगून, म्यांमार

वर्ष 2022-23 के दौरान, एसवीसीसी ने कई कार्यक्रम आयोजित किये जैसे फिल्मों/वृत्तचित्रों की स्क्रीनिंग, संगीत संध्याएं, कार्यशालाएं, भारत के स्वतंत्रता दिवस का जश्न, किताबों का शुभारंभ और आजादी का अमृत महोत्सव के अन्य कार्यक्रम। इसने हिंदी/आयुर्वेद/योग के प्रचार-प्रसार के लिए कई कदम उठाए।

एसवीसीसी ने गांधी जयंती और गुरु नानक देव जयंती जैसे महत्वपूर्ण दिन मनाए और एसएपीई के साथ साझेदारी में 24-25 मार्च, 2023 को एक शिक्षा मेले का भी आयोजन किया, जिसमें दिल्ली, कोलकाता सहित भारत के विभिन्न हिस्सों हैदराबाद, बैंगलोर, चंडीगढ़, मुंबई आदि से उच्च शिक्षा के कई सरकारी और निजी संस्थान शामिल हुए।

एसवीसीसी ने विभिन्न मंदिरों और धार्मिक संघों को संगीत वाद्ययंत्र और धार्मिक पुस्तकें भी वितरित कीं। महिला दिवस के अवसर पर राजदूत ने दूतावास के अधिकारियों के साथ 4 मार्च, 2023 को ज़ेयावाडी के किला गांव का दौरा किया और महिलाओं को अपनी पूरी क्षमता से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। गांव की बच्चियों को भारतीय कला और संस्कृति पर पुस्तकें भी सौंपी गईं । स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र की नृत्य शिक्षिका सुश्री ललन देसाई ने भरतनाट्यम पर एक व्याख्यान सह प्रदर्शन आयोजित किया।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), काठमांडू, नेपाल

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी) ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया और 72वां भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस मनाया, जिसमें वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों और पूर्व छात्रों ने भाग लिया। केंद्र ने काठमांडू विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से अंबेडकर जयंती भी मनाई, जिसका उद्घाटन नेपाल के प्रथम राष्ट्रपति ने किया था।

रवीन्द्रनाथ टैगोर की 161वीं जयंती छात्रों द्वारा प्रदर्शन और "शांति निकेतन: शिक्षा पर टैगोर के विचार" पर एक जानकारीपूर्ण प्रस्तुति के साथ मनाई गई।

छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक दिवस 6 जून, 2022 को शिक्षाविदों, विद्वानों आदि की भागीदारी के साथ मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के लिए एक कार्यक्रम भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष की उपस्थिति में पशुपतिनाथ मंदिर में हुआ।

एसवीसीसी ने राग यमन पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतीय संगीत को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय सांस्कृतिक निगम के सहयोग से "संगीत साधना" नामक एक सांस्कृतिक विरासत श्रृंखला शुरू की। केंद्र ने असम के युद्ध नायक लाचित बोरफुकन की 400वीं जयंती के सम्मान में एक वृत्तचित्र भी दिखाया। आयुर्वेद दिवस 2022 को "किचन आयुर्वेद" की मेजबानी करके मनाया गया जिसमें आहार और दैनिक दिनचर्या के महत्व पर जोर दिया गया।

द गांधी सेंटर (टीजीसी), हेग, नीदरलैंड

वर्ष 2022-23 के दौरान, टीजीसी ने कई कार्यक्रम आयोजित किये जैसे फिल्मों/वृत्तचित्रों की स्क्रीनिंग, संगीत संध्याएं, कार्यशालाएं, भारत के स्वतंत्रता दिवस का जश्न, पुस्तकों का विमोचन और आजादी का अमृत महोत्सव को चिह्नित करने वाले अन्य कार्यक्रम। भारत और नीदरलैंड के बीच मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का एक लंबा इतिहास है जो 400 वर्षों से भी अधिक पुराना है, जिसमें साझा हितों के कई क्षेत्र शामिल हैं।

हिंदी पखवाड़ा मनाने और हिंदुस्तानी सरनामी समुदाय के बीच हिंदी को लोकप्रिय बनाने के लिए, गांधी केंद्र ने विभिन्न स्कूलों के साथ-साथ नीदरलैंड के मंदिरों में कविता पाठ, निबंध प्रतियोगिता, हिंदी लेखन प्रतियोगिता जैसी हिंदी प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसमें अल्जेमेने हिंडो बेसिसस्कूल (वाहोन) भी शामिल है।

17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के लिए वेबसाइट 13 अक्टूबर 2022 को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा संयुक्त रूप से लॉन्च की गई थी। लॉन्च समारोह में विदेश राज्य मंत्री श्री वी. मुरलीधरन ने भी भाग लिया। इस संबंध में, भारतीय दूतावास और गांधी केंद्र ने प्रवासी भारतीय दिवस वेबसाइट के लॉन्च की लाइव स्ट्रीम दिखाई गई।

जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र (जेएनसीसी), मॉस्को, रूस

जेएनसीसी ने वर्ष के दौरान प्रदर्शन कला, दृश्य कला, आध्यात्मिकता, व्याख्यान प्रदर्शन, योग, जयंती समारोह आदि सहित लगभग सभी विषयों को कवर करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों और गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित की।

अकाम के हिस्से के रूप में, त्चिकोवस्की मॉस्को स्टेट कंज़र्वेटरी और जेडआईएल सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से वाद्य संगीत "स्वर लय संध्या" की एक शाम का आयोजन किया गया था । जेएनसीसी ने 'योगमॉडर्न', मॉस्को के सहयोग से ओम जप ध्यान का आयोजन किया। भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष, डॉ. विनय सहस्रबुद्धे की उपस्थिति में, स्टेट म्यूजियम ऑफ ओरिएंट आर्ट मॉस्को को सरस्वती वीणा उपहार देने का समारोह आयोजित किया गया, इसके बाद पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया, 'भा.सां.सं.प. विश्व संस्कृत पुरस्कार 2021' और 'भा.सां.सं.प. विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार 2021' क्रमशः डॉ. बोरिस ज़खारिन और इरीना ग्लुश्कोवा को प्रदान किये गए।

अन्य प्रमुख कार्यक्रम में अन्ना भाऊ साठे की प्रतिमा का अनावरण और मार्गरीटा रुडोमिनो ऑल रशिया स्टेट लाइब्रेरी फॉर फॉरेन लिटरेचर, मॉस्को में डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष भा.सां.सं.प., श्री राहुल नार्वेकर, महाराष्ट्र विधान सभा के अध्यक्ष, और श्री देवेन्द्र फड़नवीस, महाराष्ट्र के माननीय उप मुख्यमंत्री की उपस्थिति में रूसी भाषा में उनकी पुस्तकों का विमोचन। अन्य समारोहों में भा.सां.सं.प. का स्थापना दिवस, भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की जयंती, स्वतंत्रता दिवस, गांधी जयंती, आईटीईसी दिवस, हिंदी पखवाड़ा, विश्व हिंदी दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस शामिल थे। अन्य कार्यक्रमों में उन भारतीय कलाकारों का प्रदर्शन शामिल था जिन्होंने भा.सां.सं.प.या अन्य के माध्यम से रूस का दौरा किया था। जेएनसीसी ने ब्रह्मा कुमारीज सेंटर फॉर स्पिरिचुअल डेवलपमेंट में 'द पावर ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन' कार्यक्रम में भी भाग लिया। यह भारत की आजादी के 75 वर्ष को समर्पित था। समय-समय पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा इन-हाउस कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), डरबन, दक्षिण अफ्रीका

वर्ष 2022-23 के दौरान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जो समुदाय की जीवंत भागीदारी को दर्शाती है । तमिल नव वर्ष के उपलक्ष्य में अप्रैल में एक यादगार संगीत समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें 400 मेहमान आए थे। एसवीसीसी ने जनता के लिए चर्चा, योग प्रदर्शन और इंटरैक्टिव सत्र की मेजबानी की । छत्रपति शिवाजी महाराज राज्याभिषेक दिवस का स्मरणोत्सव डरबन मराठी मंडल के सहयोग से आयोजित किया गया था।

विशेष रूप से, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किंग्समीड क्रिकेट स्टेडियम में 400 से अधिक प्रतिभागियों के साथ सामूहिक योग प्रदर्शन हुआ, जिसका दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण किया गया । स्वतंत्रता दिवस समारोह में झंडा फहराने का समारोह, सांस्कृतिक प्रदर्शन और मेड इन इंडिया जूट बैग का वितरण शामिल था, जो आजादी का अमृत महोत्सव की भावना का उदाहरण है । इसमें हिंदवाणी रेडियो के साथ साझेदारी में हिंदी दिवस का उत्साहपूर्ण जश्न भी मनाया गया, जिसमें कविता पाठ, हिंदी गाने और संवाद शामिल थे। गांधी जयंती को स्वदेशी टोकरी-बुनाई कार्यशाला और डरबन व्यापार मेले में एक प्रदर्शनी के साथ मनाया गया, जिसमें आधे लाख से अधिक लोग पहुंचे । इस वर्ष में सरदार वल्लभभाई पटेल फोटो प्रदर्शनी, भा.सां.सं.प. राजस्थानी मंडली प्रदर्शन और असम के नायक बीर लाचित बोरफुकन को पुष्पांजलि जैसे कार्यक्रम भी शामिल हुए।

एसवीसीसी की गतिविधियों में मिस्टर इंडिया साउथ अफ्रीका प्रतिभागियों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र, संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के लॉन्च की स्क्रीनिंग, विश्व शक्ति द्वारा क्यूरेटेड एक नृत्य नाटक और तमिल कवि महाकवि सुब्रमण्यम भारती की स्मृति में एक संगीतमय कार्यक्रम और नृत्य संध्या में स्थानीय कलाकार और आर्यन बेनेवोलेंट होम के वरिष्ठ नागरिक भी शामिल थे।

स्वामी विवेकानन्द संस्कृति केन्द्र (एसवीसीसी), पारामारिबो, सूरीनाम, दक्षिण अमेरिका

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सूरीनाम ने वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये। 06 मई, 2022 को सूरीनाम के अल्फा मैक्स अकादमी में गुरु रवींद्र नाथ टैगोर जयंती मनाई गई । छत्रपति शिवाजी महाराज की राज्याभिषेक वर्षगांठ योग हॉल, एसवीसीसी, पारामारिबो में भी मनाई गई।

एसवीसीसी ने 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, ओएचएम संगठन के सहयोग से एक कुकरी क्लास, हिंदी दिवस पखवाड़ा, भारत के महान युद्ध नायक 'लाचित बोरफुकन' की 400वीं जयंती, युवा दिवस पर एसवीसीसी के छात्रों द्वारा कथक नृत्य प्रदर्शन और 07 मार्च, 2023 को "अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023" मनाने के लिए बाजरा पर एक फोटो प्रदर्शनी जैसे अन्य कार्यक्रम आयोजित किये। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सूरीनाम गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति, सूरीनाम की प्रथम महिला और भारत के राजदूत द्वारा किया गया था।

स्वामी विवेकानन्द संस्कृति केन्द्र (एसवीसीसी), सियोल, दक्षिण कोरिया

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), सियोल ने 2022-23 को एक महत्वपूर्ण वर्ष के रूप में चिह्नित किया जिसमें आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए भारत की समृद्ध संस्कृति, इतिहास और कोरिया गणराज्य (आरओके) में अपने लोगों की उपलब्धियों का प्रदर्शन किया गया। एसवीसीसी ने योग, हिंदी, संस्कृत, कथक, ओडिसी, रवीन्द्र नृत्य, लोक नृत्य, बॉलीवुड नृत्य, हिंदी गीत और तबला में कक्षाओं के साथ अपने सांस्कृतिक प्रयासों को फिर से शुरू करते हुए विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित किये, जिसमें व्यापक स्तर तक पहुंचने के लिए हाइब्रिड मोड का उपयोग किया गया। एक महत्वपूर्ण विकास में, बुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज (बीयूएफएस) में भारत-केंद्रित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए द इंडिया सेंटर का उद्घाटन 27 जून, 2022 को किया गया। द इंडिया सेंटर बुसान में भारत से संबंधित घटनाओं के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करता है, जो भारत में रुचि रखने वाले छात्र और विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देता है और संसाधनों की पेशकश करता है।

"मानवता के लिए योग" थीम पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कोरिया गणराज्य के विभिन्न शहरों में उत्साह के साथ मनाया गया। वार्षिक "सारंग– द फेस्टिवल ऑफ़ इंडिया" का 8वां संस्करण 30 सितंबर से 14 अक्टूबर, 2022 तक आयोजित किया गया था, जिसमें देश भर के विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक प्रदर्शन और कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शामिल थी, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रदान करती थी।

इस वर्ष 10वां भारतीय फिल्म महोत्सव भी आयोजित किया गया, जिसमें कोरिया गणराज्य के कई शहरों में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, इतिहास और सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए कोरियाई उपशीर्षक के साथ पुरस्कार विजेता और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित भारतीय फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। 'इंडिया@75' पहल के तहत व्याख्यानों और कार्यशालाओं की एक विस्तृत श्रृंखला में आयुर्वेद से लेकर भारतीय इतिहास और संस्कृति तक के विषय शामिल थे, जो भारत और कोरिया गणराज्य के बीच सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने में योगदान दे रहे हैं। एसवीसीसी ने स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, संविधान दिवस, अंबेडकर जयंती, टैगोर जयंती, गांधी जयंती, एकता दिवस, विश्व हिंदी दिवस और स्वामी विवेकानंद की जयंती सहित विभिन्न वार्षिक कार्यक्रम मनाना जारी रखा। इसके अलावा, शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिए कोरिया गणराज्य के छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), कोलंबो, श्रीलंका

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी) ने कई संगठनों और सांस्कृतिक संस्थानों के सहयोग से सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने और उल्लेखनीय अवसरों का जश्न मनाने के लिए श्रीलंका में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। उत्सव की शुरुआत टैगोर जयंती पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई, जिसके बाद दृष्टिबाधित लोगों के लिए पोसोन पोया पर आधारित सिंहली ऑडियो पुस्तक "जातक टेल्स: गुड एडवाइस" का विमोचन किया गया। भारत और श्रीलंका के बीच योग और आयुर्वेद की साझा विरासत पर जोर देते हुए कई कार्यक्रमों के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। भारत की 75वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ पर शुरू किये गए हर घर तिरंगा अभियान ने कोलंबो में भारतीय समुदाय को एकता और देशभक्ति को बढ़ावा देते हुए गर्व से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया।

एसवीसीसी ने गांधी ओरेशन कार्यक्रम, बेहतर स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद को बढ़ावा देने वाली एक प्रदर्शनी और आयुर्वेद दिवस सहित विभिन्न कार्यक्रमों की मेजबानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यूनिटी रन ने श्रीलंका में भारतीय समुदाय के बीच सौहार्द का प्रतीक बनाया, जबकि गुरु नानक देव जी की जयंती के उत्सव ने उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। भारतीय संविधान के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए संविधान दिवस पर एक कला प्रतियोगिता आयोजित की गई। सांस्कृतिक आदान-प्रदान के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता संघमित्ता थेरी के आगमन और विश्व हिंदी दिवस मनाने के कार्यक्रमों में स्पष्ट थी। ग्रैंड फिनाले में एक कर्नाटक संगीत कार्यक्रम और श्री त्यागराज आराधना उत्सव शामिल था, जिसमें प्रतिभागियों को कर्नाटक संगीत की सुंदरता में डुबोया।

एक इंडोलॉजिस्ट के रूप में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देते हुए प्रोफेसर मर्विन धर्मसिरी को भा.सां.सं.प. प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान किया गया। भारत पूर्व छात्र नेटवर्क के श्रीलंका चैप्टर के लॉन्च का उद्देश्य श्रीलंका में रहने वाले भारतीय पूर्व छात्रों को जोड़ना और अपनेपन, नेटवर्किंग और ज्ञान साझा करने की भावना को बढ़ावा देना है।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), दुशांबे, ताजिकिस्तान

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), दुशांबे ने कई स्थानीय संगठनों के सहयोग से 2022-23 के दौरान 50 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये, जिनमें सरकारी एजेंसियां, अंतरराष्ट्रीय स्कूल, विश्वविद्यालय, रेडियो चैनल, टीवी चैनल और सांस्कृतिक संस्थान शामिल हैं।

रक्षाबंधन, दिवाली, होली आदि जैसे भारतीय त्योहारों को मनाने के अलावा, एसवीसीसी ने भारतीय कला और संस्कृति का प्रचार करने के लिए विभिन्न स्थानीय भारतीय त्योहारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेकर ताजिकिस्तान के सांस्कृतिक परिदृश्य में बहुत योगदान दिया।

श्री छत्रपति शिवाजी महाराज के 348वें राज्याभिषेक दिवस को चिह्नित करने के लिए, एसवीसीसी और मिशन के सोशल मीडिया हैंडल पर एक ऑनलाइन संगीत वीडियो जारी किया गया था, सरदार पटेल की 147वीं जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस को चिह्नित करने के लिए, लता मंगेशकर को समर्पित एक संगीत कार्यक्रम स्थानीय टेलीविजन चैनल 'शाहनोवोज़ टीवी' का आयोजन किया गया । ताजिकिस्तान गणराज्य के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से "डांस यूनाइट्स अस" नामक 3 दिवसीय नृत्य महोत्सव का आयोजन किया गया। ताजिकिस्तान गणराज्य के विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित जल सम्मेलन के दौरान फूड फेस्टिवल और क्राफ्ट फेस्टिवल में भी भाग लिया। भारत और ताजिकिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर एसवीसीसी छात्रों द्वारा नृत्य और संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

कुछ अन्य प्रमुख आयोजनों में शामिल हैं- भारत के विभिन्न क्षेत्रों से भारतीय साड़ियों की समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित करने के लिए ताजिकिस्तान के राष्ट्रीय संग्रहालय के सहयोग से आयोजित साड़ियों की एक प्रदर्शनी "जश्न-ए-साड़ी"। एक अन्य अभिनव परियोजना "चाय महोत्सव" में भारतीय चाय का प्रदर्शन करने के लिए कल्चरल कॉरपोरेशन नामक एक सामाजिक संगठन के साथ सहयोग था । इस आयोजन में जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, इंडोनेशिया जैसे कई एशियाई देशों ने भाग लिया । मिशन द्वारा योग कार्यशालाओं, 'आयुर्वेद की यात्रा' पर फिल्म स्क्रीनिंग, ध्यान कार्यशाला आदि का आयोजन करके अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया गया।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), दार-एस-सलाम, तंजानिया

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), दार-एस सलाम ने वर्ष 2022-23 के दौरान विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया । इसमें उहुरू स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्सव शामिल था, जिसमें माननीय पॉलीन गेकुल मुख्य अतिथि थीं । इसने विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों को भी मनाया, जैसे भा.सां.सं.प. का स्थापना दिवस, छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस और आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में एक रक्तदान शिविर । एसवीसीसी ने वीर लाचित बोरफुकन की 400वीं जयंती मनाने के लिए असमिया समुदाय के साथ भी काम किया और विश्व हिंदी दिवस भी मनाया।

एसवीसीसी ने ज़ांज़ीबार के स्टोन टाउन के एम्फी थिएटर में भारत के सैयद नासिर हुसैन और खलील हुसैन के साथ एक मनमोहक कव्वाली रात की मेजबानी की । इसने हबा ना हबा अंतर्राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव में भारतीय शास्त्रीय नृत्य का प्रदर्शन किया और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर होटल सेरेना में 'ऑरिंज कॉन्सर्ट 2023' में भाग लिया, जिसमें श्री माननीय नेप मोसेस ननौये मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ।केंद्र ने 17वां प्रवासी दिवस सम्मेलन भी आयोजित किया और डॉ. बी आर अंबेडकर की जयंती पर उन पर बनी डॉक्यूमेंट्री "मूकनायक" की लाइव स्ट्रीमिंग का आयोजन किया । गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 161वीं जयंती पर मशहूर फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे द्वारा निर्मित डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग आयोजित की गई । अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती पर "काव्य नमन" जैसे कार्यक्रम, भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा "परीक्षा पे चर्चा" का सीधा प्रसारण और "चियॉन्ड हरसेल्फ" विषय पर एक कला प्रदर्शनी भी आयोजित किये गये । इसके अतिरिक्त, उन्होंने "भारत छोड़ो आंदोलन" पर एक आभासी वर्णन, भारतीय कलाकार श्री नरेंद्र रेड्डी की पेंटिंग्स की एक प्रदर्शनी और भारत के हिंदी कवियों की विशेषता वाला एक "कविता और हास्य सम्मेलन" की मेजबानी की।

एसवीसीसी ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर श्री श्री रविशंकर के साथ 'स्वतंत्रता और आध्यात्मिकता' पर एक बातचीत का आयोजन किया और "शांति के लिए योग" का आयोजन किया । भारत और तंजानिया संबंधों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एसवीसीसी में आयोजित किया गया था, और तंजानिया कबड्डी एसोसिएशन के सहयोग से पुरुषों और महिलाओं के टूर्नामेंट के साथ 'विश्व कबड्डी दिवस' भी मनाया गया, जिसमें लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), बैंकॉक, थाईलैंड

स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), बैंकॉक ने भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विविध प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया और भारतीय और थाई संस्कृति के बीच समानताएं प्रस्तुत करने का प्रयास किया।

एसवीसीसी, भारतीय दूतावास ने आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर "राष्ट्रीय युवा दिवस" मनाया। अन्य समारोहों मे अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. का एक आभासी संदेश और सुश्री अमित बाईकर, प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार विजेता और रामकृष्ण मिशन, बेलूर मठ, डब्ल्यू.बी. भारत की आजीवन सदस्य ने "स्वामी विवेकानन्द की शिक्षा और आज उसकी प्रासंगिकता" पर व्याख्यान दिया।

विश्व हिंदी दिवस पर एक हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और पराक्रम दिवस के अवसर पर **"भारतीय स्वतंत्रता में सुभाष चंद्र बोस का योगदान"** विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। दूतावास ने बैंकॉक के सियाम पैरागॉन में 56 डिप्लोमैटिक रेड क्रॉस बाज़ार में विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शनों का भी आयोजन किया।

महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान(एमजीआईसीसी), पोर्ट ऑफ स्पेन, त्रिनिदाद और टोबैगो

महात्मा गांधी सांस्कृतिक सहयोग संस्थान (एमजीआईसीसी) ने वर्ष 2022-23 के दौरान समृद्ध और विविध सांस्कृतिक टेपेस्ट्री का प्रदर्शन करते हुए कई कार्यक्रम आयोजित किये।

विशेष रूप से, भारतीय उच्चायोग, टीएंडटी और सिपारिया क्षेत्रीय निगम के सहयोग से मनमोहन सिंह पार्क में गांधी प्रतिमा का अनावरण समारोह, भारतीय आगमन दिवस पर एक महत्वपूर्ण अवसर था।

स्थानीय भारतीय संगठनों के सहयोग से जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम सामने आए, जिसमें 300 से अधिक प्रतिभागियों के साथ एक नवरात्रि उत्सव, भी शामिल था, जो भारतीय प्रवासियों की सांस्कृतिक जीवंतता को उजागर करता था। एक विशेष रूप से सफल कार्यक्रम कर्नाटक दिवस समारोह था, जिसे कन्नड़ समुदाय के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, जिसमें कर्नाटक के पर्यटन, व्यापार, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और व्यंजन का प्रदर्शन किया गया था। भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एमजीआईसीसी की प्रतिबद्धता छात्रों को प्रामाणिक भाषा, गीत और नृत्य सिखाने के प्रयासों में और भी स्पष्ट थी।

एक अन्य प्रमुख अवसर, कला संध्या 2022, एमजीआईसीसी छात्रों के लिए पिछले वर्ष की उनकी सांस्कृतिक सीख को प्रदर्शित करने, सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने और रिश्तेदारों और साथियों के साथ अपनी उपलब्धियों को साझा करने के लिए एक वार्षिक मंच के रूप में कार्य करता है।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 एक शानदार सफलता थी, जिसमें विभिन्न दूतावासों, बीमा संगठनों और टीएंडटी में भारतीय उच्चायोग के सम्मानित अतिथियों सहित 600 से अधिक प्रतिभागियों ने समुद्र के किनारे एक शांत योग अनुभव पेश किया।एमजीआईसीसी ने भारत की 75वीं वर्षगांठ का जश्न मनाते हुए और त्रिनिदाद और टोबैगो में इसके सांस्कृतिक प्रभाव पर जोर देते हुए, पूर्व विदेश और कैरिकॉम मामलों के मंत्री, टी एंड टी, श्री विंस्टन डुकरन के साथ एक यादगार 'भारत की यादें' कार्यक्रम का भी आयोजन किया। गांधी जयंती पर, एमजीआईसीसी ने युवा पीढ़ी के बीच महात्मा गांधी के सिद्धांतों और प्रासंगिकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने, प्रतिभाशाली विजेताओं को पहचानने और पुरस्कृत करने के लिए ऑनलाइन क्विज़ और निबंध प्रतियोगिताओं की मेजबानी की।

द नेहरू सेंटर (टीएनसी), लंदन, यूनाइटेड किंगडम

द नेहरू सेंटर (टीएनसी) ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक गतिशील श्रृंखला का आयोजन किया जिसने समुदाय के सांस्कृतिक संवर्धन में योगदान दिया । टीएनसी व्यापक सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में ब्रिटिश और भारतीय कलाकारों और विद्वानों द्वारा निभाई गई भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक अर्थों में भारतीय संस्कृति के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है । साप्ताहिक योग सत्रों ने शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा दिया, एक स्वस्थ समुदाय को बढ़ावा दिया। टीएनसी ने भारतीय फैशन की सुंदरता और विविधता को श्रद्धांजलि के रूप में जयपुर रग्स प्रदर्शनी, शाइना एनसी द्वारा साड़ी ड्रेप शो के साथ कला और शिल्प को बढ़ावा देना जारी रखा । मई, 2022 में उज्ज्वायुक्त की अध्यक्षता में भारतीय कलिनरी सप्ताह में भारत की समृद्ध और विविध पाक परंपराओं का प्रदर्शन किया गया।

वर्ष में आकर्षक सत्रों की एक श्रृंखला भी प्रदर्शित की गई, जिसमें जून में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के साथ कानूनी और संवैधानिक पहलुओं पर प्रकाश डालने वाला संवाद भी शामिल था । 27 जून, 2022 को भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे की गरिमामय उपस्थिति में भारत-यूके सांस्कृतिक सप्ताह का भी आयोजन किया गया, जिसने सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत किया और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया । 3 जुलाई, 2022 को नंदिता दास, कोंकणा सेन और अपर्णा सेन जैसी प्रमुख हस्तियों के साथ फिल्म उद्योग में महिलाओं की भूमिका पर केंद्रित एक सत्र ज्ञानवर्धक था ।ये आयोजन सामूहिक रूप से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाने के लिए आईसीसी के समर्पण का उदाहरण देते हैं।

इसके अतिरिक्त, 17 अक्टूबर, 2022 को मुकेश छाबड़ा के इंटरैक्टिव सत्र ने सिनेमा और अभिनय की दुनिया के बारे में जानकारी प्रदान की, जिससे उपस्थित लोगों के लिए सांस्कृतिक अनुभव समृद्ध हुआ । उल्लेखनीय हाइलाइट्स में 5 दिसंबर, 2022 को सतरूपा घोष की मंत्रमुग्ध कर देने वाली गुलदस्ता संगीत प्रस्तुति शामिल है, जिसने एक प्रतिभाशाली कलाकार की संगीत प्रतिभा का जश्न मनाया । टीएनसी ने शुक्रवार, 26 अगस्त, 2022 को एक मनोरम नृत्य नाटक, "मयारखेला" की मेजबानी की । प्रदर्शन ने क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए, नृत्य, संगीत और कहानी कहने के कलात्मक मिश्रण से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति केंद्र (एलबीएसआईसीसी), ताशकंद, उज़्बेकिस्तान

लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति केंद्र (एलबीएसआईसीसी), ताशकंद, उज़्बेकिस्तान, वर्ष 2022-23 के दौरान भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और राजनयिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध गतिविधियों में लगा हुआ है। इन पहलों में शैक्षिक कार्यक्रमों से लेकर सांस्कृतिक समारोहों तक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। कुछ मुख्य आकर्षण परीक्षा पे चर्चा के 5वें संस्करण का सीधा प्रसारण था, जिसमें ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज के छात्रों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, लाल बहादुर शास्त्री स्कूल नंबर 24 में हिंदी पाठ्यक्रम की पुस्तकों का विमोचन भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे की उपस्थिति में हुआ और यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

एलबीएसआईसीसी ने रक्षा बंधन, स्वतंत्रता दिवस सहित महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार भी मनाए और बी.आर. अम्बेडकर की जयंती जैसी ऐतिहासिक घटनाओं को याद किया।

17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन वेबसाइट का उद्घाटन और समरकंद में एससीओ शिखर सम्मेलन 2022 में एलबीएसआईसीसी की भागीदारी अन्य मुख्य आकर्षण थे। इसमें उल्लेखनीय यात्राओं और स्मरणोत्सवों को भी शामिल किया गया है, जो एलबीएससीआईसी की मजबूत राजनयिक उपस्थिति को दर्शाता है। ये गतिविधियाँ भारत और उज़्बेकिस्तान के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान को बढ़ाने, दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने और क्षेत्र में भारत के सांस्कृतिक पदचिह्न का विस्तार करने में एलबीएसएसआईसीसी के समर्पण को दर्शाती हैं।

स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केन्द्र (एसवीसीसी), हनोई, वियतनाम

वर्ष 2022-23 के दौरान स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), हनोई ने योग और शास्त्रीय नृत्य कक्षाएं आयोजित कीं और वर्ष के दौरान वेबिनार, वार्ता, प्रदर्शन, क्विज़, फिल्म स्क्रीनिंग और अवसरों सहित व्यापक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये। कार्यक्रम आज़ादी का अमृत महोत्सव के समग्र विषय के तहत समृद्ध भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं जैसे योग, भारतीय पारंपरिक औषधियाँ, भारत के मुख्य त्यौहार/महत्वपूर्ण अवसर और बौद्ध धर्म को प्रदर्शित करते हैं।

चूंकि वर्ष 2022-23 में भारत और वियतनाम के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे हुए, इस ढांचे के तहत एसवीसीसी कार्यक्रम आयोजित किये गए थे। एसवीसीसी हनोई की गतिविधियाँ और कार्यक्रम फोटो प्रदर्शनी, पेंटिंग प्रतियोगिता, मैत्री वृक्षारोपण से लेकर संगीत और शास्त्रीय नृत्य शाम तक विस्तारित हैं। जैसे ही वर्ष के दौरान महामारी से संबंधित सीमाएं समाप्त हो गईं, प्रसिद्ध भारतीय समूहों ने 2022 की दूसरी छमाही में देश भर में यात्रा की, जैसे कि परिंदे म्यूजिक ऑफ सोल, इंडियन ओसियन बैंड और पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह, सांसद के नेतृत्व में सेंटर फॉर इंडियन क्लासिकल डांस के नृत्य समूह। इन समूहों ने हनोई, हो ची मिन्ह सिटी और विन्हदिन्ह (ड्वी नोन सिटी), फु येन (तुयहोआ सिटी), निन्हथुआन (फान रंग सिटी) और ताई निन्ह प्रांतों में प्रदर्शन किया और विभिन्न शहरों में उपस्थिति दर्ज करायी।

कुछ सांस्कृतिक गतिविधियाँ जिन्होंने व्यापक सार्वजनिक रुचि को आकर्षित किया, वे थे: बेसाक दिवस का उत्सव, जहां दूतावास और एसवीसीसी ने हनोई के वियतनाम-भारत मैत्री संघ और वियतनाम बौद्ध संघ के साथ समन्वय किया, मई-जून 2022 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आसपास वियतनाम के विभिन्न क्षेत्रों में योग से संबंधित कार्यक्रम, जिसमें 200 से अधिक बौद्ध अनुयायियों की भागीदारी थी। कॉमन योग प्रोटोकॉल के प्रदर्शन के लिए कई प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक विश्व धरोहर स्थलों को चुना गया, जैसे टैम चुक पैगोडा, हा लॉन्ग बे और माई सन टॉवर टेम्पल कॉम्प्लेक्स। विभिन्न क्षेत्रों में वियतनामी छात्रों को भा.सां.सं.प. छात्रवृत्ति ने देश में युवाओं और विद्वानों के साथ संबंधों को मजबूत किया।

भा.सां.सं.प.
जोनल/उप-जोनल कार्यालय

भा.सां.सं.प.के वैधानिक निकायों द्वारा भा.सां.सं.प.के जोनल कार्यालयों को ५ जोनल और ६ सब-जोनल कार्यालयों के तहत पुनर्गठित और समेकित किया गया। सात जोनल कार्यालयों, अर्थात् (i) भोपाल (ii) भुवनेश्वर (iii) चेन्नई (iv) गोवा (v) हैदराबाद (vi) त्रिवेन्द्रम और (vii) वाराणसी को संबंधित जोनल कार्यालयों के साथ विलय कर दिया गया, जो १ जुलाई, २०२२ से चालू हो गए। जोनल /सब-जोनल कार्यालय सांस्कृतिक और शैक्षणिक दोनों कार्यों के लिए राज्य स्तर पर आउटरीच गतिविधियाँ चलाते हैं। वे अपने अधिकार क्षेत्र में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति कार्यक्रमों की देखरेख करते हैं और आने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों, सेमिनारों, यात्राओं और व्याख्यानों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे राज्य सरकारों, सांस्कृतिक संस्थानों, स्थानीय कलाकारों, विद्वानों और विश्वविद्यालयों के साथ भी संपर्क करते हैं।

भा.सां.सं.प.जोनल कार्यालय

क्र. सं.	जोनल कार्यालय	क्र. सं.	सब - जोनल कार्यालय
1.	बेंगलुरु	1.	अहमदाबाद
2.	दिल्ली	2.	जम्मू
3.	गुवाहाटी	3.	लखनऊ
4.	कोलकाता	4.	पटना
5.	मुंबई	5.	पुणे
		6.	शिलांग

क्षेत्रीय सलाहकार समिति

सर्वोत्तम प्रतिभाओं और विचारों को आकर्षित करने की दृष्टि से, रीजनल सलाहकार समितियों (आरएसी) का गठन किया गया है। आरएसी के सदस्यों का चयन संबंधित व्यक्ति की विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों के आधार पर किया जाता है। वर्तमान में, आरएसी ८ जोन/उप-जोन में हैं।

1.	अहमदाबाद	5.	कोलकाता
2.	बेंगलुरु	6.	लखनऊ
3.	दिल्ली	7.	मुंबई
4.	गुवाहाटी	8.	पुणे

राज्य सरकार और अन्य संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन

भा.सां.सं.प. ने भारत के 22 राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं। एमओयू का उद्देश्य राज्यों और भा.सां.सं.प. के बीच साझेदारी को और अधिक सार्थक बनाना, सक्रिय भागीदारी लाना और इसे संस्थागत बनाना है। भा.सां.सं.प. और भारत के 22 राज्यों के बीच समझौता ज्ञापन पर एक हस्ताक्षर समारोह 11 नवंबर, 2022 को भा.सां.सं.प., नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

इसी प्रकार भा.सां.सं.प. ने 7 अक्टूबर, 2022 को हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (हिपा) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य पारस्परिक रूप से पहचाने गए सहयोग के क्षेत्रों में हिपा और भा.सां.सं.प. के बीच साझेदारी को संस्थागत बनाना है।

अहमदाबाद

सब-जोनल कार्यालय, अहमदाबाद ने वर्ष 2022-23 के दौरान सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का जश्न मनाने और बढ़ावा देने के लिए जीवंत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया।ये कार्यक्रम भा.सां.सं.प. के 72वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक मिलन समारोह (स्नेह-मिलन) के साथ शुरू हुए, जिससे गुजरात के विभिन्न शहरों के शिक्षाविदों, कलाकारों और सांस्कृतिक विशेषज्ञों के बीच विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला। कार्यालय ने 14 अप्रैल, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की भागीदारी के साथ बाबा साहेब अम्बेडकर की 131वीं जयंती मनाई। गुजरात दिवस और विश्व नृत्य दिवस के शुभ अवसर पर, भा.सां.सं.प.ने 1 मई, 2022 को राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक, दांडी से ताल समूह द्वारा एक नृत्य प्रदर्शन का सीधा प्रसारण किया। भा.सां.सं.प. गुजरात और म्यूसिका प्रोडक्शन ने 21 जून, 2022 को विश्व संगीत दिवस पर "म्यूसिकाथॉन 2.0" प्रस्तुत किया। गुरु पूर्णिमा को तालग्रुप, सीआईओएफएफ इंडिया और चारु कैसल फाउंडेशन के साथ एक सहयोगी कार्यक्रम में शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन और गुरु अभिनंदन के साथ मनाया गया। अहमदाबाद कार्यालय ने मेघ मल्हार महोत्सव के उद्घाटन समारोह में 31 देशों के 150 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की भागीदारी का समन्वय किया और अहमदाबाद अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव में मिस्र के एक भा.सां.सं.प. छात्र द्वारा कथक नृत्य प्रदर्शन का भी समन्वय किया। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने एमएसयू, वडोदरा में अपने राष्ट्रीय ध्वज के साथ "विविधता में एकता" का जश्न मनाया। वडोदरा और केवडिया में छठे अंतर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के हिस्से के रूप में श्रीलंका, थाईलैंड, फिजी, मलेशिया और त्रिनिदाद और टोबैगो के पांच रामायण समूहों की मेजबानी की।

बेंगलुरु

जोनल कार्यालय, बेंगलुरु ने नयना ऑडिटोरियम में हर शुक्रवार होने वाले सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम (ईएफसीईपी) के हिस्से के रूप में और कन्नड़ और संस्कृति विभाग, युवा अधिकारिता और खेल विभाग और एफआईएसए-बी के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक आकर्षक श्रृंखला तैयार किया। इन कार्यक्रमों में प्रतिभाओं की एक उल्लेखनीय श्रृंखला प्रदर्शित हुई, जिसमें एस.पी. गोविंदप्पा और समूह द्वारा मनमोहक "जनपद" लोक गीत, यशोमती मिश्रा द्वारा मंत्रमुग्ध कर देने वाला ओडिसी नृत्य गायन, नृत्यध्वनि, अरुणा भार्गवी द्वारा सुंदर भरतनाट्यम नृत्य और श्रीरामशास्त्री, भुवना एच.एस. ज़ेडओ बेंगलुरु द्वारा कोरियोग्राफ किये गए "गेजेनाधा नृत्य मंदिर" के छात्रों द्वारा नृत्य गायन, द्वारा भावपूर्ण कर्नाटक गायन शामिल है। इस वर्ष ३ जून, १९८३ को शुरू हुई इस सांस्कृतिक पहल की ४० वीं वर्षगांठ का जश्न मनाते हुए एक विशेष मील का पत्थर साबित हुआ। इन सांस्कृतिक संध्याओं ने भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत का जश्न मनाया और पूरे वर्ष सहयोगियों, दर्शकों और युवा कलाकारों से निरंतर समर्थन प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बेंगलुरु के सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करना और पारंपरिक भारतीय कला और संगीत को बढ़ावा देना है।

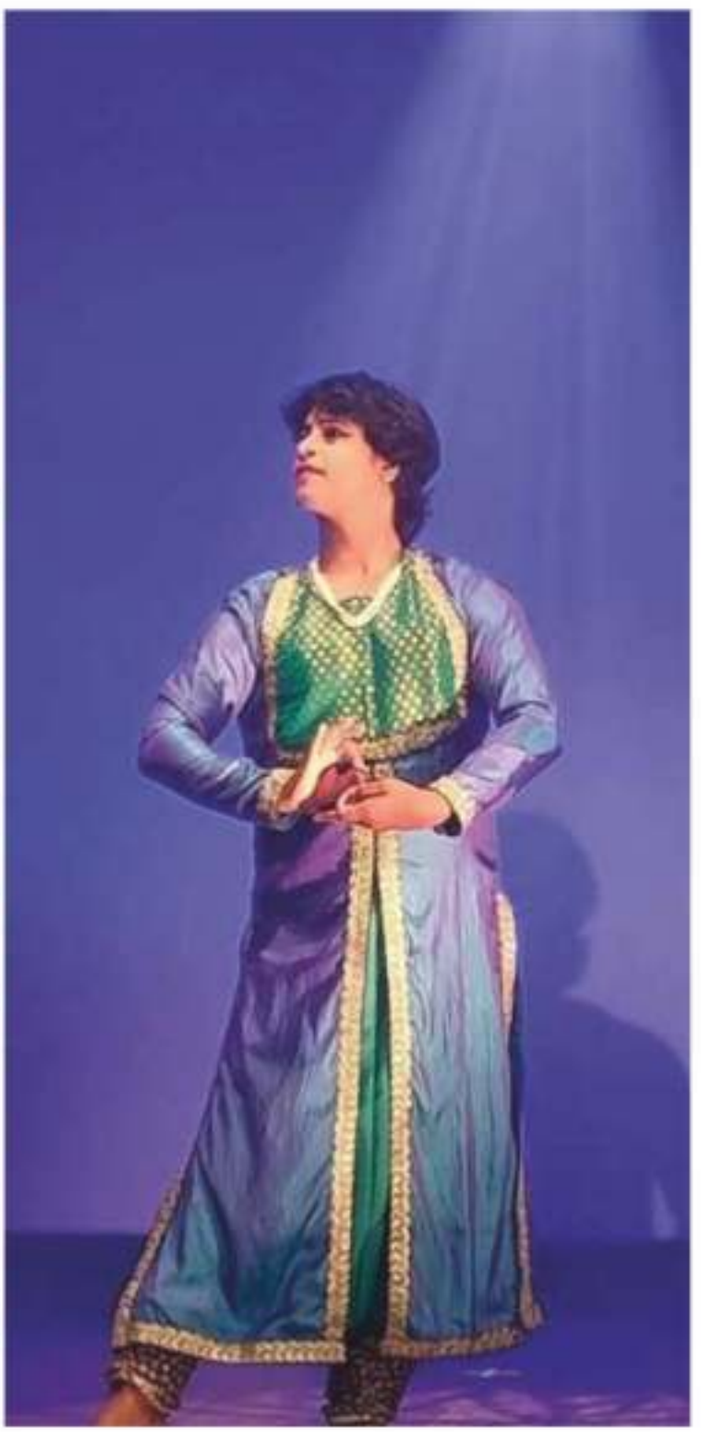

दिल्ली

उत्तरी जोनल कार्यालय, दिल्ली ने श्री दानिश अली खान जैसे प्रसिद्ध कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला की मेजबानी की, जिन्होंने आकर्षक बायलिन वादन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री विश्वदीप ने कथक नृत्य की सुंदरता का प्रदर्शन किया। उत्सव सुश्री वृंदा चड्ढा के शानदार ओडिसी नृत्य प्रदर्शन के साथ जारी रहा और श्री सिद्धार्थ चटर्जी के मंत्रमुग्ध तबला वादन के साथ संपन्न हुआ, जिससे मई कलात्मकता का एक आकर्षक महीना बन गया। डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने ध्रुपद गायन की कालजयी कला का प्रदर्शन किया, और डॉ. स्वप्निल कर्महे ने मनमोहक कथक नृत्य प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक प्रदर्शन श्री कालूराम बामनिया के शक्तिशाली कबीर गायन के साथ जारी रहा और बाद में श्री असगर हुसैन ने ३० नवंबर, २०२२ को एक भावपूर्ण बायलिन वादन प्रस्तुत किया। वर्ष का समापन विनोद नाथ सपेरा एंड पार्टी के जीवंत राजस्थानी लोक नृत्य और सुश्री हिना बासेन के मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। कथक नृत्य. श्री आतमजीत सिंह के नेतृत्व में पंजाबी लोकगीत कलाकारों ने ४ जनवरी, २०२२ को पंजाबी लोक गीतों और नृत्यों से दर्शकों को प्रसन्न किया। इन कार्यक्रमों ने सामूहिक रूप से पूरे वर्ष कलात्मक उत्कृष्टता का एक जीवंत चित्रण किया गया।

गुवाहाटी

नॉर्थ ईस्ट ज़ोनल कार्यालय, गुवाहाटी ने प्रभावशाली पहलों की एक श्रृंखला शुरू की और पूरे वर्ष विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये। इसकी शुरुआत ९ अप्रैल, २०२२ को उत्साही भा.सां.सं.प.स्थापना दिवस समारोह के साथ हुई, जिसमें एक फुटबॉल मैच और मनमोहक सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल थे। इनमें अप्रैल में विश्व नृत्य दिवस के उपलक्ष्य में भरतनाट्यम, कथक और ओडिसी नृत्य शैलियों का मिश्रण "नृत्य आनंद" और मई २०२२ में असम के लोक संगीत और नृत्य की एक मनमोहक शाम "एनाजोरी" शामिल है।

सितंबर, २०२२ में रीजनल सलाहकार समिति की बैठक में महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और राजनयिक मामलों को संबोधित किया गया। जबकि संगाई महोत्सव में नवंबर के भा.सां.सं.प. सांस्कृतिक कार्यक्रम को सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति से सम्मानित किया गया और एक सांस्कृतिक शिखर को चिह्नित किया गया। "यात्रा - द जर्नी ऑफ लाइफ" सत्रिया और कथक का मिश्रण नृत्य प्रस्तुत किया गया। दिसंबर में थाबोनी थिएटर द्वारा 'नोटी बिनोदिनी' नामक एक मनोरम लोक थिएटर नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने संस्कृति और मनोरंजन का एक आनंदमय मिश्रण पेश किया। ये कार्यक्रम सामूहिक रूप से पूरे वर्ष सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए भा.सां.सं.प. उत्तर पूर्व जोनल कार्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

जम्मू

ज़ोनल कार्यालय, जम्मू और कश्मीर ने वर्ष 2022-23 के दौरान क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कलात्मक विविधता को प्रदर्शित करने वाले विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। भा.सां.सं.प के 72वें स्थापना दिवस पर, एक डोगरी नाटक में मिर्ज़ा ग़ालिब के युग को दर्शाया गया, जिसमें बलविंदर पाल सिंह और उनके समूह ने असाधारण प्रदर्शन किया। 29 जून 2022 को, "डोगरी और कश्मीरी" संगीत समारोह ने जम्मू और कश्मीर की लोक संगीत परंपराओं का जश्न मनाया, जिसमें सुश्री अलका अनिल महाजन और समूह सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज सभागार जम्मू में शामिल थे। डॉ. अभिषेक भारती ने 21 जनवरी, 2023 को शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू के सहयोग से "ग़ालिब एट क्वारंटाइन-पार्ट 2" नामक एक विचारोत्तेजक प्रदर्शन किया।

असम के महान नायक लाचित बोरफुकन की 400वीं जयंती के सम्मान में डोगरी नृत्य प्रदर्शन के साथ-साथ गोजरी जम्मू-कश्मीर के पारंपरिक नृत्य और समृद्ध संस्कृति का प्रदर्शन किया गया। 29 मार्च, 2023 को जम्मू-कश्मीर कला और सांस्कृतिक अकादमी ने कश्मीरी और डोगरी लोक गीतों और नृत्यों का एक मनमोहक प्रदर्शन आयोजित किया।

कोलकाता

जोनल कार्यालय (पूर्व), कोलकाता ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। वर्ष की शुरुआत भा.सां.सं.प स्थापना दिवस समारोह के साथ हुई और इसमें कई सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे, जैसे कि होराइज़न सीरीज़, आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल और हाल ही में नियुक्त हुए अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र। कार्यालय ने कोलकाता की प्रसिद्ध दुर्गा पूजा देखने के लिए वरिष्ठ राजनयिकों के लिए एक विशेष यात्रा का आयोजन किया। ओडिशा के भुवनेश्वर में भा.सां.सं.प.रीजनल कार्यालय ने, ओडिशा सरकार के ओडिया भाषा, साहित्य और संस्कृति विभाग के सहयोग से, 9 अप्रैल, 2022 को भा.सां.सं.प का 72वां स्थापना दिवस भव्य तरीके से मनाया। भारत में रूसी संस्कृति का एक सफल महोत्सव रवीन्द्र सदन, कोलकाता में आयोजित किया गया था, जिसमें "लेजिंका," "टेरेम-क्वार्टेट," और "क्रिनित्सा" सहित प्रसिद्ध रूसी समूहों द्वारा प्रदर्शन किया गया था।

लखनऊ

सब-जोनल कार्यालय, लखनऊ ने 9 अप्रैल, 2022 को "भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस" मनाया, जिसके दौरान अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान और श्रीलंका के छात्रों ने जीवंत प्रदर्शन किया। भारत और अल साल्वाडोर के बीच 44 साल के राजनयिक संबंधों के अवसर पर, भा.सां.सं.प. , अल साल्वाडोर गणराज्य के दूतावास, नई दिल्ली और कला स्रोत आर्ट गैलरी ने प्रसिद्ध कलाकार अल साल्वाडोर के श्री रोडोल्फो वेगा ओविदो के कार्यों को प्रदर्शित करने वाली पेंटिंग की एक प्रदर्शनी 21-27 सितंबर, 2022 तक का आयोजन किया। 1 अक्टूबर, 2022 को, भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग का दौरा किया और अंतरराष्ट्रीय छात्रों के साथ बातचीत की। कार्यालय ने 5 नवंबर, 2022 को लखनऊ विश्वविद्यालय (न्यू कैंपस) में सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए मिस्र की 22 सदस्यीय काहिरा ओपेरा बैले कंपनी की यात्रा की मेजबानी की और 24 नवंबर 2022 को असम के प्रसिद्ध युद्ध नायक लाचित बोरफुकन की 400 वीं जयंती मनाई। इस अवधि में, भा.सां.सं.प.द्वारा प्रशासित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 235 नए छात्र विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों में शामिल हुए।

Celebration of 'ICCR Foundation Day'

मुंबई

जोनल कार्यालय पश्चिम, मुंबई ने वर्ष 2022-23 के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। 09 अप्रैल, 2023 को भा.सां.सं.प. के स्थापना दिवस के अवसर पर, विदेशी छात्रों द्वारा भरतनाट्यम, ओडिसी और कथक नृत्य शैलियों में सांस्कृतिक प्रदर्शन आयोजित किये गए। स्पेन केस्युरेरो के नेतृत्व में "रियल फ्लेमेंको" नृत्य और संगीत मंडली ने मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम की शोभा भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने बढ़ाई। 6-8 नवंबर, 2022 के दौरान मिस्र के काहिरा ओपेरा बैले डांस समूह की मेजबानी की गई। रूस के क्रिनित्सा संगीत और नृत्य समूह ने महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल, श्री भगत सिंह कोश्यारी की गरिमामय उपस्थिति में प्रदर्शन किया, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

वर्ष के दौरान कार्यालय में चार रीजनल सलाहकार समिति की बैठकें हुईं, जिनमें से तीन की अध्यक्षता भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष ने की। भा.सां.सं.प. होराइजन सीरीज़ के हिस्से के रूप में हिंदुस्तानी शास्त्रीय नृत्य, हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन, हिंदुस्तानी शास्त्रीय सितार, सरोद और सिद्ध वीणा सहित विविध प्रकार के प्रदर्शन और गायन आयोजित किये गए। मुंबई के राजभवन में "भारतीय सिनेमा और सॉफ्ट पावर" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का भी आयोजन किया, जिसका उद्घाटन महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी की उपस्थिति में प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक श्री शेखर कपूर ने किया। महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल, कई देशों के राजनयिकों और भा.सां.सं.प. के विदेशी छात्रों ने 21 जून, 2022 को राजभवन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया।

पटना

वर्ष के कार्यक्रमों के दौरान सब-जोनल कार्यालय, पटना में होराइजन सीरीज़ कार्यक्रम में बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। इनमें छऊ और कथक नृत्य, भोजपुरी लोक संगीत, सरोद वादन और पारंपरिक तथा समकालीन भारतीय कलाओं का प्रदर्शन शामिल है। जहानाबाद महोत्सव में भा.सां.सं.प. के पैनल में शामिल समूह "प्रांगण पटना" के बिहार लोक नृत्य के प्रदर्शन के साथ समारोह जारी रहा। इसके बाद आरपीओ के सहयोग से "हर घर तिरंगा" अभियान के हिस्से के रूप में श्री समर्थ नाहर द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के साथ एक उत्साहपूर्ण स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। नए साल की शुरुआत स्थानीय कलाकारों श्रीमती सुदीपा घोष और श्री. सत्येन्द्र संगीत द्वारा, सीजीआई वीरगंज और जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के सहयोग से रक्सौल, बिहार के दूताबास बंगले में, शानदार भरतनाट्यम नृत्य और सुगम संगीत प्रदर्शन के साथ हुई। मनमोहक भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति के साथ बिहार दिवस मनाया गया।

पुणे

ज़ोनल कार्यालय, पुणे ने भारतीय संस्कृति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देने में योगदान देने के लिए छात्रवृत्ति और विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रमों के तहत छात्रों और आगंतुकों को प्राप्त करने सहित विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भा.सां.सं.प. के स्थापना दिवस पर "मुद्रा क्रिएशन" द्वारा महाराष्ट्रीयन लोक नृत्य प्रदर्शन, पंडित बिरजू महाराज और विभिन्न हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायन और नृत्य प्रस्तुतियोंको श्रद्धांजलि देने के लिए कथक महायज्ञ शामिल हैं। इन आयोजनों में प्रसिद्ध कलाकार शामिल हुए और दर्शकों ने इन्हें खूब सराहा। पारंपरिक प्रदर्शनों के अलावा, भा.सां.सं.प.पुणे ने 9 अक्टूबर, 2022 को विविध कला रूपों का प्रदर्शन करते हुए एक एमआईएमई कार्यशाला और "त्रितत्वम" कार्यक्रम का भी आयोजन किया। व्याख्यात्मक टिप्पणी के साथ चकरी भजन कार्यक्रम ने सांस्कृतिक समृद्धि प्रदान की, जबकि सरोद और जलतरंग प्रदर्शन ने भारतीय वाद्य संगीत की समृद्धि का प्रदर्शन किया।

भा.सां.सं.प.पुणे ने विद्वानों और स्व-वित्तपोषित छात्रों को स्नातक प्रमाणपत्र प्रदान करके, छात्रों का समर्थन करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी। समारोह की शोभा प्रो. करभारी विश्वनाथ काले, कुलपति, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय ने बढ़ाई। विदेशी छात्रों के साथ दिवाली समारोह ने सामुदायिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भावना को बढ़ावा दिया। विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम में सांस्कृतिक और राजनीतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाले छह देशों के जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम प्रतिनिधिमंडल के दूसरे बैच की यात्रा कराई गई। प्रतिनिधियों ने पुणे में सांस्कृतिक और शैक्षणिक संस्थानों का अन्वेषण किया। भा.सां.सं.प. पुणे ने अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के सहयोग से एक विशेष योग सत्र का आयोजन करके 21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में सक्रिय रूप से भाग लिया। भा.सां.सं.प. पुणे ने डॉ. प्रसन्ना देशपांडे के व्याख्यान के साथ असम के प्रसिद्ध युद्ध नायक लाचित बोरफुकन की 400वीं जयंती भी मनाई।

शिलांग

वर्ष 2022 में, शिलांग में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) सब-जोनल कार्यालय ने 9 अप्रैल को अपना स्थापना दिवस मनाया। श्री सिबोर मॉकिन और उनकी समर्पित टीम ने शिलांग में एशियन कॉन्फ्लुएंस में इस कार्यक्रम की मेजबानी की। 8 मई, 2022 को, संगीत प्रेमी बूम बैंड द्वारा एक शानदार रॉक कॉन्सर्ट के लिए आइजोल के वानापा हॉल में एक अविस्मरणीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। फिर, 10 मई, 2022 को सुश्री जेसिल्डा और उनकी टीम के नेतृत्व में एक मनमोहक बांगला नृत्य प्रदर्शन हुआ। बांगला, 100 ड्रमों वाला नृत्य, मेघालय की गारो जनजातियों की एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली परंपरा है। विविध संस्कृतियों के उत्सव को जारी रखते हुए, 18 जून, 2022 को आरके जेनी और उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत काबुई नागा नृत्य ने इंफाल के टीएमडी ऑडिटोरियम में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 17 जुलाई, 2022 को, यू टिरोट सिंग दिवस के अवसर पर, शिलांग के यू सोसो थाम ऑडिटोरियम में सुश्री एंड्रियास लिंगदोह और उनकी टीम द्वारा एक मनमोहक प्रदर्शन आयोजित किया गया था। शिलांग में भा.सां.सं.प.सब-जोनल कार्यालय ने मेघालय और अन्य उत्तर पूर्व शहरों के 700-800 प्रतिभागियों के साथ कृपि, विज्ञान, केंद्रीय कृपि विश्वविद्यालय, उमियाम, मेघालय में स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय में क्षितिज श्रृंखला सांस्कृतिक कार्यक्रम की मेजबानी के लिए अन्य संगठनों के साथ सहयोग किया। अक्टूबर में, फुलमिंग स्टार लिंगदोह और उनकी टीम ने 15 अक्टूबर, 2022 को जोवाई, जंतिया हिल्स में "जयंतिया लोक थिएटर" कार्यक्रम में असाधारण प्रदर्शन किया। 14 नवंबर, 2022 को मेघालय के माननीय मुख्यमंत्री, श्री कोनाई के संगमा ने शिलांग इंटरनेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स एंड कल्चर (एसआईसीपीएसी) का उद्घाटन किया, जो क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रचार के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। इन आयोजनों ने मेघालय और उत्तर पूर्व में सांस्कृतिक आदान-प्रदान और प्रशंसा को बढ़ावा देने के लिए भा.सां.सं.प. की प्रतिबद्धता का उदाहरण दिया।

भा.सां.सं.प. कार्यक्रम

भा.सां.सं.प. संचालन के दो प्रमुख क्षेत्रों में कार्यक्रमों को लागू करता है, अकादमिक और बौद्धिक आदान-प्रदान कार्यक्रम और दुनिया भर में भारतीय दृश्य और प्रदर्शन कला और कलाकारों का सक्रिय प्रचार।

अकादमिक और बौद्धिक गतिविधियों में वैश्विक बन्धुत्व के बीच भारतीय संस्कृति के अध्ययन को प्रसारित करने और प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय अध्ययन पीठ, विदेशी छात्रों को छात्रवृत्ति, सम्मेलन और सेमिनार आदि शामिल हैं। भा.सां.सं.प. भारतीय कलाकारों के बीच प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और पोषित करने तथा उन्हें विदेशों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने में सहायता करने में भी सबसे आगे रहा है। प्रदर्शन कलाएँ लोगों के बीच संपर्क को आगे बढ़ाने और राष्ट्रों के बीच बेहतर समझ को बढ़ावा देने के लिए एक मनोरंजक और रचनात्मक पहल है।

भा.सां.सं.प.
विदेश जाने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) निवर्तमान प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से वैश्विक मंच पर भारत की प्रदर्शन कला की समृद्ध टेपेस्ट्री का प्रदर्शन करती है। भा.सां.सं.प. ने वर्ष 2022-23 के दौरान आजादी का अमृत महोत्सव (अकाम) समारोह के हिस्से के रूप में सूचीबद्ध/वंदे भारत सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडलों और प्रायोजित मंडलों के माध्यम से सांस्कृतिक कूटनीति का नेतृत्व किया। वर्ष के दौरान भा.सां.सं.प. के प्रायोजन और समर्थन के माध्यम से 90 सांस्कृतिक मंडलों और प्रतिनिधि मंडलों को विदेशों में भेजा गया।

नीदरलैंड: कलाक्षेत्र अड्यार का भरतनाट्यम समूह

सुश्री रेवती रामचंद्रन के नेतृत्व में तमिलनाडु के भरतनाट्यम समूह "कलाक्षेत्र अड्यार" ने भारत और नीदरलैंड के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए 4-7 अप्रैल, 2022 तक रामायण प्रस्तुत किया।

उज़्बेकिस्तान: बेनी एंड द जैज़ कलेक्टिव

श्री बेनेडिक्ट लाजर के नेतृत्व में एक जैज़ समूह, "बेनी एंड द जैज़ कलेक्टिव" ने 10-13 मई, 2022 तक उज़्बेकिस्तान में अंतर्राष्ट्रीय जैज़ महोत्सव में भाग लिया।

ग्वाटेमाला, होंडुरास, अल साल्वाडोर: कथक नृत्य समूह

सुश्री सोनिया परचुरे के नेतृत्व में कथक नृत्य समूह ने 16-25 मई, 2022 तक भारत और ग्वाटेमाला के बीच राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भाग लिया।

जाम्बिया: "वंदे भारतम" कंटेम्पररी नृत्य समूह

03-07 जून, 2022 तक श्री सम्राट दास के नेतृत्व में "रेखा कंटेम्पररी डांस एन्सेम्बल" ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया जो भारतीय नृत्य रूपों की विविधता को प्रदर्शित दर्शाता है।

स्पेन और फ्रांस: "शिवोहम" उत्पादन

श्री दीपक महाराज के नेतृत्व में "शिवोहम" नृत्य मंडली ने 15-21 जून, 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के दौरान प्रदर्शन किया।

ऑस्ट्रिया: नृत्यानिलय का "वन्देभारतम" ओडिसी नृत्य

सुश्री स्वप्ना रानी सिन्हा के नेतृत्व में "वंदे भारतम" ओडिसी नृत्य समूह "नृत्यनिलय" ने 17-23 जून, 2022 तक ऑस्ट्रिया में प्रदर्शन किया।

रूस: कर्नाटक वीणा एन्सेम्बल

सुश्री सुमा सुधींद्र द्वारा निर्देशित कर्नाटक वीणा समूह ने 20-28 जून, 2022 तक "इंडिया वीक" उत्सव के दौरान रूस में प्रदर्शन किया।

यूएसए: शास्त्रीय नृत्य समूह, वंदे भारत

श्री श्रीभाश्याम सुंदर रामकौडिन्य के नेतृत्व में "शिव श्री नृत्य कलानिकेतन" शास्त्रीय नृत्य समूह ने 29 जून, 2022 से 21 जुलाई, 2022 तक अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन के दौरान वाशिंगटन, अटलांटा और शिकागो में प्रस्तुति दी।

तुर्की: सप्तक लोक नृत्य समूह

श्री चेतनकुमार चंद्रकांत जेठवा के नेतृत्व में "सप्तक लोक नृत्य समूह" ने 01-08 जुलाई, 2022 तक बर्सा में 34वीं अंतर्राष्ट्रीय गोल्डन करागोज़ लोक नृत्य प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

बेलारूस और जर्मनी: भैरी भवानी प्रदर्शन कला, वंदे भारत

सुश्री भावना चौधरी के मार्गदर्शन में "भैरी भवानी परफॉर्मिंग आर्ट्स" समूह ने 15-25 जुलाई, 2022 तक भारत समर डेज 2022 में भाग लिया और स्लावियांस्की बाजार में भारतीय संस्कृति को रोशन किया ।

जॉर्डन: रूह-ध्रुव सांगरी का कव्वाली ग्रुप

"रूह-ध्रुव सांगरी" कव्वाली समूह ने 26-29 जुलाई, 2022 तक संस्कृति और कला के लिए जेराश महोत्सव के दौरान प्रस्तुति दी।

थाईलैंड: उत्तर पूर्व महोत्सव असाधारण

तीन फ्यूजन समूहों, "रिदम ऑफ मणिपुर," "रामधेनु," और "सोलमेट" ने 29-31 जुलाई, 2022 तक नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल (एनईआईएफ), बैंकॉक में पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक विरासत प्रस्तुत की।

घाना: नृत्य युग का सिनेमाई संगीत और नृत्य

श्री माणिक भठेजा के नेतृत्व में "डांस एरा-माणिक भठेजा" समूह ने 11-16 अगस्त, 2022 तक सिनेमाई संगीत और नृत्य के माध्यम से इंडिया@75 का जश्न मनाया।

क्रोएशिया: वाद्य (सरोद) प्रदर्शन

श्री अर्नब भट्टाचार्य के नेतृत्व में एक वाद्ययंत्र (सरोद) समूह ने 11-18 अगस्त, 2022 तक क्रोएशिया में डबरोवनिक समर फेस्टिवल में अपना प्रदर्शन दिखाया।

ब्राज़ील: आविष्कार का गुजराती लोक उत्सव

श्री दिनेश गोकलदास पारिख के नेतृत्व में "आविष्कार" गुजराती लोक समूह ने 12-21 अगस्त, 2022 तक गुजरात की संस्कृति की प्रस्तुति दी।

वियतनाम: स्वतंत्रता दिवस का जश्न

"अनु नारायण के नेतृत्व में ओडिसी नृत्य", "शिप्रा गोयल के बॉलीवुड समूह" और सौमित्र पॉल के नेतृत्व में "परिंदे म्यूजिक ऑफ सोल" सहित तीन विविध समूहों ने 12-21 अगस्त, 2022 तक नमस्ते वियतनाम महोत्सव में भाग लिया।

मिस्र: कथक समूह

सुश्री लूना पोद्दार के नेतृत्व में एक कथक समूह ने 13-19 अगस्त, 2022 तक मिस्र में अपनी कलात्मकता प्रस्तुत की।

मॉरीशस, मेडागास्कर, दक्षिण अफ्रीका, बोत्सवाना और स्वाज़ीलैंड: जेएनएमडी डांस एन्सेम्बल

सुश्री चंदनदेवी गुरुमायूम के नेतृत्व में "जवाहरलाल नेहरू मणिपुरी नृत्य अकादमी" समूह ने 14-31 अगस्त, 2022 तक कई अफ्रीकी देशों में कला का प्रदर्शन किया।

सऊदी अरब और कतर: कव्वाली असाधारण

श्री दानिश हुसैन के नेतृत्व में एक कव्वाली समूह ने 14-20 अगस्त, 2022 तक सऊदी अरब और कतर में कला का प्रदर्शन किया।

लेबनान: गिद्धा प्रदर्शन, वंदे भारत

सुश्री मनदीप कौर के नेतृत्व में **"चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी गर्ल्स टीम - गिद्धा"** समूह ने 14-18 अगस्त, 2022 तक लेबनान में भारत सप्ताह मनाया।

न्यूजीलैंड: भांगड़ा ग्रुप, वंदे भारत

श्री अमित सरवन के नेतृत्व में **"चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी भांगड़ा ग्रुप"** ने 19-22 अगस्त, 2022 तक प्रस्तुति दी।

आयरलैंड, स्विट्जरलैंड, यूके: थिएटर ग्रुप, टैगोर जयंती

श्रीमती डोना गांगुली के नेतृत्व में एक नाटकीय समूह ने 19-29 अगस्त, 2022 तक टैगोर जयंती के अवसर पर नृत्य नाटक प्रस्तुत किया।

स्कॉटलैंड: भरतनाट्यम प्रदर्शन, वंदे भारत

सुश्री श्रीनिधि विजयकुमार के नेतृत्व में भरतनाट्यम समूह, "श्री नाट्य निकेतन" ने 2-5 सितंबर, 2022 तक नृत्य प्रस्तुत किया।

मलेशिया: भरतनाट्यम डांस ग्रुप, वंदे भारत

भारत और मलेशिया के बीच राजनयिक संबंधों के 65 साल पूरे होने के जश्न के लिए "मंजुला रामास्वामी" के नेतृत्व में एक भरतनाट्यम नृत्य समूह ने 8-14 सितंबर, 2022 तक प्रस्तुति दी।

तंजानिया, इथियोपिया और मिस्र: कव्वाली समूह

मध्य प्रदेश के श्री सैयद नासिर हुसैन ने 8-25 सितंबर, 2022 तक सांस्कृतिक प्रस्तुती देने के लिए एक कव्वाली समूह का नेतृत्व किया। समूह ने काहिरा में मंत्रोच्चार और आध्यात्मिक संगीत के लिए अंतर्राष्ट्रीय सामा महोत्सव में भी भाग लिया।

जापान: झेलम परांजपे कथक समूह

महाराष्ट्र से सुश्री झेलम परांजपे के नेतृत्व में एक नृत्य समूह ने 29 सितंबर से 10 अक्टूबर, 2022 तक नमस्ते नाकामा और भारत मेला कोबे महोत्सव में भाग लिया।

दक्षिण कोरिया: ओडिसी नृत्य और हिंदुस्तानी गायन समूह

सुश्री कुंजलता मिश्रा के ओडिसी नृत्य समूह और सुश्री सुनंदा शर्मा के नेतृत्व में एक हिंदुस्तानी गायन समूह ने 29 सितंबर -10 अक्टूबर, 2022 तक सारंग महोत्सव में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ऑस्ट्रेलिया: "मार्गम" और "पवित्र कला अकादमी" वंदे भारत

सुश्री प्रियाल दीपेश जावेरी के नेतृत्व में गुजरात के लोक समूह "मार्गम" और श्री पवित्रा भट्ट के नेतृत्व में महाराष्ट्र के भरतनाट्यम समूह **"पवित्रा आर्ट अकादमी"** ने 6-17 अक्टूबर, 2022 तक नृत्य प्रदर्शन की प्रस्तुति दी।

युगांडा, इथियोपिया और इज़राइल: कथक नृत्य समूह

7-17 अक्टूबर, 2022 तक सुश्री ऋतुश्री चौधरी के कथक नृत्य समूह ने युगांडा में चौथा वार्षिक कला और सांस्कृतिक उत्सव में प्रस्तुती दी एवं इज़राइल में छठे राष्ट्रीय यहूदी सम्मेलन में भी भाग लिया।

स्पेन: भरतनाट्यम समूह

सुश्री रमा वैद्यनाथन ने 8-12 अक्टूबर 2022 तक स्पेन में भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी।

मेक्सिको: भारतीय शास्त्रीय संगीत समूह - सर्वेंटिनो महोत्सव

कर्नाटक की सुश्री विंदिगनवाले मानसी प्रसाद के नेतृत्व में भारतीय वाद्ययंत्र शास्त्रीय समूह को 11-28 अक्टूबर 2022 तक सर्वेंटिनो महोत्सव में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया गया।

मलेशिया: लोक समूह - 'नव जीवन कलारी संघोम'

बाबू शिवदास के नेतृत्व में एक केरल लोक समूह, "नव जीवन कलारी संघोम" 28 अक्टूबर - 7 नवंबर 2022 तक लिविंग आर्ट्स सांस्कृतिक महोत्सव में भाग लेने के लिए मलेशिया में प्रायोजित किया गया।

जर्मनी: कांगलेई माइम थिएटर ग्रुप-ट्रैवल ग्रांट

मणिपुर के श्री वाई सदानंद सिंह के नेतृत्व में "द कांगलेई माइम थिएटर रिपर्टरी" को 02-06 नवंबर 2022 तक जर्मनी के ड्रेसडेन में 37वें अंतर्राष्ट्रीय पैंटोमाइम महोत्सव में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया गया था।

वियतनाम: 'इंडियन ओशन' फ्यूजन म्यूजिक ग्रुप

श्री ध्रुव सुरेश जगासिया के नेतृत्व में एक फ्यूजन म्यूजिक ग्रुप, "इंडियन ओशन" ने 11-15 नवंबर 2022 तक इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (इंचैम) द्वारा आयोजित दिवाली समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए वियतनाम का दौरा किया।

म्यांमार और वियतनाम: 'सेंटर फॉर इंडियन क्लासिकल डांस' भरतनाट्यम डांस ग्रुप

सुश्री सोनल मानसिंह के नेतृत्व में एक शास्त्रीय नृत्य समूह "सेंटर फॉर इंडियन क्लासिकल डांस" को 25 नवंबर से 10 दिसंबर, 2022 तक म्यांमार और वियतनाम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देने के लिए प्रायोजित किया गया।

इथियोपिया, सूडान और इज़राइल: 'भैरी भवानी' लोक नृत्य समूह

श्री प्रदीप कदम्ब के नेतृत्व में एक लोक नृत्य समूह "भैरी भवानी" को 25 नवंबर से 8 दिसंबर, 2023 तक इथियोपिया, सूडान और इज़राइल में सांस्कृतिक प्रस्तुती देने के लिए प्रायोजित किया गया।

मलेशिया: पंजाबी लोक नृत्य समूह

सुश्री संगीता कौशिक के नेतृत्व में एक पंजाब लोक नृत्य समूह, पंजाबी कल्चरल सोसाइटी ने 3-7 दिसंबर, 2022 तक सबा और सारावाक, कुआलालंपुर और इपोह में एक गुरुद्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए मलेशिया का दौरा किया।

नेपाल: कथक नृत्य समूह

दिल्ली की सुश्री नम्रता राय ने 25-30 जनवरी 2023 तक नेपाल में गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने के लिए अपने कथक नृत्य समूह का नेतृत्व किया।

फिजी: नृत्य, संगीत और लोक समूह, विश्व हिंदी सम्मेलन

"ए आर डिवाइन," "बग्गा लोक नाच अकादमी," "मोहिनीअट्टम डांस ग्रुप," और "गीतांजलि इंटरनेशनल फोक टैंग" को 12-19 फरवरी, 2023 तक 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए फिजी में प्रायोजित किया गया।

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, कांगो गणराज्य, गैबॉन और सूडान: लोक नृत्य समूह

गुजरात से श्री कुशल दीक्षित के नेतृत्व में गुजराती लोक नृत्य समूह ने 25 जनवरी से 4 फरवरी 2023 तक गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान डी आर कांगो, कांगो गणराज्य, गैबॉन और सूडान का दौरा किया।

बहरीन: कव्वाली ग्रुप 'असलम साबरी एंड पार्टी

श्री असलम साबरी के नेतृत्व में दिल्ली स्थित कव्वाली समूह "असलम साबरी एंड पार्टी" को 5-8 मार्च, 2023 तक स्प्रिंग ऑफ कल्चर फेस्टिवल में भाग लेने के लिए बहरीन में प्रायोजित किया गया।

उज़्बेकिस्तान: समकालीन नृत्य समूह

दिल्ली एनसीआर से सुश्री शिवानी कश्यप ने 16-20 मार्च, 2023 तक उज्बेकिस्तान में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने वाले एक कंटेम्पोररी समूह का नेतृत्व किया।

भा.सां.सं.प.
विदेशों से आने वाले सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (भा.सां.सं.प.) विदेशों से आने वाले सांस्कृतिक ग्रुपों के कार्यक्रम करती है। ताकि भारत के लोगों को दुनिया भर की संस्कृतियों को देखने और सराहने का मौका मिले। इसमें कई विशिष्ट देश, क्षेत्र या यहां तक कि एक महाद्वीप को समर्पित सांस्कृतिक सप्ताह और त्यौहार शामिल हैं।

इसके अलावा, परिषद विदेश मंत्रालय की ओर से सांस्कृतिक परियोजनाओं को करती है और भारत की राज्य सरकारों और उनके सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से संबंधित राज्यों में विदेशी संस्कृति का प्रदर्शन करती है। परिषद भारत में अपने प्रत्येक जोनल कार्यालय में मासिक होराइजन सीरीज का आयोजन भी करती है।

भारत-उज्बेकिस्तान राजनयिक संबंधों का जश्न

भा.सां.सं.प. ने 2 अप्रैल, 2022 को भा.सां.सं.प. ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में भारत और उज्बेकिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की 30वीं वर्षगांठ मनाने के लिए उज्बेकिस्तान के 'हबस' और 'लाज़गी' समूह के दो नृत्य कार्यक्रमों का आयोजन किया।

भव्य संगीतमय कार्यक्रम

अप्रैल 2022 में वरिष्ठ पत्रकारों और राजनयिकों के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित रात्रिभोज के दौरान "बेनी एंड द जैज़ कलेक्टिव" और रजत कक्कड़ एंड ग्रुप द्वारा जैज़ और हिंदुस्तानी क्लासिकल का मिश्रण प्रस्तुत किया गया।

हैदराबाद हाउस में सांस्कृतिक प्रदर्शन

22 अप्रैल, 2022 को यूनाइटेड किंगडम के प्रधान मंत्री के सम्मान में हैदराबाद हाउस में श्री बिपुल कुमार रे द्वारा संतूर-वाद्य संगीत प्रस्तुत किया गया।

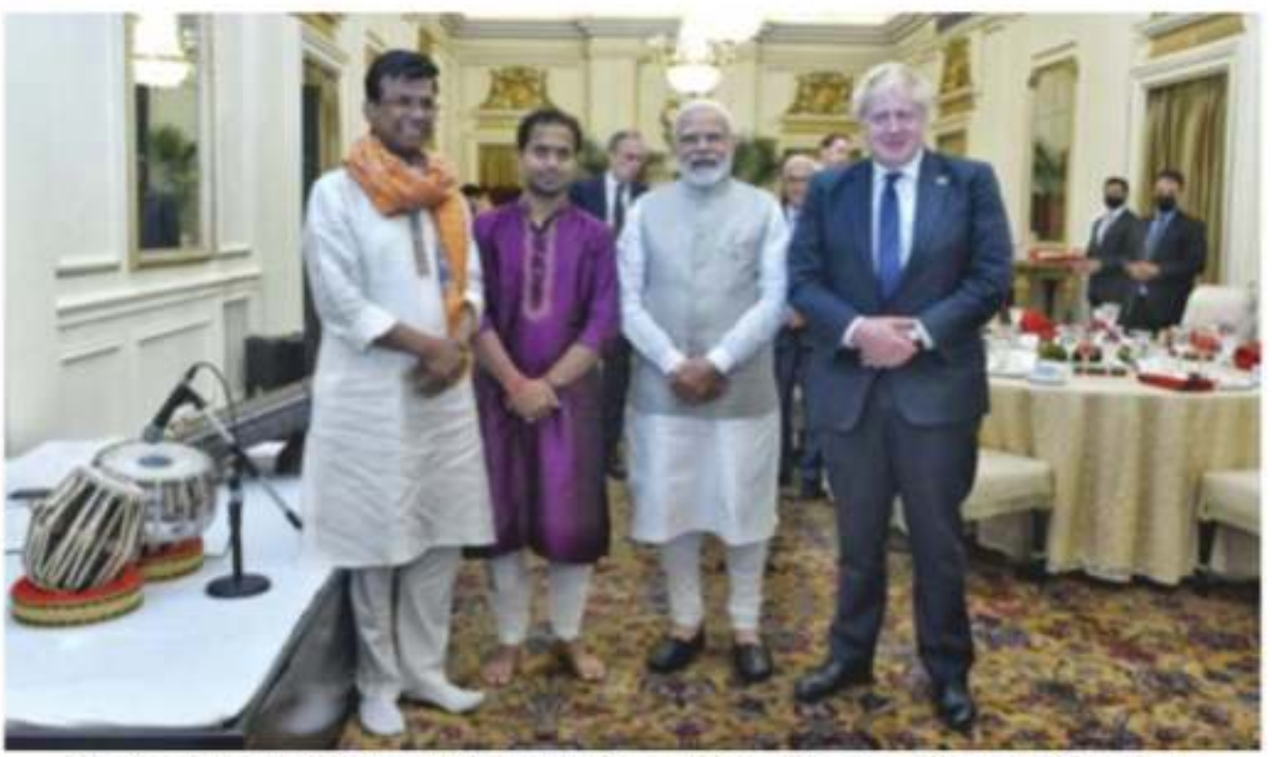

22 अप्रैल, 2022 को यूके के प्रधान मंत्री के सम्मान में भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा आयोजित दोपहर के भोजन के दौरान हैदराबाद हाउस में श्री बिपुल कुमार रे (संतूर वादक) द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम।

राज्यसभा दिवस का जश्न

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के अंतर्गत, "आजादी और देशभक्ति" विषय पर आयोजित कार्यक्रम के साथ 10 मई, 2022 को संसद परिसर के जीएमसी बालयोगी सभागार में राज्यसभा दिवस-2022 मनाया गया।

विश्व पुर्तगाली भाषा दिवस

भा.सां.सं.प. ने 13 मई, 2022 को विश्व पुर्तगाली भाषा दिवस मनाया। सुश्री रानी खानम ने कथक और भरतनाट्यम कलाकारों के साथ गायकों, संगीत बैंड, पश्चिमी और लोक नर्तकों की एक विशेष कोरियोग्राफी प्रस्तुत की। इस अवसर पर माननीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

भारत की सॉफ्ट पावर के रूप में शिल्प परंपराएँ

21 मई, 2022 को 5वें पंडित दीन दयाल उपाध्याय वार्षिक व्याख्यान 2022 के अवसर पर नई दिल्ली के नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय में श्री मधुर पडवाल के नेतृत्व में 7-सदस्यीय फोल्क्स-वैगन बैंड समूह द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जो विश्व संस्कृति दिवस "भारत की सॉफ्ट पावर के रूप में शिल्प परंपराएँ" पर केंद्रित था।

13 मई 2022 को आज़ाद भवन सभागार, नई दिल्ली में विश्व पुर्तगाली भाषा दिवस के उत्सव के अवसर पर विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा दीप प्रज्वलन।

बाहरी व्यस्तताओं को बदलना

बांसुरी वादक श्री रोहित आनंद ने 7 जून, 2022 को विदेश मंत्रालय के राज्य विदेश मंत्री और दिल्ली में स्थित विदेशी मिशनों के प्रमुखों की उपस्थिति में "मोदी सरकार के 8 साल - बाहरी गतिविधियों में बदलाव" शीर्षक पर एक संगीतमय प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

विशेष आसियान-भारत बैठकें

श्री देवज्योति मुखर्जी ने 15 जून, 2022 को विशेष आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक (एसएआईएफएमएम) और दिल्ली डायलॉग XII (डीडी XII) के लिए सितार वादन प्रस्तुत किया।

आसियान-भारत बैठक का सम्मान

अन्वेषना सोसाइटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स ने 16 जून, 2022 को होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली में आयोजित विशेष आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए एक सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

हैदराबाद हाउस में सांस्कृतिक कूटनीति

2 अगस्त 2022 को हैदराबाद हाउस में पं. प्रभात कुमार ने मालदीव गणराज्य के राष्ट्रपति के सम्मान में संतूर का मनमोहक प्रदर्शन किया।

सांस्कृतिक कूटनीति चर्चा

भारतीय सेवा अधिकारी प्रशिक्षुओं और भूटानी राजनयिकों के लिए सांस्कृतिक कूटनीति को समझने पर हुई चर्चा के भाग के रूप में 2 अगस्त, 2022 को भा.सां.सं.प. सभागार में सुश्री जयलक्ष्मी ईश्वर का एक व्याख्यान-प्रदर्शन आयोजित किया गया।

लोक कला कलाकारों के साथ बातचीत

अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. ने 20 अगस्त, 2022 को राजस्थान के माननीय राज्यपाल की गरिमामय उपस्थिति में राजभवन, जयपुर में राजस्थान के लोक कला कलाकारों के साथ बातचीत की, जिन्होंने विदेशों में प्रदर्शन किये थे।

भारत - त्रिनिदाद और टोबैगो राजनयिक संबंध

भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए 2 सितंबर, 2022 को त्रिनिदाद और टोबैगो के एक समूह तथा एक भारतीय लोक समूह द्वारा एक फ्यूजन प्रदर्शन आयोजित किया गया था। इस अवसर पर विदेश मंत्रालय की राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 2 सितंबर, 2022 को भा.सां.सं.प. सभागार में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन।

2 सितंबर, 2022 को भा.सां.सं.प. ऑडिटोरियम में भारतीय समूह और त्रिनिदाद और टोबैगो के 'चटनी सोचा मोनार्क' समूह द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन।

हैदराबाद हाउस में सांस्कृतिक कूटनीति

6 सितंबर, 2022 को बांग्लादेश के प्रधान मंत्री के सम्मान में, पं. कायम अली ने सरोद वादन प्रस्तुत किया।

भारत-स्पेनिश सांस्कृतिक आदान-प्रदान

भा.सां.सं.प.ने 16 सितंबर, 2022 को तिरुवनंतपुरम में मार्गी कथकली और एक स्पेनिश कथकली टीम द्वारा प्रस्तुत इंडो-स्पैनिश संयुक्त उत्पादन "किजोटे कथकली" की मेजबानी की। 18 सितंबर, 2022 को सर्वांटिस इंस्टीट्यूट, दिल्ली में स्पेनिश टीम द्वारा एक कार्यशाला भी आयोजित की गई थी।

जॉर्जिया के साथ नाट्य आदान-प्रदान

भा.सां.सं.प.ने भारत में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के सहयोग से नाट्य प्रस्तुतियों और कार्यशालाओं के लिए 2-10 सितंबर, 2022 तक जॉर्जिया के त्बिलिसी अखमेटेली स्टेट ड्रामा थिएटर की मेजबानी की।

किर्गिस्तान के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान

किर्गिस्तान के दो नृत्य और संगीत समूहों "कंबारकन" और "अक मराल" ने 12 अक्टूबर, 2022 को नई दिल्ली के भा.सां.सं.प. ऑडिटोरियम में डॉ. राजकुमार रंजन सिंह, माननीय विदेश राज्य एवं शिक्षा राज्य मंत्री और डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. की गरिमामयी उपस्थिति में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली में एससीओ सांस्कृतिक प्रस्तुति

भा.सां.सं.प.ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) के सहयोग से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों की विविध संस्कृतियों और परंपराओं का जश्न मनाने के लिए 14 अक्टूबर, 2022 को होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली में एक मनोरम सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन किया। कार्यक्रम की कोरियोग्राफी श्रीमती भारती शिवाजी और सुश्री मिनाक्षी दास ने की जिसमें रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों, विद्वानों, चीन और पाकिस्तान के सांस्कृतिक प्रदर्शन का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय कलाकारों को प्रस्तुत किया गया।

14 अक्टूबर, 2022 को होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली में आरएटीएस - एससीओ परिषद की 38वीं बैठक के दौरान एससीओ सदस्य देशों के पारंपरिक नृत्य-संगीत रूपों का प्रदर्शन

भारत-स्पेनिश सांस्कृतिक आदान-प्रदान

भा.सां.सं.प. ने 12-19 अक्टूबर, 2022 के दौरान स्पेन के 9 सदस्यीय समूह "फ्लेमेंको रियल" की मेजबानी की। सुश्री विधा लाल के नेतृत्व में स्पेनिश फ्लेमेंको कलाकारों और भारतीय कथक कलाकारों का एक संयुक्त कार्यक्रम 14 अक्टूबर, 2022 को कमानी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया, माननीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। स्पेनिश टीम ने चंडीगढ़ और मुंबई में भी कार्यक्रम किया।

कोरियाई संस्कृति महोत्सव

भा.सां.सं.प. ने कोरियाई संस्कृति केंद्र, भारत और भारत में कोरिया गणराज्य के दूतावास के सहयोग से 19 अक्टूबर, 2022 को डीएलएफ साकेत शॉपिंग मॉल, नई दिल्ली में एक सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन किया। सुश्री रेखा मेहरा के नेतृत्व में 9 सदस्यीय समूह जीवंत कोरियाई संस्कृति महोत्सव (रंग दे कोरिया) में योगदान देने वाले कोरियाई लोक और कथक नृत्य का मिश्रण प्रदर्शित किया।

टोबैगो, इंडोनेशिया, फिजी, मलेशिया और थाईलैंड के सांस्कृतिक समूहों ने दर्शकों को उनके प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध कर दिया। माननीय संस्कृति मंत्री श्री जी किशन रेड्डी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. सम्मानित अतिथि थे। इन समूहों ने सीमाओं के पार सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भोपाल, अयोध्या, अहमदाबाद, बड़ौदा में रामायण महोत्सवों में भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त, श्रीलंका से आए 15 सदस्यीय समूह 'नाट्य कला मंदिर' ने भारतीय संसद के जीएमसी बालयोगी सभागार में प्रदर्शन किया।

छठा अंतर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव

भा.सां.सं.प. ने 19-20 अक्टूबर 2022 के दौरान नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में 6वें अंतर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन किया। श्री संतोष नायर के नेतृत्व में भारत के 'साध्य' समूह के साथ-साथ श्रीलंका, त्रिनिदाद और

19 अक्टूबर, 2022 को कमानी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में माननीय संस्कृति मंत्री श्री किशन रेड्डी द्वारा 'छठे अंतर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव' का उद्घाटन करते हुए

छठे अंतर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के दौरान 19 अक्टूबर, 2022 को कमानी ऑडिटोरियम में थाईलैंड के रामायण समूह का प्रदर्शन करते हुए।

अंतर्राष्ट्रीय राजनयिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

26 अक्टूबर, 2022 को, भा.सां.सं.प. ने एक महीने तक चलने वाले विदेशी राजनयिकों के लिए सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस (एसएसआईएफएस) में विदेशी राजनयिकों के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पीसीएफडी) में प्रख्यात कलाकारों सुश्री मीनू ठाकुर (कुचीपुड़ी) और सुश्री जया प्रभा मेनन (मोहिनीअट्टम) द्वारा दो मनोरम व्याख्यान-प्रदर्शनों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 48 देशों के 48 राजनयिकों ने भाग लिया।

आतंकवाद निरोधक समिति की बैठक

भा.सां.सं.प. ने 29 अक्टूबर, 2022 को ताज पैलेस होटल, नई दिल्ली में छाऊ, कंटेम्पररी, बॉलीवुड और भारतीय लोक नृत्यों की एक विविध सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन किया। यह विशेष कार्यक्रम आतंकवाद विरोधी समिति की बैठक के अवसर पर विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित दिल्ली के अनिरुद्ध दास एंड ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव

भा.सां.सं.प. ने 1-3 नवंबर, 2022 तक रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य महोत्सव (एनटीडीएफ) में सहयोग किया। इस महोत्सव में राज्य का 22 वां स्थापना दिवस मनाया गया और इसमें रूस, मंगोलिया, टोगो, मोजाम्बिक, सर्बिया, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड, मालदीव और मिस्र के अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक समूह शामिल हुए।

काहिरा ओपेरा बैले समूह

भा.सां.सं.प. ने भारत में 31 अक्टूबर से 8 नवंबर, 2022 तक 22 सदस्यीय 'काहिरा ओपेरा बैले' समूह की मेजबानी की। उन्होंने नई दिल्ली, रायपुर, लखनऊ और मुंबई सहित भारत के विभिन्न शहरों में प्रदर्शन किया।

माननीय विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी 3 नवंबर, 2022 को कमानी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में द 'काहिरा ओपेरा बैले' कार्यक्रम का उद्घाटन करती हुई

3 नवंबर, 2022 को नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में मिस्र के
'काहिरा ओपेरा बैले' समूह द्वारा प्रदर्शन।

आईएफडीटी समापन समारोह

16 नवंबर, 2022 को, भा.सां.सं.प. ने एसएसआईएफएस द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल फोरम ऑन डिप्लोमैटिक ट्रेनिंग' की 48वीं वार्षिक बैठक के समापन समारोह के दौरान नई दिल्ली के होटल ताज पैलेस में सुश्री कविता द्विवेदी द्वारा नृत्य निर्देशन में किये गए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

भारत में रूसी संस्कृति का उत्सव

रूसी संघ के संस्कृति मंत्रालय के कला और लोक रचनात्मकता विभाग के सहयोग से, भा.सां.सं.प. ने सांस्कृतिक प्रदर्शन के लिए 20-30 नवंबर, 2022 के दौरान भारत में तीन रूसी सांस्कृतिक समूहों की मेजबानी की। इन समूहों ने "भारत में रूसी संस्कृति के महोत्सव" के रूप में दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में प्रदर्शन किया।

भा.सां.सं.प. ने विदेश मंत्रालय और गोवा राज्य सरकार के सहयोग से 3-6 दिसंबर, 2022 तक गोवा में 'अंतर्राष्ट्रीय लूसोफोन महोत्सव-2022' का आयोजन किया। 8 सीपीएलपी देशों : अंगोला, ब्राजील, केप वर्डे, इक्वेटोरियल गिनी, गिनी बिसाऊ, मोजाम्बिक, पुर्तगाल और तिमोर-लेस्ते के सांस्कृतिक समूहों के साथ-साथ सुश्री रानी खानम द्वारा कोरियोग्राफ की गई भारतीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। महोत्सव का उद्घाटन गोवा के माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत ने 3 दिसंबर, 2022 को राजभवन, डोना पाउला, गोवा में माननीय विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी की उपस्थिति में किया। 4-6 दिसंबर 2022 तक 'इंटरनेशनल लूसोफोन फेस्टिवल-2022' के बाकी दिनों में गोवा के विभिन्न स्थानों पर 8 सीपीएलपी देशों के समूहों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए।

दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय कला महोत्सव

भा.सां.सं.प. ने भारत में डोमिनिकन गणराज्य के दूतावास के सहयोग से आईसीडी कार्यक्रमों के तहत भारत का दौरा करने वाले डोमिनिकन गणराज्य के 6 सदस्यीय संगीत मंडली 'ला कैरिसाल्वे' की मेजबानी की। 16 दिसंबर, 2022 को 'दिल्ली इंटरनेशनल आर्ट फेस्टिवल' (डीआईएएफ) में प्रदर्शन के अलावा, समूह ने भा.सां.सं.प. के संबंधित जोनल कार्यालयों के तहत भारत के 2 अन्य शहरों यानी मुंबई और पुणे में प्रदर्शन किया। समूह को 11 दिसंबर, 2022 को कलाग्राम, चंडीगढ़ में उनके प्रदर्शन के लिए संस्कृति मंत्रालय के उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा भी मेजबानी की गई।

भा.सां.सं.प. ने 29-30 दिसंबर, 2022 तक डीआईएएफ-2022, नई दिल्ली में प्रदर्शन के लिए 27-31 दिसंबर, 2022 को गुरु रामली इब्राहिम (सूत्र फाउंडेशन) के नेतृत्व में 15 सदस्यीय मलेशियाई सांस्कृतिक मंडली की भी मेजबानी की।

भारत और वियतनाम के बीच राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ

भा.सां.सं.प. ने भारत में सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के दूतावास और वियतनाम के संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से 12 दिसंबर, 2022 को कमानी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में भारत और वियतनाम के बीच राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ का जश्न मनाते हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। दौरे पर आए 20 सदस्यीय 'वियत बेक लोक संगीत और नृत्य थिएटर' समूह ने 13 दिसंबर, 2022 को नई दिल्ली में वियतनाम के दूतावास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'वियतनाम कल्चरल स्पेस' ने महानिदेशक, भा.सां.सं.प., श्री कुमार तुहिन की उपस्थिति में शानदार प्रदर्शन किया।

प्रवासी भारतीय दिवस

मध्य प्रदेश राज्य सरकार की साझेदारी में 8-10 जनवरी, 2023 तक इंदौर में 17वें प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन किया गया। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर (बीसीसी) में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी भा.सां.सं.प. को सौंपी गई थी। भा.सां.सं.प. ने श्री मधुप मुदूल के नेतृत्व में 16-सदस्यीय 'गंधर्व गायन' समूह द्वारा रचित संस्कृत में एक थीम गीत भी प्रस्तुत किया, जिसे 9 जनवरी 2023 को इंदौर में भारत के माननीय प्रधान मंत्री की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह के दौरान लाइव बजाया गया था।

भा.सां.सं.प. ने एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया, जिसकी मेजबानी माननीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने की, जिसमें सुश्री जयलक्ष्मी ईश्वर और सुश्री अरूपा लाहिरी द्वारा कोरियोग्राफ की गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिसमें 60 भारतीय और 8 अंतर्राष्ट्रीय कलाकार (प्रतिभा संगम के विजेता) शामिल थे। 9 जनवरी 2023 को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर के लॉन में जापान, हंगरी, मलेशिया और श्रीलंका से भा.सां.सं.प. द्वारा शास्त्रीय प्रदर्शन कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, गुयाना के राष्ट्रपति ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों के साथ भाग लिया। इस अवसर पर भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे भी उपस्थित थे। भा.सां.सं.प. के विशेष रूप से क्यूरेटेड शो का विषय 'प्रगतिशील भारत' था जो प्रागैतिहासिक काल से भारत की वैज्ञानिक प्रगति और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के मूल्यों को दर्शाता है।

भा.सां.सं.प. ने 9 जनवरी 2023 बीसीसी, इंदौर में भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा आयोजित दोपहर के भोजन के दौरान श्री सत्येन्द्र सिंह सोलंकी (संतूर वादक) द्वारा और माननीय विदेश मंत्री द्वारा आयोजित रात्रिभोज में केडिया बंधुओं (सरोद और सितार) द्वारा एक शास्त्रीय वाद्य प्रदर्शन का आयोजन किया।

17वां प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी), इंदौर - सुश्री जयलक्ष्मी ईश्वर एवं समूह, 09 जनवरी, 2023

सांस्कृतिक कूटनीति बिम्सटेक देश

भा.सां.सं.प. ने काउंटर टेररिज्म एंड ट्रांसनेशनल क्राइम (जेडब्ल्यूजी-सी.टी.टी.एस) बैठक पर 10वें बिम्सटेक संयुक्त कार्य समूह के लिए भारत आने वाले बिम्सटेक देशों के प्रतिनिधियों के सम्मान में 12 जनवरी 2023 को होटल हयात रीजेंसी, नई दिल्ली में श्री ध्रुव बेदी (सितार) द्वारा एक वाद्य प्रदर्शन का आयोजन किया।

आसियान-भारत बाज़ार

भा.सां.सं.प. ने 14 जनवरी, 2023 को रॉयल थाई दूतावास नई दिल्ली में सुश्री राधिका मेनन और समूह (वंदे भारतम ट्रूप, जिन्हें सितंबर-2022 में स्विट्जरलैंड में प्रायोजित किया गया था) द्वारा एक मोहिनीअट्टम शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन प्रायोजित किया, आसियान-भारत मैत्री वर्ष की 30वीं वर्षगांठ मनाने के लिए आसियान-भारत बाजार कार्यक्रम आयोजित किया ।

हैदराबाद हाउस- मिस्र अरब गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति

भा.सां.सं.प. ने 25 जनवरी, 2023 को अरब गणराज्य मिस्र के माननीय राष्ट्रपति के सम्मान में भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा आयोजित दोपहर के भोजन के दौरान वाराणसी के श्री प्रभाष महाराज के नेतृत्व में महाराज तिकड़ी द्वारा सरोद, सितार और तबला के वाद्य प्रदर्शन का आयोजन किया।

भूटान की नेशनल असेंबली का प्रतिनिधिमंडल

भा.सां.सं.प. ने महामहिम श्री वांगचुक नामग्येल के नेतृत्व में भूटान की नेशनल असेंबली के दौरे पर आए। 6 फरवरी, 2023 को पार्लियामेंट एनेक्सी हॉल ऑडिटोरियम में संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में विधा लाल और समूह द्वारा एक विशेष रूप से क्यूरेटेड शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन 'सृजन' (विजय का नृत्य) का आयोजन किया।

महामहिम श्री वांगचुक नामग्येल के नेतृत्व में भूटान की नेशनल असेंबली के दौरे पर आए संसदीय प्रतिनिधि मंडल के सम्मान में 06 फरवरी, 2023 को पार्लियामेंट एनेक्सी हॉल ऑडिटोरियम में विधा लाल और समूह द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन। श्री वांगचुक नामग्येल की मेजबानी माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्रीओम बिड़ला ने की।

अंतर्राष्ट्रीय लैटिन देश (एलसी) सम्मेलन

भा.सां.सं.प. ने 20 फरवरी-1 मार्च, 2023 तक भारत के विभिन्न शहरों में सांस्कृतिक प्रदर्शनों की श्रृंखला के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो के 6 सदस्यीय 'फर्स्ट सिटीजन्स ड्रैगन बॉयज़ टासा बैंड' की मेजबानी की। समूह को अंतर्राष्ट्रीय एलएसी सम्मेलन के भाग के रूप में आमंत्रित किया गया था - "कनेक्टेड हिस्ट्रीज़, साझा प्रस्तुतियाँ, लैटिन अमेरिका, कैरेबियन और भारत के बीच ट्रांस-सांस्कृतिक अनुभव" इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), नई दिल्ली द्वारा सह-आयोजित किया गया। 21 फरवरी, 2023 को आईआईसी, नई दिल्ली में प्रदर्शन के अलावा, समूह ने लखनऊ, गुवाहाटी और पटना में भी प्रदर्शन किया।

21 फरवरी, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय एलएसी सम्मेलन के दौरान इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), नई दिल्ली में त्रिनिदाद और टोबैगो के "फर्स्ट सिटीजन्स ड्रैगन बॉयज़ टासा बैंड" द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन: "कनेक्टेड इतिहास, साझा प्रस्तुतियाँ, लैटिन अमेरिका, कैरेबियन और भारत के बीच ट्रांस-सांस्कृतिक अनुभव" '

परिषद ने अंतरराष्ट्रीय एलएसी सम्मेलन के हिस्से के रूप में 21 फरवरी से 1 मार्च, 2023 तक भारत के विभिन्न शहरों में सांस्कृतिक प्रदर्शनों की श्रृंखला के लिए पनामा के 7 सदस्यीय लोकगीत समूह 'राइसेस सैंटेनास' की भी मेजबानी की। समूह ने भारत और पनामा के बीच राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 22 फरवरी, 2023 को आईआईसी, नई दिल्ली में और 24 फरवरी, 2023 को भा.सां.सं.प. ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय एलएसी सम्मेलन में प्रदर्शन किया। दिल्ली के अलावा, समूह ने 27 फरवरी, 2023 को मुंबई में एनसीपीए, टाटा थिएटर में भी प्रदर्शन किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई)

भा.सां.सं.प. ने 127 मिशनों और 49 पोस्टों के माध्यम से 178 देशों में 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2022 के जश्न की सुविधा प्रदान की। इसके अलावा, आईडीवाई-2022 के उत्सव के हिस्से के रूप में 53 मिशनों/पोस्टों के माध्यम से एक विशेष परियोजना/कार्यक्रम "ग्लोबल योगा रिंग" भी आयोजित किया गया था।

भा.सां.सं.प.
जी-20 में भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन

जी-20 की अध्यक्षता में विश्व नेताओं और प्रतिनिधियों को भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए भा.सां.सं.प. को एक अनूठा और अभूतपूर्व मंच प्रदान किया।

भा.सां.सं.प. को जी-20 के सांस्कृतिक कार्यक्रम की जिम्मेदारी उठाने का विशेषाधिकार प्राप्त हुआ। इस दौरान देश भर में 60 से अधिक स्थानों पर 17000 से अधिक कलाकारों को शामिल करते हुए 300 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

सभी कार्यक्रम प्रदर्शन कला, दृश्य कला, हस्तशिल्प और सजावट के अन्य प्रदर्शनों के रूप में थे, जिन्हें उदयपुर में सिटी पैलेस, कर्नाटक में हम्पी विरासत स्थल, मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया, स्टैच्यू ऑफ यूनिटीकेवडिया आदि जैसे प्रतिष्ठित स्थानों पर प्रदर्शित किया गया था, जो न केवल समृद्ध संस्कृति को दर्शाते हैं, बल्कि समकालीन वैश्विक चुनौतियों के माध्यम से दुनिया के लिए एक मार्गदर्शक आवाज के रूप में भविष्य की ओर भारत के विकास मार्ग को भी दर्शाते हैं। अंतर-सांस्कृतिक समझ और रचनात्मक तालमेल को बढ़ावा देने के लिए भारत के प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में जी-20 सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए।

भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्

भा.सां.सं.प. प्रदर्शनियाँ

कंटेम्पररी और पारंपरिक कला, लोक और आदिवासी कला, कपड़ा, सिरेमिक कला आदि सहित भारत के समृद्ध और विविध दृश्य कला रूपों को बढ़ावा देने के लिए, भा.सां.सं.प. द्विपक्षीय और बहुपक्षीय प्रदर्शनियों का आयोजन करता है। दृश्य कला के क्षेत्र में भा.सां.सं.प. के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, भा.सां.सं.प. ने वर्ष 2022-23 में 10 प्रदर्शनियों का आयोजन किया।

मिस्टर क्रिसोबल गैबरोन द्वारा 'द हेड ऑफ द जाइंट' पेंटिंग प्रदर्शनी

मिस्टर क्रिसोबल गैबरोन की "द हेड ऑफ द जाइंट" पेंटिंग प्रदर्शनी का आयोजन कलमकार गैलरी, बीकानेर हाउस में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन 27 अप्रैल, 2022 को हुआ और यह 5 मई, 2022 तक जनता के देखने के लिए खुली रही।

बांग्लादेश से रोकेया सुल्ताना की कलाकृति की पूर्वव्यापी प्रदर्शनी

बंगाल फाउंडेशन, बांग्लादेश के सहयोग से, भा.सां.सं.प. ने ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में रोकेया सुल्ताना की कलाकृतियों की एक पूर्वव्यापी प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा किया गया था, प्रदर्शनी 6 जून, 2022 को और 7 जून से 26 जून, 2022 तक जनता के लिए खुला था। इसे 7 जुलाई से 20 जुलाई, 2022 तक आर्ट गैलरी, रवीन्द्रनाथ टैगोर सेंटर, भा.सां.सं.प., कोलकाता में भी आयोजित किया गया था।

थाईलैंड से कपड़ा प्रदर्शनी

थाईलैंड दूतावास, नई दिल्ली के सहयोग से 20-22 जून तक वाराणसी में और 25-26 जून, 2022 को कोलकाता में एक कपड़ा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

पेंटिंग प्रदर्शनी 75वीं वर्षगांठ: भारत-थाई मित्रता का एक चित्र

समकालीन कला प्रदर्शनी 75वीं वर्षगांठ: भारत और थाईलैंड के बीच 75 साल की मैत्री के अवसर को चिह्नित करने के लिए नई दिल्ली स्थित थाईलैंड दूतावास के सहयोग से कंटेम्पररी कला की एक पोर्ट्रेट ऑफ इंडो-थाई फ्रेंडशिप प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। प्रदर्शनी का उद्घाटन 20 अगस्त 2022 को ललित कला अकादमी में थाईलैंड की राजदूत सुथी पट्टारत होंगटोंग और भा.सां.सं.प. के महानिदेशक श्री कुमार तुहिन ने किया और 31 अगस्त 2022 तक जनता के देखने के लिए रखा। थाईलैंड से 75 कृतियाँ और भारत की ओर से 25 पेंटिंग्स को भारत से कुमार विकास सक्सेना और थाईलैंड से प्रिंसेस सिरिंधोर्न आर्ट सेंटर के क्यूरेटर द्वारा क्यूरेट किया गया था। उद्घाटन में बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित थे जिन्हें प्रिंट और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रशंसा मिली।

कला पुर्तगाल के श्री पेड्रो वाज़ के लिए रेजीडेंसी कार्यक्रम और प्रदर्शनी

ललित कला अकादमी, नई दिल्ली के कला कुटीर गढ़ी क्षेत्रीय केंद्र के सहयोग से 31 अगस्त 2022 को इंटरैक्टिव सत्र 'आर्टिस्ट इन आर्ट' के साथ पुर्तगाल के श्री पेड्रो वाज़ के लिए एक आर्ट इज़ रेजीडेंसी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कलाकार ने 16 सितंबर 2022 तक कई कलाकृतियाँ बनाईं। रेजीडेंसी कार्यक्रम के दौरान श्री पेड्रो वाज़ द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी पुर्तगाल दूतावास, नई दिल्ली के सहयोग से भा.सां.सं.प. आर्ट गैलरी में आयोजित की गई थी। प्रदर्शनी का उद्घाटन 16 सितंबर 2022 को राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा किया गया था और 17-30 सितंबर, 2022 तक जनता के देखने के लिए था। इस कार्यक्रम में उल्लेखनीय कलाकारों और कला प्रेमियों के अलावा विभिन्न देशों के राजदूतों ने भाग लिया।

अल साल्वाडोर से श्री रोडोल्फो वेगा ओविदो द्वारा पेंटिंग प्रदर्शनी

अल साल्वाडोर के श्री रोडोल्फो वेगा ओविएडो की एक पेंटिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा 9 सितंबर 2022 को आईजीएनसीए गैलरी में किया गया। इसका आयोजन अल साल्वाडोर दूतावास, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया था, जिसमें विभिन्न देशों के राजदूतों, मीडिया और प्रतिष्ठित हस्तियों सहित बड़ी संख्या में कला प्रेमियों ने भाग लिया।

क्यूबा से पेंटिंग प्रदर्शनी और शालू चोपड़ा द्वारा लिखित वीवा लैटिनो 3 की पुस्तक का विमोचन

क्यूबा दूतावास, नई दिल्ली के सहयोग से क्यूबा पेंटिंग की प्रदर्शनी और विवा लेटिनो 3 (भारत में क्यूबा भाषा का अध्ययन) की पुस्तक का विमोचन राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा 27 अक्टूबर 2022 को भा.सां.सं.प. आर्ट गैलरी में किया गया। जनता के देखने के लिए प्रदर्शनी 28 अक्टूबर से 6 नवंबर 2022 तक प्रदर्शित की गई। उद्घाटन में राजनयिकों और कला प्रेमियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

पेंटिंग प्रदर्शनी 2.0 और मैड (इ) इनइंडिया के लेखकों के साथ बातचीत

प्रदर्शनी भारत 2.0 का उद्घाटन 16 नवंबर, 2022 को भा.सां.सं.प. आर्ट गैलरी, नई दिल्ली में महानिदेशक, भा.सां.सं.प. द्वारा किया गया। यह 17-23 नवंबर, 2022 तक जनता के देखने के लिए खुला था। इस कार्यक्रम के बाद मैड (ई) इन इंडिया की लेखिका सुश्री सौम्या गुप्ता और सुश्री तारिका राँय के साथ बातचीत हुई। (यह प्रदर्शनी 17 जून, 2022 को मलेशियाई विदेश मंत्री की यात्रा के लिए प्रदर्शित की गई।

मिस्र से पेंटिंग प्रदर्शनी

मिस्र की तस्वीरों और मूर्तियों की प्रदर्शनी का उद्घाटन 29 नवंबर, 2022 को आईजीएनसीए गैलरी, नई दिल्ली में अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. द्वारा किया गया। प्रदर्शनी 30 नवंबर से 4 दिसंबर 2022 तक जनता के देखने के लिए खुली थी।

विदेश में लगाई प्रदर्शनी

भा.सां.सं.प. ने 11-18 दिसंबर, 2022 तक 75वीं वर्षगांठ: इंडो-थाई फ्रेंडशिप का एक पोर्ट्रेट का जश्न मनाने वाली प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए क्यूरेटर श्री कुमार विकास सक्सेना की थाईलैंड यात्रा को प्रायोजित किया। प्रदर्शनी का आयोजन लोई में प्रिंसेस महा चक्री सिरिंडहॉर्न आर्ट सेंटरप्रांत, थाईलैंड द्वारा किया गया और भारत में 20-31 अगस्त, 2022 तक इसी तरह की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

भा.सां.सं.प.
बस्ट और मूर्ति

भा.सां.सं.प. भारतीय मिशनों और पोस्टों के माध्यम से अन्य देशों में औपचारिक स्थापना के लिए भारतीय प्रतीकों और राष्ट्रीय नेताओं की मूर्तियाँ और प्रतिमाएं उपहार में देता है। भारत के राष्ट्रीय नेताओं को प्रमुखता से प्रदर्शित करने के लिए इन प्रतिमाओं और मूर्तियों को विभिन्न देशों में प्रतिष्ठित स्थानों पर स्थापित किया गया है। भारतीय मिशन और पोस्ट स्थानीय दर्शकों को दुनिया में भारतीय आइकन और राष्ट्रीय नेताओं के योगदान के बारे में जानकारी देने के लिए ऐसे स्थानों पर नियमित रूप से औपचारिक समारोह आयोजित करते हैं। 2022-23 में भेजी गई ऐसी प्रतिमाओं और मूर्तियों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	देश का नाम	बस्ट/स्टेचू का विवरण
1.	कजाखस्तान	महात्मा गांधी की प्रतिमा
2.	वियतनाम	गुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा
3.	बोल्विया	महात्मा गांधी की प्रतिमा
4.	म्यांमार	लोकमान्य बाल गंगाधर की प्रतिमा
5.	मेक्सिको	बस्ट ऑफ़ डॉ. पांडुरंग खानखोजे एंड स्टेचू ऑफ़ स्वामी विवेकानंद
6.	स्पेन	गुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा
7.	यूएई	महात्मा गांधी की प्रतिमा
8.	ग्वाटेमाला सिटी	महात्मा गांधी की दो प्रतिमा
9.	ओमान	महात्मा गांधी की प्रतिमा
10.	मलेशिया	नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा
11.	नीदरलैंड	स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा
12.	ओसाका कोबे जापान	बोधी सेना की तीन प्रतिमा
13.	मेक्सिको, बेलीज़	महात्मा गांधी की प्रतिमा
14.	मोका, मोर्सिस्स	स्टेचू ऑफ़ छत्र पति शिवजी महाराज

भा.सां.सं.प.
अध्ययन पीठ

भा.सां.सं.प. विदेश में भारतीय मिशनों के परामर्श से भारतीय अध्ययन और भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए भारतीय अध्ययन पीठों की स्थापना करता है। ये पीठ अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, बौद्ध अध्ययन, संस्कृत, हिंदी, उर्दू, तमिल, बंगाली और नृत्य और संगीत जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला में हैं। ये पीठ उनके अनुरोध पर दुनिया भर के विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में स्थापित किये गए। इन पीठों का उद्देश्य छात्रों को भारतीय इतिहास और संस्कृति के बारे में परिचित कराना है ताकि एक स्थानीय केंद्र बनाया जा सके जिसके आस-पास विदेशों में शैक्षणिक संस्थानों में भारतीय अध्ययन और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जा सके। अध्ययन पीठ न केवल भारत के विभिन्न पहलुओं पर पाठ्यक्रम पढ़ाते हैं, बल्कि चयनित देश को भारत के बारे में जागरूकता पैदा करने और भारत से संबंधित विभिन्न मुद्दों की बेहतर समझ की सुविधा प्रदान करने के लिए अनुसंधान मार्गदर्शन, सेमिनार, प्रकाशन, सार्वजनिक व्याख्यान आदि जैसी अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का भी समर्थन करते हैं।

परिषद द्वारा अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं।

प्रचालन पीठों की सूची:

क्र. सं.	देश	विश्वविद्यालय	विषय
1.	आइसलैंड	आइसलैंड विश्वविद्यालय	भारतीय अध्ययन
2.	जमैका	वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय	भारतीय अध्ययन
3.	जर्मनी	हनोवर विश्वविद्यालय	भारतीय अध्ययन
4.	कंबोडिया	पीएसआरबी विश्वविद्यालय	संस्कृत एवं बौद्ध अध्ययन
5.	क्रोएशिया	जाग्रेब विश्वविद्यालय	संस्कृत
6.	हांगकांग	हांगकांग चीनी विश्वविद्यालय	भारतीय अध्ययन
7.	बुल्गारिया	सोफिया विश्वविद्यालय	हिंदी

इस अवधि के दौरान विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ हस्ताक्षरित/नवीनीकृत समझौता ज्ञापन

क्रम संख्या	विश्वविद्यालय	देश
(i)	अलबर्टा विश्वविद्यालय	कनाडा
(ii)	कैलगरी विश्वविद्यालय	कनाडा
(iii)	कॉनकॉर्डिया विश्वविद्यालय	कनाडा
(iv)	साइमन फ्रेज़र विश्वविद्यालय	कनाडा
(v)	लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय	नेपाल
(vi)	काठमांडू विश्वविद्यालय	नेपाल
(vii)	सीएनएएस, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी	नेपाल
(viii)	सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय	रूस
(ix)	धम्मासैट विश्वविद्यालय	थाईलैंड
(x)	बर्मिघम सिटी यूनिवर्सिटी	यूके
(xi)	सबरागामुवा विश्वविद्यालय	श्रीलंका
(xii)	ह्यूस्टन विश्वविद्यालय	यूएसए
(xiii)	कतर विश्वविद्यालय	कतर
(xiii)	पीएसआरबी विश्वविद्यालय	कंबोडिया
(xiv)	वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय	जमैका
(xv)	ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	तजाकिस्तान
(xvi)	महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट	मॉरीशस
(xvii)	मॉरीशस सनातन धर्म मंदिर महासंघ	मॉरीशस
(xviii)	आइसलैंड विश्वविद्यालय	आइसलैंड

नेपाल में भा.सां.सं.प. अध्ययन पीठ

भारत और नेपाल ने नेपाल में पीठ स्थापित करने के लिए 16 मई, 2022 को तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं।

ये समझौता ज्ञापन हैं:

1. बौद्ध अध्ययन के लिए डॉ. अंबेडकर पीठ की स्थापना पर भा.सां.सं.प. और लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन। अध्ययन पीठ पद पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से डॉ. विमलेंद्र कुमार को नियुक्त किया गया है।

2. भारतीय अध्ययन के लिए भा.सां.सं.प. पीठ की स्थापना पर भा.सां.सं.प. और सीएनएएस, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन। जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से डॉ. कौशिकी को अध्ययन पीठ के लिए नियुक्त किया गया है।

3. भारतीय अध्ययन के लिए भा.सां.सं.प. पीठ की स्थापना पर भा.सां.सं.प. और काठमांडू विश्वविद्यालय (केयू) के बीच समझौता ज्ञापन। अध्ययन पीठ के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से डॉ. संगीता थपलियाल को नियुक्त किया गया है।

बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी, यूके में भा.सां.सं.प. अध्ययन पीठ

यूके के प्रधानमंत्री की भारत की आधिकारिक यात्रा के दौरान 22 अप्रैल, 2022 को भा.सां.सं.प. और बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी के बीच हस्ताक्षरित 'भारतीय अध्ययन पीठ' पर एक समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। यह भारत और ब्रिटेन के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

भा.सां.सं.प. और अल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भा.सां.सं.प. और अलबर्टा विश्वविद्यालय ने भारतीय अध्ययन अध्ययन पीठ की स्थापना के लिए हस्ताक्षर किये हैं। समझौते पर मई 2022 में ओटावा और कनाडा में भारत के उच्चायुक्त श्री अजय बिसारिया और अल्बर्टा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष और कुलपति, प्रोफेसर बिल फ्लानगन द्वारा हस्ताक्षर किये गए।

भा.सां.सं.प. और कैलगरी विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

वैंकूवर में भारत के महावाणिज्य दूत श्री मनीष ने कला संकाय में भारतीय अध्ययन पीठ स्थापित करने के लिए 29 जून, 2022 को भा.सां.सं.प. की ओर से कैलगरी विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। कैलगरी विश्वविद्यालय से, उपाध्यक्ष (अनुसंधान) डॉ. विलियम घाली ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। कैलगरी विश्वविद्यालय भारतीय अध्ययन पीठ पाने वाला कनाडा का चौथा विश्वविद्यालय बन गया। भारतीय अध्ययन के लिए भा.सां.सं.प. चेयर की स्थापना से भारत और कनाडा के बीच शैक्षिक सहयोग और अकादमिक आदान-प्रदान और गहरा होगा।

भा.सां.सं.प.और ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

ह्यूस्टन विश्वविद्यालय ने तमिल भाषा, साहित्य और संस्कृति पर अपने शिक्षण और अनुसंधान का विस्तार करने के लिए भारत सरकार के साथ साझेदारी की है। विश्वविद्यालय और भा.सां.सं.प. ने भारतीय अध्ययन अध्ययन पीठ की स्थापना के लिए 29 मार्च, 2023 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये, यह अध्ययन पीठ तमिल अध्ययन में विशेषज्ञता वाले भारत के एक विजिटिंग विद्वान द्वारा संचालित की जाएगी।

भा.सां.सं.प. और वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, जमैका द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

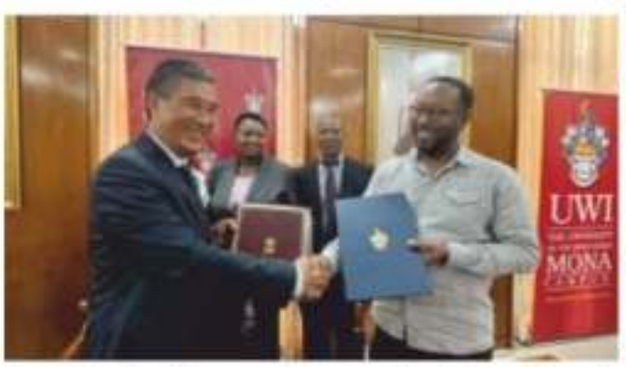

वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय और भा.सां.सं.प. ने भारतीय दर्शनशास्त्र के अध्ययन पीठ की स्थापना के लिए 29 मार्च, 2023 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। भा.सां.सं.प. ने वर्तमान में, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बालगणपति देवरकोंडा को भारतीय अध्ययन के लिए अध्ययन पीठ में नियुक्त किया।

भा.सां.सं.प.
सम्मेलन एवं सेमिनार

भारत सरकार के सांस्कृतिक कूटनीति उद्देश्यों को पूरा करने की दृष्टि से भा.सां.सं.प. इंडोलॉजी, बौद्ध धर्म, सूफीवाद, टैगोर और भारतीय संस्कृति, दर्शन और समाज से संबंधित अन्य विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करता है।

इन सम्मेलनों ने भा.सां.सं.प. को भारत की महान सांस्कृतिक और शैक्षिक प्रगति को बढ़ावा देने के अपने अधिदेश को पूरा करने में मदद की है । ये सम्मेलन बहुत उपयोगी और संवादात्मक साबित होते हैं क्योंकि ये प्रख्यात भारतीय विद्वानों और अन्य अंतरराष्ट्रीय विद्वानों को एक ही मंच पर लाते हैं।

भा.सां.सं.प. ने फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे के सहयोग से "भारतीय सिनेमा और सॉफ्ट पावर' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक श्री शेखर कपूर ने 3 मई 2022 को राजभवन में महाराष्ट्र के राज्यपाल, श्री भगतसिंह कोश्यारी और अध्यक्ष, भा.सां.सं.प., डॉ. विनय सहस्रबुद्धे की गरिमामयी उपस्थिति में किया। उद्घाटन सत्र के बाद एक पैनल चर्चा हुई । सेमिनार का दूसरा दिन 4 मई 2022 को फिल्म डिवीजन, मुंबई में एक पैनल चर्चा के साथ आयोजित किया गया और इसका समापन माननीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर की समापन संदेश (वस्तुतः) के साथ हुआ।

भा.सां.सं.प. ने गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर रूट 2 रूट्स के सहयोग से भारतीय प्रवासी और पूर्व विदेशी छात्रों के बीच 9 मई, 2022 से 1 जनवरी, 2023 तक विभिन्न आयु वर्ग के लिए अलग-अलग थीम के तहत "अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण प्रतियोगिता" शुरू किया।

भा.सां.सं.प.ने विश्व संस्कृति दिवस को चिह्नित करने के लिए "भारत की सॉफ्ट पावर के रूप में शिल्प परंपराएं" विषय पर 5वें पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल ओरेशन 2022 का भी आयोजन किया, जिसके बाद 21 मई, 2022 को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) सभागार तीन मूर्ति भवन नई दिल्ली में मधुर पडबाल के नेतृत्व में फोक्स वैगन समूह द्वारा एक अद्वितीय भारतीय लोक संगीत प्रदर्शन किया गया। मुख्य भाषण अध्यक्ष भा.सां.सं.प. और महानिदेशक भा.सां.सं.प. की गरिमामयी उपस्थिति में श्रीमती जया जेटली द्वारा दिया गया। जेन-नेक्स्ट डिस्टिंग्विश्ड विजिटर्स प्रोग्राम के तहत भारत आने वाले विभिन्न देशों के सांसदों को भी आमंत्रित किया गया था।

स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान समतिहाना (एस-व्यासा) विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, भारतीय दूतावास, सियोल और बोंकवॉग डिजिटल विश्वविद्यालय के सहयोग से "योग & नेचुरल हेल्थ केयर फॉर कोविड पान्डेमिक: फ्रॉम प्रिवेंशन टू लॉन्ग टर्म रिहैबिलिटेशन" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 25-26 जून, 2022 के दौरान आयोजित किया गया। सेमिनार में व्यक्तिगत स्वच्छता, शारीरिक और मानसिक कल्याण, आहार और मनोसामाजिक परामर्श और कोविड महामारी सहित योग-आधारित जीवन शैली के बीच संबंधों को संबोधित किया गया। सियोल सम्मेलन में भारत, जापान, सऊदी अरब और स्विट्जरलैंड देशों के योग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून, 2022 को केंद्रीय विदेश मंत्री की उपस्थिति में पुराना किला, नई दिल्ली में "योग फॉर ह्यूमैनिटी" विषय पर किया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों और राजनयिक कोर के सदस्यों ने भाग लिया। भा.सां.सं.प. ने प्रतिष्ठित बौद्ध विद्वान कार्यक्रम के तहत कोयासन विश्वविद्यालय, ओसाका-कोबे (जापान) के 20 सदस्यीय बौद्ध प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल ने भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष से मुलाकात की और ग्रेटर नोएडा में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन केंद्र का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने 5 से 15 नवंबर, 2022 तक भारत के विभिन्न प्रमुख बौद्ध स्थलों जैसे महाराष्ट्र में अजंता और एलोरा, भुवनेश्वर, ओडिशा में धौली स्तूप, बिहार में राजगीर, नालंदा और बोध गया का भी दौरा किया।

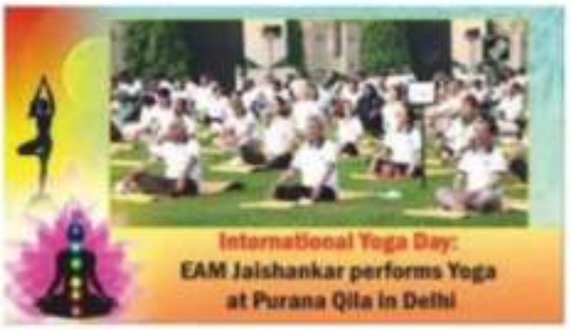

17वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन 2023 के भाग के रूप में "लेवेरेजिंग द सॉफ्ट पावर ऑफ़ इंडिया गुडविल थ्रू क्राफ्ट कुइजीन एंड क्रिएटिविटी" पर पूर्ण सत्र 8-10 जनवरी, 2023 के दौरान इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया था। विदेश एवं सांस्कृतिक राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जिसमें बहरीन, मैड्रिड, मॉरीशस, नाइजीरिया, नेपाल और स्पेन के डोमेन विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।

"भारत की सॉफ्ट पावर का लाभ उठाना शिल्प, व्यंजन और उपकरण के माध्यम से संगतना" सत्र के दौरान प्रतिभागी

भा.सां.सं.प. रियाद, सैन फ्रांसिस्को, बगदाद, बहरीन, दोहा, कुवैत सिटी, मिन्स्क, अंकारा, बुखारेस्ट, निकोसिया, एथेंस, अबू धाबी, मस्कट और भारतीय मिशनों के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित वक्ता श्रीमती शोभना राधाकृष्ण ने राष्ट्रीय एकता दिवस और सरदार वल्लभभाई पटेल की 147वीं जयंती मनाने के लिए अकाम समारोह के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व पर वर्चुअल कथन और ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

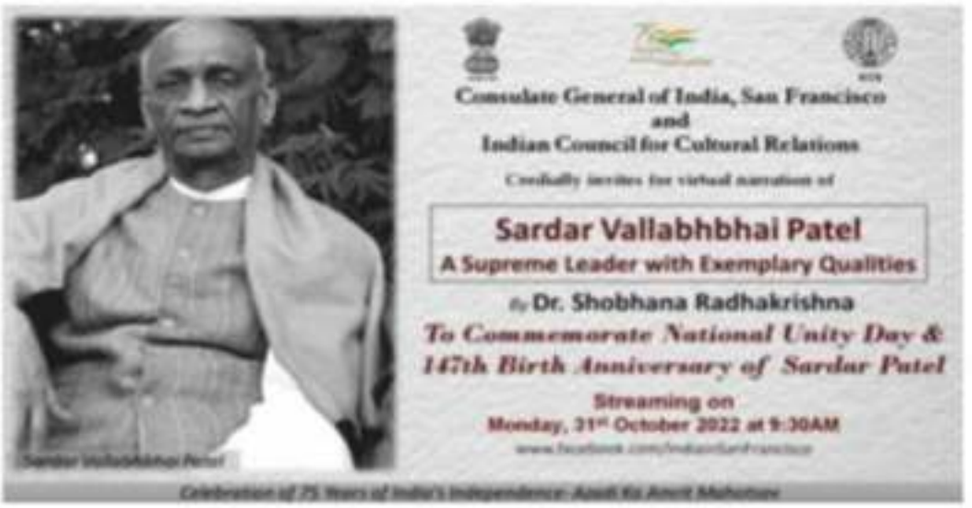

भा.सां.सं.प. ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सहयोग से 17-18 मार्च, 2023 को सुषमा स्वराज भवन, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में "भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर राष्ट्रीय सम्मेलन' का आयोजन किया। विदेश मंत्री ने मुख्य भाषण दिया। दो दिवसीय सम्मेलन में एफएस, उप एनएसए, सचिव (पश्चिम), अध्यक्ष, भा.सां.सं.प., महानिदेशक भा.सां.सं.प. के साथ तकनीकी सत्र और एक इंटरैक्टिव पूर्ण सत्र शामिल था। भारत की विदेश नीति, भारत की जी20 अध्यक्षता, भारत की सॉफ्ट पावर की ताकत पर निर्माण, रणनीतिक साझेदारी और आर्थिक संबंध आदि जैसे विषयों पर चर्चा हुई। केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभागों ने भी सम्मेलन में भाग लिया। विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क आदि के विजेताओं द्वारा बनाई गई एक लघु फिल्म "वसुधैव कुटुंबकम: वर्ल्ड ऐज़ माई फ़ैमिली" लॉन्च की।

फैलोशिप

भा.सां.सं.प. ने अगस्त 2022-23 तक कोलकाता में रवीन्द्र भारत विश्वविद्यालय की गुरु सुश्री बिसाखा गोस्वामी के मार्गदर्शन में जर्मनी के श्री कार्स्टन विकी को संगीत की उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान फ़ेलोशिप से सम्मानित किया।

भा.सां.सं.प. ने "मध्यकालीन भारत: सल्तनत, मुगल, सिख गुरु, भक्ति संत, ईसाई धर्म, सूफीवाद" विषय पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा से शोध करने के लिए मॉरीशस के प्रोफेसर रामधोनी धनवंती रेशमी को वरिष्ठ फेलोशिप प्रदान किया।

भा.सां.सं.प. ने कजाकिस्तान की प्रोफेसर लॉरा येरकेशेव को नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट ऑफ हिस्ट्री ऑफ आर्ट, कंजर्वेशन एंड म्यूजियोलॉजी, नई दिल्ली से "प्राचीन और प्रारंभिक मध्य एशिया और भारत के बीच कला और सांस्कृतिक मिलन" पर शोध करने के लिए वरिष्ठ फेलोशिप से सम्मानित किया।

भा.सां.सं.प. ने अक्टूबर 2022 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से "भारत की ध्रुपद शास्त्रीय संगीत परंपराओं" पर अपना शोध करने के लिए पीटर पैनके को सीनियर फ़ेलोशिप से सम्मानित किया।

विदेश जाने वाले आगंतुक कार्यक्रम (ओवीपी)

i. भा.सां.सं.प. ने मई 2022 में वलाडोलिड विश्वविद्यालय में एक शिक्षक के रूप में "टैगोर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लेने के लिए प्रोफेसर अमृत सेन और श्री सोमजीतदास गुप्ता की यात्रा की सुविधा प्रदान की।

ii. भा.सां.सं.प. ने मई 2022 से काली सारा उत्सव और रोमा समुदाय से संबंधित अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए श्री ज़मीर अनवर, एआरएसपी को नई दिल्ली से फ्रांस और सोफिया की यात्रा की सुविधा प्रदान की।

iii. भा.सां.सं.प. ने जून 2022 में एक पुस्तक लॉन्च कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ललित कला अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. सुधाकर शर्मा की मास्को और समारा यात्रा की सुविधा प्रदान की।

iv. भा.सां.सं.प. ने जुलाई 2022 में आज़ादी का अमृत महोत्सव (अकाम) के तहत भारत और पोलैंड के बीच संबंधों का जश्न मनाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जामनगर और कोहलापुर के 4 महाराजाओं/वंशजों और उनके नामांकितों को पोलैंड की यात्रा की सुविधा प्रदान की।

v. भा.सां.सं.प. ने अगस्त 2022 में आउटगोइंग विजिटर्स प्रोग्राम (ओवीपी) के तहत भारतीय शास्त्रीय संगीत, रागों और इसकी परंपराओं पर व्याख्यान सह प्रदर्शनों की श्रृंखला में भाग लेने के लिए डॉ. भरत मोहन बलवल्ली की यूएसए यात्रा की सुविधा प्रदान की।

vi. भा.सां.सं.प. ने श्री अमरजीवा लोचन की अगस्त 2022 में कुआलालंपुर में बौद्ध धर्म पर व्याख्यान की श्रृंखला में भाग लेने के लिए यात्रा की सुविधा प्रदान की।

vii. भा.सां.सं.प. ने सितंबर 2022 में एडम मिकीविक्ज़ विश्वविद्यालय, पोलैंड में आधुनिक हिंदी कार्यशाला में भाग लेने के लिए हिंदी कविता के लिए 2020 साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्तकर्ता सुश्री अनामिका को यात्रा की सुविधा प्रदान की।

viii. भा.सां.सं.प. ने 2 विद्वानों प्रो. नीलुफर ई. बरूचा, निदेशक, मुंबई और डॉ. वी. सेल्वाकुमार, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, समुद्री इतिहास और समुद्री पुरातत्व विभाग, हिंद महासागर अध्ययन केंद्र, तमिल विश्वविद्यालय, तंजावुर की अक्टूबर 2022 में "भारत तंजानिया संबंधों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में भागीदारी के लिए तंजानिया यात्रा की सुविधा प्रदान की।

ix. भा.सां.सं.प. ने भारतीय थिंक काउंसिल के सहयोग से 14 से 16 अक्टूबर, 2022 तक गांधीनगर, गुजरात में एक सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था कॉन्क्लेव (सीईसी-22) का आयोजन किया। भा.सां.सं.प. ने बिम्सटेक और आसियान क्षेत्र से 03 विदेशी वक्ताओं की अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा प्रदान करके कॉन्क्लेव का समर्थन किया है।

x. भा.सां.सं.प. ने सुश्री नतालिया बेलचेंको की पुस्तक लॉन्च कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना सुश्री प्रतिभा जना सिंह की रूस यात्रा की सुविधा प्रदान की, जिसका शीर्षक था "डी अब्सोल्युट ऑफ़ डी वन बिगनिंग एंड डी अब्सोल्युट ऑफ़ इनफिनिट डिफ्रेंशिएशन; हिन्दू टेम्पल एस एन इमेज ऑफ़ डांसिंग डीटी"। उन्होंने सितंबर 2022 में येकातेरिनबर्ग रूस में कार्यशाला, सेमिनार और संगीत कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

भा.सां.सं.प.
आगंतुक कार्यक्रम

भा.सां.सं.प. विभिन्न कार्यक्रमों का प्रबंधन करता है जिसके तहत यह एक निश्चित अवधि के लिए विदेश के प्रतिष्ठित हस्तियों की मेजबानी करता है। ये कार्यक्रम विभिन्न उपकरणों के माध्यम से अन्य देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देते हैं जिनमें लोगों से लोगों का संपर्क शामिल होता है।

इन कार्यक्रमों में विभिन्न प्रकार के सत्र भी शामिल हैं जैसे व्याख्यान, राउंड टेबल चर्चा, मंत्रियों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, प्रमुख बुद्धिजीवियों आदि के साथ बैठकें, साथ ही सांस्कृतिक और शैक्षिक महत्व के स्थानों का दौरा।

विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के तहत, परिषद भारत में संस्थानों और दर्शकों के साथ भारतीय संस्कृति का अनुभव करने और बातचीत करने के लिए नोबेल पुरस्कार विजेताओं, संसद सदस्यों, पूर्व प्रधानमंत्रियों, नौकरशाहों, थिंक-टैंक, राजनीति, कला और संस्कृति के क्षेत्र में प्रसिद्ध हस्तियों को विदेशों से भारत दौरे की सुविधा प्रदान करती है। थिंक-टैंक और सांस्कृतिक संस्थानों के प्रमुख प्रतिनिधियों को भी अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने और विशेषज्ञता के क्षेत्र में भारतीय नेताओं से मिलने के साथ-साथ भारत में विकास के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम 2022-23 (11-21 अप्रैल, 2022) के तहत इराक के कुर्दिस्तान में सुलेमानिया के गवर्नर श्री हवल अबुबकर और उनके साथी की भारत यात्रा।

विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम 2022-23 (25 अप्रैल- 3 मई, 2022) के तहत स्पेन के प्रसिद्ध कलाकार श्री क्रिस्टोबल गैबरो की भारत यात्रा।

भा.सां.सं.प. के अध्यक्ष के साथ श्री क्रिस्टोबल गैबरॉन

विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम 2022-23 के तहत टोगो के उच्च शिक्षा मंत्री प्रो. मैजेस्टे इहौ बाटेबाटो का दौरा (2-11 अक्टूबर, 2022)

भा.सां.सं.प. के महानिदेशक के साथ टोगो के उच्च शिक्षा मंत्री प्रोफेसर मेजेस्टे इहौ बाटेबाटो

विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम के तहत 3-11 मार्च 2023 तक केन्या के सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश और अध्यक्ष लेडी जस्टिस मार्था करम्बू कूम की यात्रा

केन्या के सर्वोच्च न्यायालय के 6 न्यायाधीश अपने मुख्य न्यायाधीश सुश्री मार्था कूम के नेतृत्व में अध्यक्ष, भा.सां.सं.प., डॉ. विनय सहस्रबुद्धे और महानिदेशक, भा.सां.सं.प., श्री कुमार तुहिन से मुलाकात की

गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद पी सावंत ने ताज कन्वेंशन, गोवा में केन्या की माननीय मुख्य न्यायाधीश सुश्री मार्था के कूनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया

केन्या की माननीय मुख्य न्यायाधीश सुश्री मार्था कूम ने भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, श्री धनंजय चंद्रचूड़ से मुलाकात की

क्रोएशिया के पूर्व राष्ट्रपति महामहिम सुश्री कोलिंडा ग्रैबर-किटरोविक भा.सां.सं.प. के विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम के तहत भारत का दौरा और महानिदेशक, भा.सां.सं.प., श्री कुमार तुहिन के बीच बातचीत

क्रोएशिया के पूर्व राष्ट्रपति महामहिम सुश्री कोलिंडा ग्रैबर-किटरोविक ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दोपहर के भोजन पर बैठक की

शैक्षणिक आगंतुक कार्यक्रम

अकादमिक आगंतुक कार्यक्रम के तहत परिषद भारतीय संस्कृति का अनुभव करने और भारत में संस्थानों और दर्शकों के साथ बातचीत करने के लिए प्रख्यात शिक्षाविदों को भारत दौरे की सुविधा प्रदान करती है। थिंक-टैंक और सांस्कृतिक/शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख प्रतिनिधियों को भी अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नौकरशाहों, गैर सरकारी संगठनों और बुद्धिजीवियों के साथ बैठकों के अलावा व्याख्यान, कार्यशालाएं, भारतीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठकें जैसे विभिन्न सत्र शामिल हैं।

जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम

भा.सां.सं.प. आज़ादी का अमृत महोत्सव (अकाम) के हिस्से के रूप में "जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम" का आयोजन करता है। 75 लोकतंत्रों के उभरते युवा नेता और वैश्विक मंच, भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं, इसकी सांस्कृतिक विरासत, इसकी विकासात्मक पहलों और लोकतांत्रिक परंपराओं का व्यापक अवलोकन प्राप्त करने के लिए भारत का दौरा करने के लिए एकजुट हुए। प्रतिनिधियों को विभिन्न संगठनों द्वारा राजनीतिक क्षेत्र, आर्थिक क्षेत्रों और विज्ञान और तकनीकी क्षमताओं में भारत की प्रगति के बारे में जानकारी दी जाती है। कार्यक्रम को विभिन्न समूहों में विभाजित किया गया है, प्रत्येक समूह में लगभग सात से आठ देश शामिल हैं और प्रत्येक देश से दो से पांच प्रतिनिधि हैं।

जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम के तहत 6 देशों के 27 प्रतिनिधियों ने (20 मई-29 मई, 2022) श्रीमती मीनाक्षी लेखी, विदेश राज्य मंत्री और डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, अध्यक्ष भा.सां.सं.प. के साथ दौरा किया।

दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई), नई दिल्ली में जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम (18 जुलाई - 27 जुलाई, 2022) के तहत 6 देशों के 21 प्रतिनिधियों ने दौरा किया।

जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम के तहत 6 देशों के 18 प्रतिनिधियों ने
(05 सितंबर - 14 सितंबर, 2022) महाराष्ट्र सदन, नई दिल्ली का दौरा किया

गोवा के माननीय मुख्यमंत्री श्री. प्रमोद सावंत ने
गोवा दौरे के दौरान 18 प्रतिनिधियों का स्वागत किया

जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्रोम (22 - 31 जनवरी, 2023) के तहत 7 देशों के 29 प्रतिनिधियों
ने वाराणसी के पास पुरा बुरियार गांव, एक सांसद आदर्श ग्राम गांव जिसकी देखभाल माननीय
प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की जा रही है का दौरा किया

जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम के प्रतिनिधियों ने वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का दौरा किया।

जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम (06 - 15 मार्च, 2023) के तहत दौरे पर आए 8 देशों के 38 प्रतिनिधियों को निर्वाचन सदन, नई दिल्ली में "भारत के चुनाव आयोग की भूमिका और कार्यों" के बारे में जानकारी दी गई।

भा.सां.सं.प.

छात्रवृत्ति एवं अंतर्राष्ट्रीय छात्र कल्याण

1989 में, भा.सां.सं.प. को विभिन्न राज्य/केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कला, वाणिज्य और विज्ञान (मेडिकल/पैरामेडिकल/फैशन/कानून पाठ्यक्रमों को छोड़कर) भारत में स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पीएचडी पाठ्यक्रम करने के इच्छुक विदेशी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

वर्ष 2022-23 में, 21 छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत दुनिया भर के छात्रों को 3878 छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं, जिनमें से 6 भा.सां.सं.प. द्वारा स्वयं, 12 विदेश मंत्रालय और शेष 3 आयुष मंत्रालय की ओर से प्रशासित हैं। 3878 स्लॉट का विस्तृत विभाजन अनुलग्नक -iii पृष्ट सं.150 पर उपलब्ध है।

कुछ छात्रवृत्ति योजनाओं का नाम कला/संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में की प्रसिद्ध व्यक्तित्व के नाम पर रखा गया है, जो इस प्रकार हैं:-

क्र. सं.	छात्रवृत्ति योजना का पूर्व नाम	नया नाम
1.	सामान्य छात्रवृत्ति योजना	अटल बिहारी वाजपेई सामान्य छात्रवृत्ति योजना
2.	राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति योजना	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति योजना
3.	सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम/ईईपी	डॉ. एस. राधाकृष्णन सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम/ईईपी छात्रवृत्ति योजना
4.	नृत्य और संगीत के लिए आईसीसीआर छात्रवृत्ति योजना	लता मंगेशकर नृत्य एवं संगीत छात्रवृत्ति योजना

किसी भी निश्चित समय पर भा.सां.सं.प. भारत में लगभग 6500 विदेशी छात्रों की मेजबानी करता है

ए2ए / ज्ञान - सेतु पोर्टल

जिन छात्रवृत्तियों को मैन्युअल रूप से प्रशासित किया जा रहा था, उन्हें 2018 में छात्रों के लिए प्रवेश A2A पोर्टल (http://a2ascholars.iccr.gov.in) शुरू करके डिजिटल कर दिया गया। छात्रवृत्ति प्रक्रिया को और सरल बनाने के लिए पूरी छात्रवृत्ति प्रक्रिया को एक नए स्वचालित करने के लिए ज्ञान_सेतु नामक एप्लिकेशन - "ज्ञान के माध्यम से संस्कृति को जोड़ना", भा.सां.सं.प. द्वारा 6 फरवरी 2023 को लॉन्च किया गया । यह एप्लिकेशन भा.सां.सं.प., विश्वविद्यालयों/संस्थानों और विदेशी छात्रों तक एक ही स्थान पर महत्वपूर्ण जानकारी को पहुंचने की सुविधा प्रदान करता है तथा New India Techade को उत्प्रेरित करने के साथ-साथ छात्रों को छात्रवृत्ति और विश्वविद्यालयों को ट्यूशन फीस भुगतान को डिजिटल बनाता है।

चयन प्रक्रिया
Admission to Alumni

पिछले कुछ वर्षों में भा.सां.सं.प. ने लाभार्थियों की चयन प्रक्रिया में बदलाव किये हैं, जिसमें आवेदक पांच (पहले के तीन के बजाय) भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों को चुन सकता है, जिसके बाद आवेदक को अपनी क्रेडेंशियल उन विश्वविद्यालयों से अपलोड करनी होती है। एक बार जब आवेदक ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कर लेता है, तो आवेदन उन विश्वविद्यालयों/संस्थानों द्वारा देखा जा सकता है। संबंधित विश्वविद्यालय/संस्थान अपनी पात्रता मानदंड के अनुसार आवेदक के आवेदन की जांच करते हैं और यदि स्वीकार किया जाता है, तो पोर्टल पर आवेदक की प्रोविजनल प्रवेश पुष्टि अपलोड करता है । यह संबंधित मिशन/भा.सां.सं.प. मुख्यालय/जोनल/सब-जोनल कार्यालय के पोर्टल पर दिखाई देता है।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम

भारतीय कला, संस्कृति, विरासत, परंपरा, आयुर्वेद, योग, कानून, अर्थव्यवस्था, जलवायु, नृत्य, संगीत, भोजन, अनुष्ठान, आदि के बारे में के विदेशी छात्रों को परिचित कराने के लिए नई दिल्ली में भा.सां.सं.प. मुख्यालय और इसके जोनल/सब-जोनल कार्यालयों में ओरिएंटेशन कार्यक्रम की व्यवस्था की जाती है ताकि उनके प्रवास को आरामदायक, सार्थक और समग्र बनाया जा सके। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के प्रति सुखद, सकारात्मक दृष्टिकोण बनाना है।

कल्याणकारी गतिविधियाँ

छात्रवृत्ति कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से, भा.सां.सं.प. भारत में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन शिविरों की व्यवस्था करके छुट्टियों का उपयोग करता है। भा.सां.सं.प. मुख्यालय के साथ-साथ अपने ज़ोनल/सब ज़ोनल/आरपीओकार्यालय में विदेशी छात्रों के लिए त्यौहार मनाने सहित कई सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन करता है। सबसे बड़ा त्योहार अंतर्राष्ट्रीय छात्र महोत्सव है जो हर साल नवंबर में भा.सां.सं.प. के संस्थापक-अध्यक्ष मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के अवसर पर आयोजित किया जाता है।

वर्ष 2022-23 के दौरान छात्रवृत्ति प्रभाग द्वारा की गई गतिविधियाँ

भारत पूर्व छात्र पोर्टल का शुभारंभ

विदेश राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने भा.सां.सं.प. स्थापना दिवस 9 अप्रैल, 2022 पर भा.सां.सं.प. द्वारा विकसित India Alumni Portal (www.iccr.almaconnect.com) का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य भा.सां.सं.प. व अन्य सभी पूर्व विदेशी छात्रों को जोड़ना है।

जिन छात्रों ने भा.सां.सं.प. छात्रवृत्ति का लाभ उठाया, वे संभवतः अपने देश में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। इंडिया एलुमनी पोर्टल का उद्देश्य उन्हें शामिल करना और गतिशील भारत से जोड़े/अपडेट करना है ताकि वे अपने अनूठे तरीकों से दोस्ती का सेतु और भारत के अनौपचारिक सांस्कृतिक राजदूत बन सकें। इसका उद्देश्य सभी अतीत और वर्तमान विदेशी विद्वानों के लिए पंजीकरण, बातचीत और अपने भारतीय संबंधों को बनाए रखने के लिए एक एकल मंच प्रदान करना है। यह पोर्टल कई पुराने विद्वानों के साथ निरंतरता और पुनः जुड़ने की सुविधा भी प्रदान करता है। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रस्थान करने वाले छात्रों को पोर्टल पर पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

ग्रीष्मकालीन शिविर कल्याण अंतर्राष्ट्रीय छात्र

जून 2022 में, भा.सां.सं.प. ने सिक्किम, मनाली, जिम कॉर्बेट, मुंबई और बैंगलोर में 16 ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किये। शिविरों में 60 देशों और 18 भारतीय राज्यों के 75 विश्वविद्यालयों/संस्थानों के लगभग 650 छात्रों ने भाग लिया। शिविर के दौरान छात्रों की सहायता/मार्गदर्शन करने के लिए, विश्व छात्र एवं युवा संगठन (WOSY) के कुछ स्वयंसेवकों और शिक्षाविदों ने भी शिविर में भाग लिया।

ज्ञान_सेतु' का शुभारंभ

भा.सां.सं.प. ने भा.सां.सं.प. की छात्रवृत्ति की संपूर्ण कार्य प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए 6 फरवरी 2023 को भा.सां.सं.प.सभागार में एक एप्लिकेशन, "ज्ञान_सेतु - ज्ञान के माध्यम से संस्कृति को जोड़ना" लॉन्च किया। एप्लिकेशन को आधिकारिक तौर पर माननीय डॉ. राजकुमार रंजन सिंह, विदेश और शिक्षा राज्य मंत्री, डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, अध्यक्ष, भा.सां.सं.प., श्री कुमार तुहिन, महानिदेशक, भा.सां.सं.प., श्री दीपक करंजीकर अध्यक्ष वित्त समिति, भा.सां.सं.प., और डॉ. राहुल मराठे प्रोफेसर, आईआईटी, मद्रास की गरिमामय उपस्थिति में लॉन्च किया गया।

माननीय विदेश एवं शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह द्वारा डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. और श्री कुमार तुहिन, महानिदेशक, भा.सां.सं.प. की गरिमामय उपस्थिति में ज्ञान_सेतु पोर्टल का शुभारंभ।

<u>भारत में अध्ययनरत विदेशी छात्रों के लिए भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता</u>

भा.सां.सं.प. ने भारत में पढ़ रहे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बीच निबंध और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह भा.सां.सं.प. के छात्रवृत्ति धारक या स्व-वित्तपोषित सभी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए खुला था।

<u>भाषण प्रतियोगिता</u>

1) प्रतियोगिता दो भागों में आयोजित की गई थी और प्रतियोगिता के विषय निम्नलिखित थे:-

क) वसुधैव कुटुंबकम या विश्व को एक परिवार के रूप में मानने की उपयुक्तता का वैश्विक दृष्टिकोण;

ख) 20वीं सदी के मध्य में उपनिवेशवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भूमिका;

ग) पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों का महत्व;

2) पहला राउंड भा.सां.सं.प. के जोनल कार्यालयों और मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था और अंतिम राउंड (जोनल कार्यालयों के विजेताओं के बीच) मेवाड़ विश्वविद्यालय, मेवाड़ में 19-21 फरवरी 2023 में आयोजित किया गया था।

3) भाषण प्रतियोगिता के फाइनल राउंड में 14 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

भाषण प्रतियोगता के विजेताओं की सूची निम्नलिखित है

क्र. सं.	छात्र का नाम	देश	इनाम
1.	श्री एज़ोके माइकल ओबिना	नाइजीरिया	प्रथम स्थान
2.	सुश्री इंदुकाँति श्रीप्रदा	संयुक्त राज्य अमेरिका	द्वितीय स्थान
3.	सुश्री नानाजी क्लारा सोचिमाइजेम	नाइजीरिया	द्वितीय स्थान
4.	श्री पिंस यादव	नेपाल	तृतीय स्थान
5.	सुश्री मोहिनी पुष्पुला	बांग्लादेश	तृतीय स्थान

निबंध प्रतियोगिता

निबंध प्रतियोगिता निम्नलिखित विषयों पर ऑनलाइन आयोजित की गई जिसमें 40 देशों के 252 छात्रों ने भाग लिया:-
क) भारत में लोकतंत्र का विकास;
ख) भारत के विकास में आध्यात्मिक गुरुओं का योगदान;
ग) एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा और भारत में इसका भविष्य;
घ) भारत की जी20 अध्यक्षता-महत्व और प्रभाव।

20 फरवरी 2023 को मेवाड़ विश्वविद्यालय, मेवाड़ में आयोजित कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता की शीर्ष 3 प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया गया, जो इस प्रकार हैं:-

क्र. सं.	छात्र का नाम	देश	इनाम
1.	श्रीमान हासन बांगुरा	सेरा लिओन	तृतीय पुरस्कार
2.	श्री पल्लेक कनकनामगे डॉन मनोलि गायनिका प्रेमलाल	श्रीलंका	सांत्वना पुरस्कार
3.	सुश्री अनिंदिता चौधरी	बांग्लादेश	सांत्वना पुरस्कार

मेवाड़ विश्वविद्यालय, मेवाड़ में भाषण प्रतियोगिता

डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. के साथभाषण और निबंध प्रतियोगिता के विजेता

आई सी सी अनुभाग

परिषद के दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 38 भारतीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी) हैं। इसके अतिरिक्त भा.सां.सं.प. स्पेन के वलाडोलिड में 'पीपीपी' मॉडल (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) पर स्थापित कासा डे ला इंडिया को समर्थन प्रदान करता है।

विश्व स्तर पर योग, वेद और संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए, भा.सां.सं.प. ने विभिन्न मिशनों / पदों /आईसीसी में 48 भारतीय संस्कृति शिक्षकों (टीआईसी) को नियुक्त किया है। परिषद ने मिशन/पोस्ट/आईसीसी में भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, हिंदुस्तानी/कर्नाटक गायन, तबला जैसे विषयों में 40 भारत आधारित प्रदर्शन कला शिक्षकों और हिंदी भाषा के 1 शिक्षक को भी नियुक्त किया है। इसके अलावा, परिषद ने स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए योग, भारतीय नृत्य और संगीत के शिक्षकों के रूप में स्थानीय संसाधन व्यक्तियों (एलआरपी) को नियुक्त करना शुरू किया और मिशनों/पोस्ट को प्रोत्साहित किया। वर्तमान में कुल 87 एलआरपी विभिन्न मिशनों/पोस्टों/आईसीसी में तैनात हैं। रूट्स2रूट्स के सहयोग से पायलट आधार पर आईसीसी में 16 जुलाई से 14 सितंबर, 2022 तक ऑनलाइन कथक नृत्य कक्षाएं आयोजित की गईं। विदेशों में हिंदी भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए, परिषद ने इच्छुक प्रतिभागियों के लिए तीन महीने के ऑनलाइन हिंदी जागरूकता कार्यक्रम के लिए 9 नवंबर, 2022 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) और केंद्रीय हिंदी निदेशालय के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये।

Press Release

हिंदी प्रचार

गगनांचल

भा.सां.सं.प. पिछले 45 वर्षों से द्विमासिक हिंदी पत्रिका गगनांचल प्रकाशित कर रही है; इसका मुख्य उद्देश्य देश के साथ-साथ विदेशों में भी हिंदी को बढ़ावा देना है। वर्ष 2022-23 के दौरान गगनांचल वर्ष 45 अंक-2 (मार्च-अप्रैल), 2022 वर्ष 45 अंक-3 (मई-जून) 2022, वर्ष 45 अंक-4 (जुलाई-अगस्त) 2022, वर्ष 45 अंक 5-6 (सितंबर-दिसंबर) 2022, संयुक्त अंक और वर्ष 46 अंक 1-2 (जनवरी-अप्रैल) 2023 (संयुक्तांक) 12वां विश्व हिंदी सम्मेलन विशेषांक प्रकाशित किया गया।

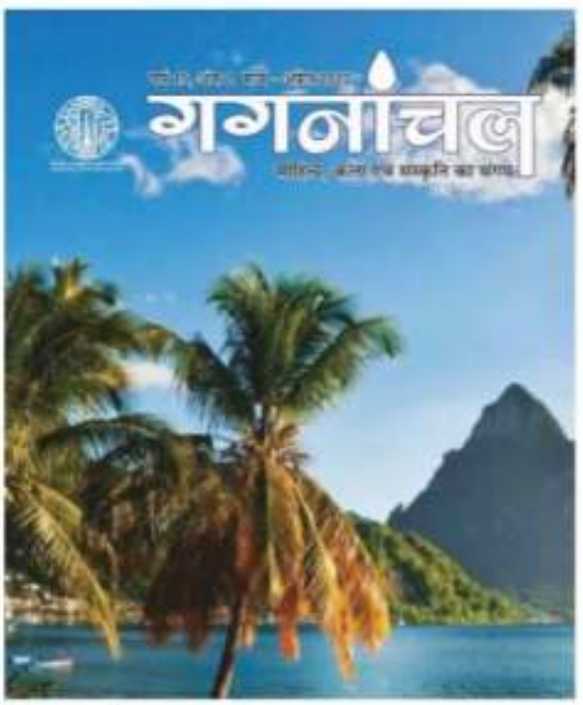

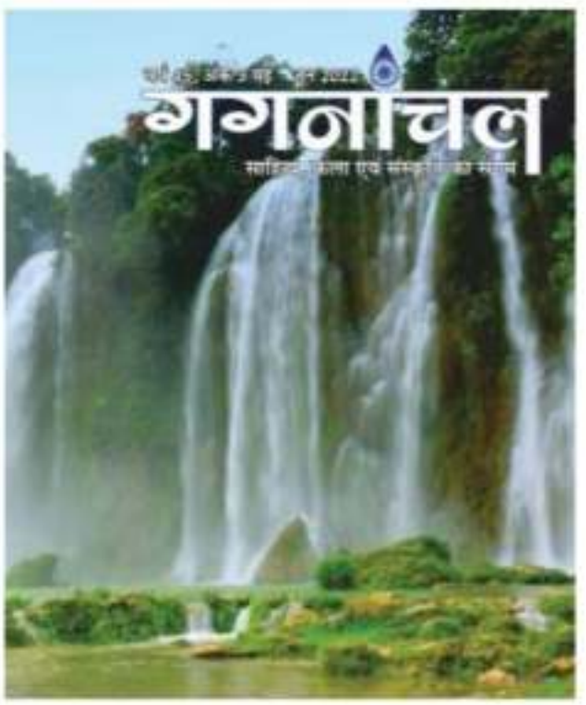

हिन्दी कार्यशाला

भा.सां.सं.प. ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान अपने कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 21 जून 2022, 19 सितंबर 2022, 13 दिसंबर 2022 और 22 मार्च 2023 को विभिन्न विषयों पर चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया। इसके अलावा, भा.सां.सं.प. ने परिषद में हिंदी के कामकाज की समीक्षा के लिए 4 हिंदी कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की। परिषद द्वारा 14-29 सितंबर 2022 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी निबंध, सामान्य हिंदी, टिप्पण एवं पत्र लेखन तथा श्रुतलेख जैसी विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 29 सितम्बर 2022 को हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह में काव्य पाठ का आयोजन किया गया जिसमें परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने काव्यपाठ किया।

12वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन

12वां विश्व हिंदी सम्मेलन 15-17 फरवरी 2023 को फिजी में आयोजित किया गया था और इस अवसर पर, भा.सां.सं.प. ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया और हिंदी गगनांचल पत्रिका के 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन विशेषांक का विमोचन भी किया। भा.सां.सं.प. ने प्रतिष्ठित सम्मेलन में 54 विदेशी हिंदी विद्वानों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की।

12वाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन

भा.सां.सं.प. पुरस्कार

अन्य देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना। भा.सां.सं.प. ने संबंधित क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए विदेशी नागरिकों को मान्यता देने के लिए विभिन्न पुरस्कारों की स्थापना की है।
ये पुरस्कार हैं:

प्रतिष्ठित इंडोलोजिस्ट पुरस्कार

वार्षिक "भा.सां.सं.प. प्रतिष्ठित इंडोलॉजिस्ट अवार्ड" की स्थापना 2015 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा आयोजित प्रथम विश्व इंडोलॉजी सम्मेलन के दौरान की गई थी, जिसमें विदेशों में भारतीय अध्ययन को बढ़ावा देने के दायरे पर विचार-विमर्श करने के लिए दुनिया भर के प्रमुख इंडोलॉजिस्ट को भारतीय विद्वानों के साथ एक मंच पर लाया गया था। यह पुरस्कार किसी विदेशी विद्वान को भारतीय अध्ययन के किसी भी क्षेत्र में अध्ययन, शिक्षण और अनुसंधान में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। वर्ष 2022-23 में यह पुरस्कार 29 जून को न्यूयॉर्क में आयोजित एक समारोह में यूएसए के डॉ. विश्वा एडलुरी को प्रदान किया गया।

डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. 29 जून, 2022 को न्यूयॉर्क में डॉ. विश्वा एडलुरी को विशिष्ट इंडोलॉजिस्ट पुरस्कार 2019 प्रदान करते हुए।

विश्व संस्कृत पुरस्कार

वार्षिक "विश्व संस्कृत पुरस्कार" की स्थापना की घोषणा जून 2015 में बैंकॉक में आयोजित 16वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण के दौरान विदेश मंत्री स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज के द्वारा संस्कृत अध्ययन को बढ़ावा देने में विदेशी विद्वानों के योगदान को मान्यता देने के लिए की गई थी। यह पुरस्कार किसी विदेशी विद्वान को संस्कृत भाषा और साहित्य में अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान में उनके योगदान के लिए दिया जाता है। इस वर्ष विश्व संस्कृत पुरस्कार 2021 के प्राप्तकर्ता डॉ. बोरिस अलेक्सेविच ज़खारिन के लिए पुरस्कार वितरण समारोह रूस में आयोजित किया गया था।

डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. 13 सितंबर 2022 को रूस में डॉ. बोरिस अलेक्सेविच ज़खारिन को विश्व संस्कृत पुरस्कार 2021 प्रदान करते हुए।

प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार

भा.सां.सं.प. के पास विदेशी छात्रों के लिए एक व्यापक छात्रवृत्ति कार्यक्रम है। यह प्रतिवर्ष दुनिया भर के देशों के छात्रों को भारतीय संस्थानों में स्नातक, स्नातकोत्तर और अनुसंधान स्तरों पर भारतीय प्रदर्शन/दृश्य कला में शैक्षणिक और अन्य पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियां वितरित करता है। भारत में अध्ययन करने वाले विदेशी छात्र भारत के सद्भावना दूत हैं और समय के साथ उन्होंने अपने-अपने देशों में प्रभावशाली स्थान हासिल किये हैं। भारत में अध्ययन करने वाले विदेशी छात्रों की उपलब्धियों को मान्यता देते हुए, 2015 में "भा.सां.सं.प. ने विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार" की स्थापना की गई थी। यह पुरस्कार भारत में अध्ययन करने वाले विदेशी नागरिकों को भारत और अपने-अपने देशों के लोगों के बीच समझ, सद्भावना और दोस्ती को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए दिया जाता है। इस वर्ष विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार 2021 के प्राप्तकर्ता डॉ. एर्गोगी टेस्फेय वोल्डेमेस्केल के लिए पुरस्कार वितरण समारोह दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. की उपस्थिति में 8 अगस्त, 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय में इथियोपिया से भारत की राजदूत डॉ. तिज़िता मुलुगेटा, श्री कुमार तुहिन महानिदेशक, भा.सां.सं.प. और डॉ. अमरजीवा लोचन, डीयू के आईएएस, डॉ. एर्गोगी टेस्फेय वोल्डेमेस्केल को विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार 2021 प्रदान करते हुए।

विशेष परियोजना (स्पेशल प्रोजेक्ट)

सांस्कृतिक सद्भाव का जश्न: प्रतिभा संगम
आज़ादी का अमृत महोत्सव में प्रतियोगिता के विजेता चमकते हुए

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भारत की आजादी के 75वें वर्ष का जश्न मनाने के लिए 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत, भा.सां.सं.प. ने प्रतिभा संगम प्रतियोगिता का आयोजन किया, जो विदेशी नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों(पीआईओ) की कला को प्रदर्शित करने के लिए एक अनूठी पहल की जो अपने-अपने देशों में भारतीय शास्त्रीय नृत्य और संगीत शैलियों को भावुक, समर्पित और सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं। ये व्यक्ति सद्भावना के सम्मानित राजदूत बन गए हैं, सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा दे रहे हैं और 'वसुधैव कुटुंबकम' - दुनिया एक परिवार है - के सार को मूर्त रूप दे रहे हैं।

प्रतिभा का एक वैश्विक प्रदर्शन

प्रतियोगिता को ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें दुनिया भर के 37 देशों से 273 प्रविष्टियाँ आईं। इन प्रविष्टियों में भारतीय नृत्य और संगीत की सात शैलियों का विस्तार किया गया है, जो भारतीय संस्कृति की विविधता और सार्वभौमिकता को दर्शाती हैं। इसके बाद, प्रत्येक शैली का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के एक पैनल ने परिश्रमपूर्वक 21 विजेताओं का चयन किया, जिन्होंने अपने संबंधित विषयों में अद्वितीय समर्पण और कौशल का प्रदर्शन किया।

भारत में भव्य उत्सव

इन प्रतिभाशाली कलाकारों की उपलब्धियों का जश्न मनाने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए, परिषद ने प्रथम और द्वितीय पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं सहित 14 विजेताओं को 26 दिसंबर, 2022 से 15 जनवरी, 2023 तक भारत आने का निमंत्रण दिया। इनके विजिट के दौरान पूरे भारत में प्रतिष्ठित स्थानों और कार्यक्रमों में अपनी उल्लेखनीय प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला, जिससे यह अनुभव वास्तव में अविस्मरणीय हो गया।

'वसुधैव कुटुंबकम' के साथ सामंजस्य में कलात्मकता

भा.सां.सं.प. ने विदेशी प्रतिनिधियों का एक संयुक्त प्रदर्शन आयोजित किया, जिसने 'वसुधैव कुटुंबकम' या 'विश्व एक परिवार है' विषय का उदाहरण दिया। ये प्रदर्शन सीमाओं, भाषा और संस्कृतियों से परे, एकता और सद्भाव के सार के साथ गूंजते हैं जो भारत की सांस्कृतिक टेपेस्ट्री को परिभाषित करता है।

विशिष्ट विजेता:

14 आमंत्रितों में से निम्नलिखित आठ विजेताओं ने अपनी उल्लेखनीय प्रतिभा और भारतीय शास्त्रीय कला के प्रति जुनून के साथ प्रदर्शन किया:

- श्री साजिथ इलंगारेदना, श्रीलंका
- श्री थानुरा मदुशीथ डिसनायका मुदियानसेलेज, श्रीलंका
- सुश्री किम खू, मलेशिया
- श्री ए. के रविशंकर करुणाकरन, मलेशिया
- सुश्री विनीता बलरामा, मलेशिया
- सुश्री अनिता सजेगेदी, हंगरी
- सुश्री अत्सुको कात्सुरा, जापान
- श्री नेरियेन पदियाची वीरलापिन, मॉरीशस

भा.सां.सं.प.
वित्त एवं लेखा

भा.सां.सं.प. को अपने बजट अनुमान ₹ 386.18 करोड़ के मुकाबले ₹ 320.00 करोड़ की अनुदान सहायता प्राप्त हुई। भा.सां.सं.प. आबंटित अनुदान के भीतर कई महत्वपूर्ण गतिविधियों को लागू करने में सक्षम रहा। वित्त एवं लेखा से संबंधित गतिविधियों की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:-

1. वर्ष 2022-23 के लिए भा.सां.सं.प. का वार्षिक लेखा तैयार किया गया है। इसे भारत में 11 जेडओ/सब-जेडओ और विदेश में 38 आईसीसी के साथ कठोर अनुवर्ती कार्रवाई के बाद पूरा किया गया है।

2. भा.सां.सं.प. में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पी.एफ.एम.एस.) के कार्यान्वयन के मद्देनजर मेकर और चेकर बनाने के लिए आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। भा.सां.सं.प. ने वर्ष 2022-23 के लिए पी.एफ.एम.एस. प्लेटफॉर्म पर होने वाले खर्च को पूरा कर लिया है। इसके अलावा सभी छात्रवृत्ति भुगतान पी.एफ.एम.एस. के माध्यम से किये जा रहे हैं। इसके अलावा टीएसए (ट्रेजरी सिंगल अकाउंट) को भा.सां.सं.प. में लागू किया गया है और अनुदान सहायता से सभी भुगतान केवल पीएफएमएस के माध्यम से आरबीआई खाते से जारी किये जा रहे हैं।

3. अप्रैल 2021 से पीएफएमएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी बिलों और भुगतानों को संशोधित करके इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से सभी भुगतान सीधे विक्रेता/लाभार्थी के बैंक खाते में जारी किये जा रहे हैं।

4. वर्ष 2021-22 के लिए भा.सां.सं.प. को वार्षिक लेखा और वार्षिक रिपोर्ट 22 दिसंबर, 2022 (राज्यसभा) और 3 फरवरी, 2023 (लोकसभा) को संसद के पटल पर रखा गया।

5. भा.सां.सं.प. की 88वीं वित्त समिति की बैठक 28 जून, 2023 को आयोजित की गई है, जिसमें वर्ष 2022-23 के लिए भा.सां.सं.प. के वार्षिक खातों को मंजूरी दी गई है। वित्त समिति के अध्यक्ष की मंजूरी के बाद 28 जून, 2023 को भा.सां.सं.प. के पत्र के माध्यम से कार्यवृत्त प्रसारित किये गए हैं।

6. वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए परिषद के वार्षिक खातों को भी 11 दिसंबर, 2021 को आयोजित बैठक में अध्यक्ष, भा.सां.सं.प. द्वारा शासी निकाय के रूप में अनुमोदित किया गया है, जिसके बाद अध्यक्ष-भा.सां.सं.प. को शासी निकाय की ओर से वित्त समिति से अनुमोदन, वार्षिक खातों को मंजूरी देने के लिए अधिकृत किया गया है।

7. उत्पादक आगे की योजना सुनिश्चित करने के लिए 135 से अधिक मिशनों/पोस्टों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए भा.सां.सं.प. की 3-वर्षीय कार्य योजना तैयार/संकलित की गई। इसे 11.12.2021 को भा.सां.सं.प. के वैधानिक निकायों द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया है।

8. जोनल/सब जोनल कार्यालयों के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा कार्यक्रम को मंजूरी दे दी गई है। भा.सां.सं.प. (मुख्यालय) की एक टीम ने अक्टूबर, 2022 के दौरान दिल्ली-एनसीआर के एक जोनल कार्यालय का आंतरिक लेखा परीक्षा किया है।

वित्त वर्ष 2022- 23 के दौरान शीर्ष-वार व्यय नीचे दिया गया है :

क. सामान्य क्रियाकलाप - राजस्व लेखे

(आंकड़े लाख में)

क्रम संख्या	उपर्युक्त शीर्ष	व्यय (वित्तीय वर्ष 2022- 23)
1.	आवक और जावक आगुंतक और प्रतिनिधिमंडल	3317.02
2.	भा.सां.सं. प. की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां	490.00
3.	संगोष्ठियां/परिसंवाद/सम्मेलन/व्याख्यान/एसआईएस	152.58
4.	अंतरराष्ट्रीय छात्र प्रभाग/पूर्व छात्र पुरस्कार	6553.98
5.	प्रदर्शनियों/आवक्ष प्रतिमाए/अभिविन्यास अनुदान	363.14
6.	पुस्तक और कला वस्तुओं की प्रस्तुति	6.57
7.	प्रकाशन	5.79
8.	ग्रंथालय	17.20
9.	मल्टीमीडिया और वेबसाइट	120.99
10.	हिंदी संबंधी क्रियाकलाप	134.99
11.	त्योहार	0.00
12.	अध्येतावृत्ति	29.52
13.	विविध निक्षेप	1.75
	कुल 'क'	**₹ 11193.53**

ख. विदेशों में परियोजनाएं

(आंकड़े लाख में)

क्रम संख्या	उपर्युक्त शीर्ष	व्यय (वित्तीय वर्ष 2022- 23)
1.	विदेशों में सांस्कृतिक केंद्र	10854.08
2.	भारतीय अध्ययन पीठ/केंद्र	648.16
3.	कासा डा ला इंडिया (स्पेन) और वुसान को अनुदान	83.14
4.	संसाधक व्यक्तियों की तैनाती	150.33
5.	केंद्रों में शिक्षक (टीआईसी)	921.32
6.	अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (2022)	770.03
7.	विदेश स्थित पीठों में हिंदी अध्यापक	85.84
8.	निदेशकों/प्रोफसर/टीआईसी/योगा/डांस अध्यापकों की नियुक्ति	47.78
9.	विदेश में स्थानीय संसाधन व्यक्ति	158.37
10.	37 भारतीय सांस्कृतिक केंद्रों के लिए राखी खरीद	3.74
	कुल 'ख'	**₹ 13722.79**

ग. निर्धारित प्रभार

(आंकड़े लाख में)

क्रम संख्या	उपर्युक्त शीर्ष	व्यय (वित्तीय वर्ष 2022- 23)
1.	जीएं/जीबी और अन्य समितियों की बैठक	8.79
2.	केंद्रीय और क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना	2913.32
3.	कार्यालय व्यय	1126.69
	कुल 'ग'	**₹ 4048.80**

घ. पूंजीगत व्यय

(आंकड़े लाख में)

क्रम संख्या	उपर्युक्त शीर्ष	व्यय (वित्तीय वर्ष 2022- 23)
1.	वातानुकूलन/फर्नीचर/उपकरण/वाहन/कंप्यूटर	67.11
2.	जिन्ना हाउस का रखरखाव	13.45
	कुल 'घ'	**80.56**
	कुल 'क' से 'घ'	**₹ 29045.68**

सामान्य क्रियाकलापों के अतिरिक्त, परिषद ने विदेश मंत्रालय और अन्य सरकारों/विभागों/मंत्रालयों की ओर से विभिन्न एजेंसी कार्य भी किए, जिनका विवरण निम्नानुसार है :

(आंकड़े लाख में)

क्रम संख्या	विभाग का नाम	प्राप्तियां (वित्तीय वर्ष 2022- 23)	व्यय (वित्तीय वर्ष 2022- 23)
क.	विदेश मंत्रालय छात्रवृत्ति	23442.11	21153.44
ख.	अन्य सरकार/विभाग/मंत्रालय		
1.	आयूष गैर-बिम्सटेक (स्वास्थ्य)	--	693.31
2.	एसईएआर के लिए आयूष छात्रवृत्ति		
3.	मलेशिया के लिए आयूष छात्रवृत्ति		
4.	ओके आईटीए मेमोरियल स्कीम	0.72	0.00
		23442.83	**₹ 21846.75**

भा.सा.सं.प.

अनुलग्नक

अनुलग्नक 1

सामान्य सभी के सदस्यों की सूची

कार्यालय	नाम	ब्यौरा
अध्यक्ष	डॉ. विनय सहस्रबुद्धे	अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और सांसद राज्यसभा
तीन उपाध्यक्ष	श्री विनय क्वात्रा	विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली, पदेन उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
	श्री हंसराज हंस	उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और संसद सदस्य (लोक सभा), नई दिल्ली
	श्री अद्वैत चरण गडनायक	उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और महानिदेशक , नेशनल गैलरी ऑफ मॉर्डन आर्ट, नई दिल्ली
महानिदेशक भा.सां.सं.प.	श्री कुमार तुहिन	महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली
वित्तीय सलाहकार	श्री विभू नायर	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली
भारत सरकार द्वारा नामित 05 व्यक्ति	श्री के. संजय मूर्ति	सचिव (उच्च शिक्षा), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री गोविन्द मोहन	सचिव, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री अरविन्द सिंह	सचिव, पर्यटन मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री उपेन्द्र प्रसाद सिंह	सचिव, वस्त्र मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री अल्केश कुमार शर्मा	सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली
लोकसभा के 02 सदस्य	श्रीमती नवनीत रवि राणा	संसद सदस्य (लोकसभा), नई दिल्ली
राज्यसभा के 01 सदस्य	श्री राकेश सिन्हा	संसद सदस्य (राज्यसभा), नई दिल्ली
ललित कला अकादमी, साहित्य अकादमी और संगीत नाटक अकादमी से एक-एक प्रतिनिधि	सुश्री उमा नंदूरी	अध्यक्ष, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली
	डॉ. के श्रीनिवासराव	सचिव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
	श्री अनीश पी. रंजन	सचिव, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

परिषद के अध्यक्ष द्वारा अपनी व्यक्तिगत क्षमता में भारतीय संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों से नामित प्रख्यात दस व्यक्ति	श्री नितिन भाई देव	मुम्बई, महाराष्ट्र
	श्रीमती जया जेटली	नई दिल्ली
	श्री दीपक करंजीकर	मुम्बई, महाराष्ट्र
	श्री गुरूमयुम विश्वेश्वर शर्मा	इम्फाल (पूर्व), मणिपुर
	सुश्री मालिनी अवस्थी	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
	श्री विवेक श्रीवास्तव	नई दिल्ली
	श्री आरिफ नूरानी	मुम्बई, महाराष्ट्र
	डॉ. अरिंदम मुखर्जी	निदेशक, भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
	सुश्री लिली पांडेय	निदेशक, नेहरू स्मारक संग्रहालय एवं पुस्तकालय, नई दिल्ली
शासी निकाय द्वारा चयनित इस श्रेणी के संस्थानों और संगठनों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रदर्शन कला, ललित कला और प्लास्टिक कला के क्षेत्र के दस प्रख्यात कलाकार	सुश्री चित्रा विश्वेश्वरन	भारतनाट्यम नृतकी, चेन्नई, तमिलनाडु
	पंडित विश्व मोहन भट्ट	संगीतकार (मोहन वीणा), जयपुर, राजस्थान
	सुश्री कविता कृष्णमूर्ति	पार्श्व गायक, बेंगलुरू, कर्नाटक
	श्री कौशल एस. इनामदार	संगीतकार, मुम्बई, महाराष्ट्र
	श्री नरेश कुमार कुमावत	मूर्तिकार, गुरूग्राम, हरियाणा
	श्री विवेक अग्निहोत्री	फिल्म निर्माता, मुम्बई, महाराष्ट्र
	डॉ. प्रकाश खांडगे	लोक कलाकार, मुम्बई, महाराष्ट्र
	श्री बसीफुद्दीन डागर	गायक संगीतकार (ध्रुपद), नई दिल्ली
	श्री सुदर्शन ठाकुर	सचिव, श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र गुवाहाटी, असम
	श्रीमती ताना यामी	जनजातीय कलाकार, पापुम पारे जिला, अरूणाचल प्रदेश
विश्वविद्यालयों या सम विश्वविद्यालय संस्थानों के 15 प्रतिनिधियों का चयन शासी निकाय द्वारा किया जाएगा	प्रो. (डॉ.) करभरी विश्वनाथ काले	कुलपति, सावित्रीबाई फुले, पूणे विश्वविद्यालय, पुणे
	प्रो. सुधीर के. जैन	कुलपति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
	प्रो. राज कुमार	कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
	प्रो. सुनयना सिंह	कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय राजगीर, जिला नालंदा, बिहार
	डॉ. पी. वेंकट रंगन	कुलपति, अमृता विश्व विद्यापीठम कोयंबटूर, तमिलनाडु
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक	कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
	डॉ. विद्या येरावडेकर	सम-कुलपति, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (सम विश्वविद्यालय), पुणे, महाराष्ट्र

	डॉ. एम.डी. वेंकटेश	कुलपति, मणिपाल एकेडमी ऑफ हॉयर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक
	श्री शेखर कपूर	अध्यक्ष, भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एफटीआई) पुणे, महाराष्ट्र
	प्रो. प्रभा शंकर शुक्ल	कुलपति, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू) शिलांग, मेघालय
	डॉ. जे.पी. शर्मा	कुलपति, शेर.ए.कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू
	प्रोफेसर (पं.) साहित्य कुमार नाहर	कुलपति, राजा मानसिंह तोमर संगीत और कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
	प्रो. वी.के. श्रीवास्तव	कुलपति, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, बड़ौदा, गुजरात
	प्रो. विश्वनाथ डी. सबाले	संकाय अध्यक्ष, सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र
	डॉ. ईश्वर बासवरड्डी	निदेशक, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली
शासी निकाय द्वारा चयनित प्रमुख वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों के पांच प्रतिनिधि	श्री निशीथ श्रीवास्तव	प्राचार्य, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टैक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, मुम्बई, महाराष्ट
	डॉ. एच.आर. नागेन्द्र	कुलाधिपति, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान , बेंगलुरू, कर्नाटक
	प्रो. तनुजा मनोज नेसारी	निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), दिल्ली
	प्रो. अनिल दत्तात्रेय सहस्त्रबुद्धे	अध्यक्ष, एआईसीटीई, नई दिल्ली
	प्रो. राजीव शेखर	निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस), धनबाद, झारखंड
शासी निकाय द्वारा मानविकी और सामाजिक	प्रो. शांतिश्री धूलीपुडी पंडित	कुलपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

विज्ञान के क्षेत्रों में अनुसंधान संस्थानों और उच्च शिक्षा संस्थानों के पांच प्रतिनिधियों का चयन किया गया।	प्रो. नजमा अख्तर	कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
	डॉ. चिन्मय पंड्या	सम-कुलपति, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड
	प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव	सदस्य सचिव, इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साईंस एंड रिसर्च, नई दिल्ली
	प्रो. ई. सुरेश कुमार	कुलपति, द इंग्लिश एंड फॉरिन लैंग्वेज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, तेलंगाना
परिषद के कार्य और उद्देश्यों में रुचि रखने वाले अन्य संगठनों से शासी निकाय द्वारा पांच प्रतिनिधियों का चयन	प्रो. एम. जगदीश कुमार	अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
	डॉ.(श्रीमती) पंकज मित्तल	महासचिव, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
	श्री चामू कृष्ण शास्त्री	न्यासी, संस्कृति प्रमोशन फाउंडेशन, तंजावुर, तमिलनाडु
	कुमारी निवेदिता भिड़े	उपाध्यक्ष, विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी, केरल
	श्रीमती नीलांजना रॉय	सचिव, संस्कार भारती, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

ऊपर दी गई सूची में यथा उल्लिखित आम सभा के सदस्यों को नामित किया जाता है। जहां अन्यथा उल्लेख किया गया है, उसके अलावा, आम सभा का कार्यकाल तीन वर्ष है।

अनुलग्नक 2

शासी निकाय के सदस्यों की सूची

कार्यालय	नाम	ब्यौरा
अध्यक्ष	डॉ. विनय सहस्रबुद्धे	अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और सांसद राज्यसभा
एफएस/पदेन उपाध्यक्ष	श्री विनय क्वात्रा	विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली, पदेन उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
आम सभा द्वारा चुने गए दो उपाध्यक्ष	श्री हंसराज हंस	उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और संसद सदस्य (लोक सभा), नई दिल्ली
	श्री अद्वैत चरण गडनायक	उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और महानिदेशक , नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, नई दिल्ली
महानिदेशक	श्री कुमार तुहिन	महानिदेशक भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली
वित्तीय सलाहकार	श्री विभू नायर	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली
भारत सरकार द्वारा आम सभा के नामित सदस्य में से नामित 03 सदस्य	श्री के. संजय मूर्ति	सचिव (उच्च शिक्षा), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री गोविन्द मोहन	सचिव, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली
	श्री अरविन्द सिंह	सचिव, पर्यटन मंत्रालय, नई दिल्ली
आम सभा द्वारा अपने सदस्यों में से चयनित नौ सदस्यों, जिनमें से कम से कम एक राज्य सभा का और दो लोक सभा के सदस्य होंगे	सुश्री उमा नंदूरी	अध्यक्ष, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली
	डॉ. के श्रीनिवासराव	सचिव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
	श्री अनीश पी. रंजन	सचिव, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली
	श्रीमती नवनीत रवि राणा	संसद सदस्य (लोकसभा), नई दिल्ली
	श्री राकेश सिन्हा	संसद सदस्य (राज्यसभा), नई दिल्ली
	श्री दीपक करंजीकर	मुम्बई, महाराष्ट्र
	सुश्री मालिनी अवस्थी	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
	श्री आरिफ नूरानी	मुम्बई, महाराष्ट्र
	डॉ. अरिंदम मुखर्जी	निदेशक, भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

शासी निकाय के सदस्यों को आम सभा से चुना जाता है।

अनुलग्नक 3

(छात्रवृत्ति विभाग) शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए आईसीसीआर की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत स्लॉट आवंटन का विवरण			
क्र.सं.	छात्रवृत्ति योजना का नाम	स्लॉट	पाठ्यक्रम
	गैर-एजेंसी कार्य		
1	अटल बिहारी वाजपेई सामान्य छात्रवृत्ति योजना	613	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी पाठ्यक्रम
2	डॉ. एस. राधाकृष्णन सांस्कृतिक आदान-प्रदान छात्रवृत्ति योजना	152	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी पाठ्यक्रम
3	डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति योजना	24	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी पाठ्यक्रम
4	लता मंगेशकर नृत्य एवं संगीत छात्रवृत्ति योजना	100	Dance, Music, Yoga/Art Courses
5	स्वर्ण जयंती छात्रवृत्ति योजना	500	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी पाठ्यक्रम
6	श्रीलंकाई नागरिकों के लिए नेहरू मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना	60	स्नातक पाठ्यक्रम
	एजेंसी कार्य		
7	अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना	908	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी पाठ्यक्रम
8	मेकांग गंगा सहयोग (एमजीसी) छात्रवृत्ति योजना	50	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी पाठ्यक्रम
9	अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बल	103	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी पाठ्यक्रम
10	अफ़ग़ान नागरिकों के लिए विशेष छात्रवृत्ति	1000	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी पाठ्यक्रम
11	नेपाल के लिए रजत जयंती छात्रवृत्ति योजना	64	स्नातकोत्तर, पीएच.डी पाठ्यक्रम
12	मंगोलिया के नागरिकों के लिए मंगोलिया छात्रवृत्ति योजना में सहायता	20	स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएच.डी पाठ्यक्रम
13	भूटान के नागरिकों के लिए भूटान छात्रवृत्ति योजना में सहायता	25	स्नातक (केवल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम)
14	मालदीव के नागरिकों के लिए मालदीव छात्रवृत्ति योजना में सहायता	20	स्नातक (केवल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम)
15	नेहरू मेमोरियल छात्रवृत्ति योजना	60	केवल स्नातक पाठ्यक्रम

16	मौलाना आज़ाद छात्रवृत्ति योजना	50	कृषि विज्ञान और इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम
17	राजीव गांधी स्कालरशिप स्कीम	25	आईटी के क्षेत्र में अध्ययन के लिए (बीई/बीटेक पाठ्यक्रम)
18	भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों जैसी आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (विदेश मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित) का अध्ययन करने के लिए आयुष छात्रवृत्ति योजना (सभी देशों के छात्रों के लिए उपलब्ध है, हालांकि बिम्सटेक देशों के छात्रों को प्राथमिकता दी जाती है)	30	स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएच.डी. आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, श्रीधर, योग में पाठ्यक्रम
19	भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली जैसे आयुर्वेद, योग यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष द्वारा वित्त पोषित) में अध्ययन के लिए आयुष विभाग की ओर से गैर बिम्सटेक देशों के लिए आयुष छात्रवृत्ति योजना	25	स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएच.डी. आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, श्रीधर, योग में पाठ्यक्रम
20	भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों जैसे आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी का अध्ययन (आयुष द्वारा वित्त पोषित) करने के लिए आयुष छात्रवृत्ति योजना (मलेशियाई नागरिकों के लिए)	20	स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएच.डी. आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, श्रीधर, योग में पाठ्यक्रम
21	दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र (SEAR) देशों के लिए भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों जैस आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी का अध्ययन (आयुष द्वारा वित्त पोषित)करने के लिए आयुष छात्रवृत्ति योजना	29	स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएच.डी. आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, श्रीधर, योग में पाठ्यक्रम
Total		**3878**	

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
आजाद भवन, आई पी एस्टेट, नई दिल्ली-110002
दूरभाष नं. 011 23379309, 23379310
www.iccr.gov.in